बुधवार

22 मई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बिहार ही नहीं पूरे देश में बह रही बदलाव की आंधी, उखड़ जाएगी मोदी सरकार: सहनी

2

वाराणसी में बोले पीएम मोदी... चार जून के बाद महिलाओं की शक्ति को मोदी महाशक्ति बनाकर रहेगा

- काशी में नारी शक्ति संवाद के जरिए प्रधानमंत्री ने महिलाओं के समक्ष साझा किए विचार
- भावुक हो भोजपुरी में बोले- पहिले बेर माई के उपस्थिति के बिन नामांकन कइले हईं, अब गंगा ही हमार माई हईं

केटी न्यूज/वाराणसी

काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र में महिलाओं से संवाद किया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में नारीशक्ति संवाद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दस साल में पहली बार सरकार की नीतियों से लेकर निर्णय तक हमारी माताएं, बहनें, महिलाएं केंद्र मे आई हैं। यह भारत की सक्सेज स्टोरी का बहुत बड़ा फैक्टर है। जब घर आपके बिना नहीं चलता तो देश आपके बिना कैसे चल जाता। 60 वर्ष तक सरकारों को यह बात समझ ही नहीं आई।

पीएम मोदी ने कहा कि काशी में राजपाट बाबा विश्वनाथ का है, लेकिन व्यवस्था मां अन्नपूर्णा ही चलाती हैं। इ पहली बार ह, जब हम काशी क नामांकन अपने माई के उपस्थिति के बिना कइले हईं। मां गंगा ही अब हमार माई हइन। मैंने इसलिए कहा था कि मां गंगा ने पहले मुझे काशी बुलाया था। अब मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है। इतनी सारी मातृशक्ति की मौजूदगी मुझे अभिभूत कर रही है। मैं पार्टी के प्रचार में कितना भी व्यस्त होता हूं, लेकिन बनारस को लेकर हमेशा निश्चिंत रहता हूं। मुझे कोई चिंता ही नहीं रहती, क्योंकि सब कुछ आप लोग भी संभालते हैं। इस गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान जरूर रखिए। मेरा सुझाव है कि कितना भी काम कीजिए, लेकिन पानी साथ रखिए और खूब पीजिए। बिना खाए घर से कतई न निकलिए।

पीएम मोदी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से बनारस के सवा लाख से अधिक लोगों ने मुफ्त इलाज कराया है। माताएं दर्द सहती हैं, लेकिन किसी को बताती नहीं हैं। वे सोचती हैं कि अस्पताल जाएंगी तो खर्च होगा और बच्चों के सिर पर कर्ज चढ़ जाएगा, इसलिए मैंने यह तय किया कि किसी मां को यह पीड़ा नहीं सहनी पड़ेगी। अस्पताल का खर्च आपका बेटा मोदी उठाएगा। बनारस में जिन लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है, उससे अस्पताल में खर्च होने वाला करीब दो सौ करोड़ रुपये बच गया है। अब 70 साल के ऊपर के हर बुजुर्ग के पांच लाख तक के मुफ्त इलाज की चिंता मोदी करेगा। आप आयुष्मान कार्ड बनवाइए, बाकी मोदी पर छोड़ दीजिए।

अब करोड़ों माताएं घर की मालकिन बनी हैं

पीएम ने कहा कि पहली बार केंद्र में ऐसी सरकार आई है, जिसने महिलाओं के सम्मान की चिंता की है। उन्हें इज्जत घर दिए। लोग मजाक उड़ाते थे कि मोदी टॉइलट करता रहता है। हमने 11 करोड़ टॉइलट बनाए हैं। मेरी बहन-बेटियों को इसकी बहुत जरूरत थी। मोदी ने गरीब महिलाओं के लिए बिना एक रुपये खर्च किए खाते खुलवाए, ताकि उन्हें मिलने वाला पैसा सुरक्षित रह सके। चार करोड़ से अधिक घर बनाए, लेकिन उसकी रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर कराई, ताकि करोड़ों माताएं घर की मालकिन बनी हैं। यह सिर्फ योजना ही नहीं थी, इससे नारी शक्ति को नया आत्मविश्वास मिला। यही मेरा मिशन और सोच थी।

मोदी का प्रयास-आपके खर्चे कम और बचत अधिक हो

पीएम ने कहा कांग्रेस आई, महंगाई लाई। कांग्रेस सरकार रही होती तो आपकी रसोई का बजट दो-तीन गुना बढ़ चुका है, लेकिन यह भाजपा और गरीब का बेटा मोदी है। मोदी लगातार प्रयास करता है कि आपके खर्चे कम हों और बचत ज्यादा हो। मोदी ने मुफ्त राशन की योजना चलाई है, जिससे गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे। इससे साल में हर परिवार के करीब 12 हजार रुपये बच रहे हैं। उज्ज्वला सिलेंडर में भी प्रति सिलेंडर 300 रुपये से अधिक की बचत हो रही है। बनारस के 40 हजार घरों में पाइप से रसोई गैस की सप्लाई होती है। बहुत जल्द 80 हजार घरों को पाइप से गैस मिलेगी।

भिखारी चौक स्थित बूथ पर रोहिणी आचार्य के जाने के बाद उपजे विवाद में हुई घटना

छपरा में चुनावी रंजिश में युवक की गोली मारकर हत्या, दो जख्मी, इंटरनेट पर रोक

- राजद और बीजेपी के कार्यकर्ता आपस में भिड़े, मृतक व जख्मी युवक राजद के बताए जाते हैं
- पुलिस ने बीजेपी के कार्यकताओं को लिया हिरासत में

केटी न्यूज/छपरा

छपरा में बीते दिन पांचवे चरण के चुनाव के बीच हुई चुनावी रंजिश तुल पकड़ ली है। मंगलवार की सुबह इसी मामले में राजद और बीजेपी कार्यकर्ता के बीच हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इस बवाल के बाद जिले में दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई है। चुनावी बवाल के बाद इलाके में सनसनी फैली हुई है। वहीं पुलिस लगातार घटनास्थल पर कैंप भी कर रही है। जानकारी अनुसार पुलिस ने इस मामले में बीजेपी के कार्यकताओं को हिरासत में भी लिया है। दरअसल, भिखारी चौक स्थित बूथ पर रोहिणी आचार्य के जाने के बाद उपजे विवाद में मंगलवार की सुबह हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। मृतक नगर थाना क्षेत्र के बड़ा तेलपा निवासी नागेंद्र राय के 26 वर्षीय चंदन कुमार जबकि घायल में शंभू राय के 30 वर्षीय पुत्र गुड्ड राय और विदेशी राय के 40 वर्षीय पुत्र मनोज राय को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है। घायल मनोज के कमर में गोली लगी है जबकि गुड्डू राय के सिर में गोली मारी गई है। छपरा के डीएम अमन समीर ने मौत की बात स्वीकार की है। कई राउंड गोली चलने की बात सामने आई है।

घटना की सूचना मिलने पर सदर अस्पताल में पूर्व मंत्री सह मढ़ौरा से राजद विधायक जितेंद्र राय पहुंच मामले की जांच में जुट गए हैं। वहीं घटना स्थल पर सारण के आयुक्त एम सरवणन और पुलिस उप महानिरीक्षक विकास वैभव सहित जिलाधिकारी अमन समीर और पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव मंगला सहित सैकड़ों की संख्या में पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। हालांकि घटना के विरोध में भिखारी ठाकुर चौक को पूरी तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

तीन लोगों को लगी गोली, नगर थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

जानकारी के अनुसार गोलीबारी के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। दो लोग जो घायल हुए थे उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से बेहतर इलाज के लिए एक को पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। इस घटना में कुल तीन लोगों को गोली लगी है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही की जिसमें भाजपा कार्यकर्ता जय नारायण सिंह सोलंकी एवं रमाकांत सिंह को हिरासत में लेकर तलाशी की गई। इनकी पूछताछ के आधार पर हथियार एवं उनके पास से गोली बरामद हुई। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल की जांच की है और अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। पुलिस ने यह भी कहा है कि इस घटना के संबंध में सर्वप्रथम लापरवाही बरतने के लिए संबंधित नगर थाना अश्विनी कुमार तिवारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

एसपी बोले...होगी कार्रवाई

छपरा के एसपी गौरव मंगला ने कहा, सोमवार को आरजेडी व बीजेपी के कार्यकताओं के बीच विवाद हुआ था। उसी को लेकर घटना हुई है। तीन व्यक्ति को गोली लगी है। एक की मौत हो गई है। एक व्यक्ति को पटना रेफर किया गया है। एक व्यक्ति खतरे से बाहर है। इस घटना के पीछे जो भी लोग हैं जांच कर कार्रवाई करेंगे। तनाव को देखते हुए जिले में इंटरनेट सेवा को 2 दिन बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है।

रोहिणी बोलीं-लोकतंत्र की हत्या कर रही बीजेपी

राष्ट्रीय जनता दल की नेत्री रोहिणी आचार्य ने मीडिया को बताया कि भाजपा के लोग चुनावी हार से डरे हुए हैं। वह लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू हैं, हमारे तीन कार्यकताओं को गोली मार दी। यह सब भाजपा के गुंडों ने किया है। हमें न्याय चाहिए। हत्यारों को सबक मिलना चाहिए। प्रशासन आरोपियों को जेल में डाले।

तेजस्वी यादव बोले-चुनाव में हिंसा की कोई जगह नहीं

तेजस्वी यादव ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि चुनाव में हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। कुछ लोग हार के डर से हिंसा का सहारा ले रहे हैं। पप्पू यादव ने कहा, भाजपा कार्यकर्ता ने रोहणी आचार्य के मां बहन को गाली दी। भाजपा को महिला का अपमान नजर नहीं आएगा। चुनाव में हिंसा व व्यवहार ठीक नहीं है। इन्हें नियंत्रित करना होगा।

मोदी के नाम पर भाजपा जीत रही लोकसभा का चुनाव: पीके

केटी न्यूज/ पटना

जन सुराज अभियान के सूत्रधार व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर के मुताबिक मोदी सरकार सत्ता में वापसी करेगी। उनके मुताबिक देश में मोदी विरोध लहर देखने को नहीं मिल रही है। मोदी के नाम पर बीजेपी इस चुनाव को जीतने जा रही है। पीके के मुताबिक 400 पार और 370 का नारा बस बीजेपी का चुनावी गेम है। विपक्ष इसको समझ नहीं पाया और बुरी तरह उलझ कर रह गया. उनका कहना है कि एनडीए साल 2019 की तरह 303 के स्कोर पर या फिर उससे भी अच्छे नंबरों के साथ पास हो जाएगी।

वहीं प्रशांत किशोर ने कहा कि इस बार हम संकल्प लेकर आए हैं। हमने किसी नेता और दल का नहीं आपका हाथ पकड़ा है, आपके बच्चों का हाथ पकड़ा है। दो साल में जैसे आप दही को मथकर मक्खन निकालते हैं, वैसे ही समाज को मथकर, बिहार को मथकर ऐसे लोगों को निकालेंगे, जिसको आपके आशीर्वाद और वोट से जिताकर लाएं और जनता का राज बनाएं। दो साल में जनता का राज बनेगा। हमारा पहला संकल्प है, नाली-गली बने चाहे ना बने, स्कूल अस्पताल जब सुधरेगा तब सुधरेगा, लेकिन साल भर के अंदर आपके घर से जितने लोग बाहर कमाने गए हैं या आपके गांव में जितने युवा बेरोजगार बैठे हैं उनको नौकरी मिले चाहे ना मिले, कम से कम 10 से 15 हजार रुपए का रोजी-रोजगार बिहार में करके दिया जाएगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों ने बताया कि बिहार में सबसे ज्यादा परेशान बुजुर्ग लोग हैं, जो मजदूरी भी नहीं कर सकते हैं। 60 साल से अधिक उम्र की महिला और पुरुषों के लिए हर महीने 2 हजार रुपए पेंशन की व्यवस्था की जाएगी। लोगों से सवाल पूछते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि अगली बार वोट रोजगार के लिए होना चाहिए कि 5 किलो अनाज के लिए? इसपर लोगों ने रोजगार कहा। प्रशांत किशोर ने अगला सवाल किया कि आपको अपने बच्चों के लिए पढ़ाई चाहिए या अपनी जाति का नेता चाहिए? इसपर लोगों ने कहा हमें अपने बच्चों के लिए पढ़ाई चाहिए।

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को कोर्ट में पेश होने का आदेश

एजेंसी/रांची

गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में एमपीएमएलए कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झटका देते हुए फिजिकल तौर पर कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया है। इस मामले की सुनवाई 11 जून को होगी। रांची कोर्ट में बीजेपी नेता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गवाही और ट्रायल के बाद राहुल गांधी को पहले भी समन जारी किया जा चुका है। वहीं राहुल गांधी ने निचली कोर्ट के समन को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था।

खड़गे बोले... मोदी झूठों के सरदार हैं, उन्होंने सबका साथ लेकर सबका सत्यानाश किया है

केटी न्यूज/नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केवल बड़ी-बड़ी बातें करना जानते हैं और पहाड़ खोदकर चूहा निकाल कर लाते हैं। अंबाला और कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्रों में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि मोदी पहाड़ खोदकर चूहा निकाल कर लाते हैं और बड़ी- बड़ी बातें करते है, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश बनाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी झूठों के सरदार हैं और उन्होंने सबका साथ लेकर सबका सत्यानाश किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी ने बैंक खातों में 15 लाख रुपये आने, दो करोड़ नौकरियां देने और किसानों की आमदनी दोगुनी करने जैसे अनेक झूठ बोले हैं। मोदी सेना तक में चार साल की संविदा भर्ती की अग्निवीर योजना लाये हैं। उन्होंने कहा कि लोग परेशान होकर अपने बच्चों को विदेश भेज रहे हैं।

पटना आयीं केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं: बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा या नहीं यह आगे की चर्चा

जंगलराज के कारण आर्थिक रूप से पिछड़ गया था बिहार: सीतारमण

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि बिहार में जंगलराज के कारण न केवल विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हुई थी, बल्कि आर्थिक रूप से भी बिहार पिछड़ गया था। बड़ी मेहनत से बिहार को वहां से बाहर निकाला गया है. पटना में एक पत्रकार वार्ता में सीतारमण ने कहा कि युवा मतदाताओं को यह जानना काफी जरूरी है। जंगलराज वाले उस दौर में कहा करते थे कि सम्मान चाहिए, विकास नहीं।

सीतारमण ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि जब जंगलराज का दौर आया तो प्रति व्यक्ति आय, जीडीपी ओडिशा से ज्यादा थी। ओडिशा की 1991 में प्रति व्यक्ति आय 20,591 रुपए थी, जबकि बिहार में 21,282 रुपए थी। जंगल राज शुरू होने के बाद बिहार में इसमें 33 फीसदी की गिरावट आई, जबकि ओडिशा में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने बताया कि 2002 में प्रति व्यक्ति आय बिहार में कम होकर 14,209 तक पहुंच गई। 2002 के बाद से 2019 में प्रति व्यक्ति आय 37 हजार रुपए से ज्यादा हो गई है। बिहार में अगर जंगल राज की स्थिति नहीं आई होती तो राज्य की प्रति व्यक्ति आय 95000 के पार होती। जंगल राज के कारण बिहार का विकास नहीं हुआ. बिहार से उद्योग लालू प्रसाद यादव के शासनकाल से बाहर चले गए। लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में उद्योग का गलत कानून था. जिस कारण से उद्योगपति बिहार को छोड़कर बाहर चले गए। वित्त मंत्री ने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग एससी-एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीन कर धर्म के आधार आरक्षण देना चाहते हैं। कर्नाटक की सरकार ने ओबीसी का आरक्षण काम करके मुस्लिम समाज को आरक्षण देने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूलमंत्र सबका विकास है। आज सम्मान भी है और विकास भी। आज हम 2047 के विकसित भारत को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, इसमें पूर्वोत्तर के राज्य इंजन बनेंगे। एनडीए की सरकार में सम्मान और विकास दोनों की बात की जाती है। रामनाथ कोविंद, द्रौपदी मुर्मू को सम्मान इसका उदाहरण हो सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन कांग्रेस अपनी पार्टी के संविधान को नहीं मानती। सीताराम केसरी को बंधक बनाकर सोनिया गांधी को अध्यक्ष बना दिया गया।

बिहार को केंद्र सरकार ने बिना भेदभाव के सब कुछ दिया है। पूर्व के राज्यों को विकास का इंजन बनाना चाहती है। बिहार के 116000 स्ट्रीट वेंडर को स्वनिधि योजना से लाभान्वित किया। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के विषय पर कहा कि बिहार राज्य को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा या नहीं मिलेगा यह आगे की चर्चा है।

CMYK

बिहार ही नहीं पूरे देश में बह रही बदलाव की आंधी, उखड़ जाएगी मोदी सरकारः मुकेश सहनी

- विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक ने सीवान, बेतिया, गोपालगंज एवं मुजफ्फरपुर में सभाओं को किया संबोधित
- बोले- संविधान और आरक्षण बचाने के लिए देश की सत्ता में आवश्यक है परिवर्तन

केटी न्यूज/पटना

विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने मंगलवार को लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि संविधान और आरक्षण बचाने के लिए देश की सत्ता में परिवर्तन आवश्यक है। उन्होंने हालांकि दावा किया कि बिहार में ही नहीं पूरे देश मे बदलाव की बयार बह रही है जो मोदी सरकार को इस चुनाव में उखाड़ कर फेंक देगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार देश मे अब तय है। हार की बौखलाहट के कारण ही प्रधानमंत्री ताबड़तोड़ बिहार में सभा कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उनकी बेचैनी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब उन्हें चुनाव में पटना में रात्रि विश्राम भी करना पड़ रहा है।

मुकेश सहनी मंगलवार को सीवान, बेतिया, गोपालगंज एवं मुजफ्फरपुर पहुंचे और चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से महागठबंधन के उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। कहा कि यह सरकार कभी नहीं चाहती कि गरीब , पिछड़े आगे बढ़ सके। आज सम्मान की लड़ाई के लिए एकजुट होकर ऐसी सरकार को बदलना होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आज लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। यही संविधान है जिसने हमें अधिकार दिया है। कहा कि महागठबंधन के उम्मीदवार जीतेंगे तो राहुल गांधी और लालू प्रसाद के हाथ मजबूत होंगे। उन्होंने लोगों को एकजुट होकर महागठबंधन की विचारधारा वाली सरकार बनाने की अपील की।

बोले... हमें देशभक्त बनना है, अंधभक्त नहीं

मुकेश सहनी ने कहा कि हमें देश भक्त बनना है, अंधभक्त नहीं। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की ताकत है कि जो भी अच्छा काम नहीं करेगा, उसे जनता पांच साल में हटा देगी। इस चुनाव को खास चुनाव बताते हुए कहा कि यह किसी एक प्रत्याशी का चुनाव नहीं है बल्कि पूरे देश, गांव से लेकर शहर तक के विकास और राष्ट्र की प्रगति का चुनाव है। उन्होंने कहा कि जिस देश में युवाओं की स्थिति बदहाल हो तो उस राष्ट्र की बदहाली की स्थिति को समझा जा सकता है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन इस बार केंद्र में सरकार बनाने जा रही है। इस कारण भाजपा के लोग अपनी हार देख परेशान हैं।

आज पैसे के बल पर गिरा दी जा रही है सरकार

सहनी ने कहा कि आज जो सरकार है वह नहीं चाहती है कि गरीब और पिछड़े आगे बढ़ें और सम्मान के साथ जिंदगी जीएं। सन ऑफ मल्लाह सहनी ने कहा कि आज सभी सरकारी संस्थाओं और संस्थानों का निजीकरण किया जा रहा है, जब ये ही निजी हो जाएंगे तो यह आरक्षण स्वतः समाप्त हो जाएगा। एससी , एसटी और ओबीसी को नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत यह कार्य किया जा रहा है। आज पैसे के बल पर सरकार गिरा दी जा रही है, एमएलए, एमपी को खरीद लिया जा रहा है। क्या जनता के द्वारा चुनी सरकार को गिराना जनता का अपमान नहीं है!

महाराजगंज में आयोजित चुनावी जनसभा को बोले पीएम मोदी...

चांदी का चम्मच लेकर पैदा होनेवालों को पता नहीं होता मेहनत क्या होती है

- बोले-खुद को जनता का माई-बाप समझने वालों को जनता ऐसी करारी हार देगी कि दुनिया देखते रह जाएगी
- कहा-21वीं सदी का भारत इंडी गठबंधन के पापों के साथ आगे नहीं बढ़ सकता

केटी न्यूज/पटना

बिहार के महाराजगंज में पीएम मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भोजपुरी में कहा कि हम रउआ लोगन के वंदन-अभिनंदन करतानी। कहा कि मैं आज इतनी तादाद में माताओं-बहनों को देखकर खुश हूं। आपका यह आशीर्वाद मेरी बहुत बड़ी ऊर्जा है। काम से वक्त निकालकर यहां हमें आशीर्वाद देने आई हैं, जीवन में इससे बड़ा सौभाग्य क्या होता है। कहा कि पांचवे चरण के चुनाव में इंडी गठबंधन पूरी तरह परास्त हो चुका है। खुद को जनता का माय-बाप समझने वालों को जनता ऐसी करारी हार देगी कि दुनिया देखते रह जाएगी। 21वीं सदी का भारत इंडी गठबंधन के पापों के साथ आगे नहीं बढ़ सकता है। इसलिए हर चुनाव में कांग्रेस और राजद जैसे दलों पर जनता जोर का प्रहार कर रही है। चार जून को इंडी गठबंधन के इरादों पर सबसे बड़ा प्रहार होगा। यह प्रहार होगा देश में भ्रष्टाचार पर। यह प्रहार तुष्टिकारण की राजनीति पर, टुकड़े-टुकड़े गैंग पर, समाज को लड़ाने वाली गंदी सोच पर, सनातन को गाली देने वाले विकृत मानसिकता, महिला विरोधी मानसिकता वाले लोगों पर होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि चंपारण में बापू ने सत्याग्रह और स्वच्छाग्रह का प्रयोग किया। इसी से प्रेरणा लेकर कांग्रेस को आजादी के बाद आंदोलन करना चाहिए था। पूज्य बापू की स्वच्छता अभियान को देश में संस्कार बनाकर उन्हें श्रद्धांजलि देने का अवसर मिला था। लेकिन, सत्ता में आने के बाद उन्होंने बापू के आदर्श, आचार और विचारों को छोड़ दिया। उन्होंने अपना सारा ध्यान सिर्फ एक परिवार को आगे पर दे दिया। कांग्रेस और उसके साथियों ने मिलकर देश के 60 साल बर्बाद कर दिया। तीन-चार पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया। जब आपने गरीब मां के बेटे को सेवा करने का अवसर दिया तो घर-घर शौचालय पहुंचा। इसके बाद पीएम मोदी ने विकास योजनाओं को गिनाया।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद के लोगों ने बड़े-बड़े महल बना लिए। स्विस बैंक में खाते खुलवा लिए। आप लोगों के पास पेट भरने के लिए अन्न नहीं थे। लेकिन, इन लोगों की अलमारियां नोटों से भरी रहती हैं। आपके बच्चों के पास पढ़ने के लिए स्कूल नहीं था। इनके बच्चे विदेशों में जाकर पढ़ते रहे। गरीब परेशानी और मुश्किल में था। लेकिन, इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था। गरीब की पूछ तब शुरू हुई जब गरीब का यह बेटा प्रधानसेवक के रूप में आपकी सेवा में खपने लगा। पिछले 10 साल में मोदी का बहुत समय पिछली सरकार के गड्ढे भरने में लगा है। पिछले 10 साल में जो काम हुए, वो अब अगले पांच में होगा। यह मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी ने कहा कि चांदी का चम्मच लेकर पैदा होते हैं, उन्हें पता नहीं होता मेहनत क्या होती है। तेजस्वी पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैंने सुना है कि यहां कोई घूम-घूमकर कह रहा है कि चार जून के बाद मोदी को बेड रेस्ट होगा। मैं तो परमात्मा से यही कामना करता हूं कि मोदी तो क्या देश के किसी भी नागरिक के जीवन में बेड रेस्ट की नौबत नहीं आनी चाहिए। वह उमंग में जीवन जीएं। लेकिन, जंगलराज के वारिस से उम्मीद ही क्या की जा सकती है। उधर, यूपी का शहजादा कहता है कि मोदी की आखिरी जीवन बनारस में। इन लोगों के पास मोदी को गाली देने के अलावा कोई मुद्दा नहीं है। कोई कह रहा मोदी की कब्र खोदेंगे। कोई कहता है मोदी को गाड़ देंगे।

गोपालगंज में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम नहीं कराने पर 577 प्राचार्य पर होगी कार्रवाई

पटना। शिक्षा विभाग के एसीएस केके पाठक के आदेश पर बिहार के लापरवाह शिक्षकों पर लगातार गाज गिर रही है। विभागीय आदेश का उल्लंघन करने वाले शिक्षकों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। विभागीय आदेश की अवहेलना करने वाले गोपालगंज के 577 हेडमास्टर निशाने पर आ गए हैं और उनके खिलाफ एक्शन की शुरू हो गया है। गोपालगंज जिले के ये सभी 577 हेडमास्टर केके पाठक के आदेश के बावजूद स्कूलों में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का आयोजन नहीं करा रहे थे। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने इन सभी हेडमास्टरों से शो-कॉज पूछा है। शिक्षा विभाग के पोर्टल पर मिले आंकड़ों के मुताबिक जिले में प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक तक के कुल 1889 स्कूल हैं। इसमें से 1312 विद्यालयों में सुरक्षित शनिवारश का कार्यक्रम हुआ है लेकिन 577 स्कूलों में कार्यक्रम का आयोजित नहीं कराया गया। शिक्षा विभाग ने इस कार्यक्रम को आयोजित नहीं कराना घोर लापरवाही मान रहा है।

फतुहा में रविशंकर प्रसाद के रोड शो में विरोध प्रदर्शन

केटी न्यूज/ पटना

पटना साहिब से बीजेपी प्रत्याशी व सांसद रविशंकर प्रसाद फतुहा पहुंचे थे। जहां उन्होंने रोड शो किया। इस दौरान भारी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद थे। फतुहा में जब रविशंकर प्रसाद रोड शो कर रहे थे, तभी इसी दौरान कुछ लोगों ने उनका जोरदार विरोध करना शुरू कर दिया। यहां रविशंकर प्रसाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। लोग रविशंकर प्रसाद को देख मुदार्बाद के नारे लोग लगाने लगे। रविशंकर प्रसाद की गाड़ी के आगे बीजेपी के कई कार्यकर्ता बाइक पर सवार थे और पीछे भी कई गाड़ियों पर कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकताओं के सामने फतुहा के कुछ लोग सांसद रविशंकर प्रसाद के खिलाफ ही नारेबाजी करने लगे और उनका विरोध जताने लगे। पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद का विरोध जताते लोगों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कुमार आर्योपेडिक क्लिनिक
डा0 अजित किशोर
M.B.B.S (N.M.C.H. Patna) M.D. (P.M.C.H. Patna)
Consultant Physician, Medical Officer (Bihar Govt.)
चिकित्सा पदाधिकारी अनुमण्डलीय अस्पताल, डुमरांव
छाती, पेट एवं शुगर रोग विशेषज्ञ
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, टेलवानी मोड़, डुमरांव, मो0-9122226720

सड़क दुर्घटना में चाचा-भतीजा की मौत, गुस्साए लोगों ने काटा बवाल

केटी न्यूज/ पटना

बेगूसराय में भीषण सड़क हादसे में चाचा-भतीजा की दर्दनाक मौत हो गई। दो लोगों की मौत के बाद आक्रोशित सैकड़ों लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया और जमकर हंगामा मचाया। घटना लखमीनिया गुप्ता बांध की है। मृतकों की पहचान मटिहानी थानाक्षेत्र के रामदीरी पंचायत-1 अन्तर्गत चकबल्ली दियारा वार्ड 5 निवासी पवन राय के पुत्र विवेक कुमार एवं रामबली राय के पुत्र संजीव कुमार के रुप में हुई है। दोनों मृतक आपस में चाचा भतीजे थे और सब्जी लेकर बिहट बाजार से घर लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार हाइवा ने दोनों को कुचल दिया। बताया जा रहा है कि एक सप्ताह पहले ही दोनों मुंडन संस्कार में शामिल होने उत्तर प्रदेश से घर आए थे। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया।

आशिक ने प्रेमिका टीचर की गला काट की हत्या, शव पर पेट्रोल छिड़क लगा दी आग

केटी न्यूज/ पटना

कटिहार जिले में मंगलवार सुबह स्कूल जा रही एक टीचर की हत्या कर दी गई। आरोपी ने पहले उसके ऊपर धारदार हथियार से हमला किया। इसके बाद पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मामला प्राणपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर पकड़िया गांव का है। महिला का नाम यशोदा देवी था। सदर डीएसपी अभिजीत कुमार सिंह के अनुसार महिला टीचर का आरोपी हलचल राय के साथ कई सालों से प्रेम-प्रसंग था। परिवार को प्रेम-प्रसंग की भनक लगी तो बीते फरवरी महीने में मामला पंचायत तक भी गया था। पंचायत से विवाद थाना तक भी गया। लेकिन पंचायत स्तर पर ही मामला सुलझा लिया गया। लेकिन हलचल राय बदला लेने की फिराक में था। मौका मिलते ही उसने टीचर की हत्या कर दी। परमेश्वर राय और यशोदा देवी की शादी 13 साल पहले हुई थी। दोनों को एक बेटा और एक बेटी है। परमेश्वर राय दिल्ली में काम करता था।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
REGISTRATION & ADMISSION STARTED
ELIGIBILITY CRITERIA
- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.
SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY
TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English Core - 97 • Mathematics - 95 • Accountancy - 95
• Hindi Elective- 95 • Biology - 96 • Business Studies- 93
• Physics - 95 • Chemistry - 95 • Economics - 94
TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English - 94 • Hindi - 95 • Science - 96
• Sanskrit - 100 • Mathematics - 100 • Social Science - 100
INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.
8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

विकास का ढोल पीटनेवाले बक्सर से होंगे आउटः आनंद मिश्र

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के विकास की सिर्फ ढोल पीटने वाले अब बहुत जल्द बक्सर से आउट होंगे। बक्सर में हर वर्ग के लोगों का जनसमर्थन आनन्द मिश्र को मिल रहा है। आज महिला वर्ग भी ठान ली है। आगामी एक जून को हो रहे मतदान में सारे विरोधियों का सूपड़ा साफ हो जाएगा। उक्त बातें मंगलवार को निर्दलीय उम्मीदवार पूर्व आईपीएस आनन्द मिश्र ने बक्सर में निकाली गई जनादेश यात्रा के दौरान कही। उन्होंने इस दौरान सभी से आनन्द मिश्र के पक्ष में वोट डालने की अपील की और कहा कि मौका मिला को बक्सर का विकास कर के दिखा दूंगा।

उन्होंने कहा कि मुझे हराने तथा बदनाम करने के लिए विरोधियों द्वारा अपनाए गए कई हथकंडे बक्सर वासियों के सामने आ गए है, जिसके बाद बक्सर की आम जनता भी अब खुलकर आनन्द मिश्र के साथ खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव में जनता को मतदान करना है। बक्सर की जनता थोपे गए प्रत्याशी को कब तक ढोते रहेगी। उन्होंने कहा कि कई दिनों से यह बात गढ़ने की कोशिश की जा रही थी की आनन्द मिश्र के साथ महिलाएं नहीं है और उनकी सभाओं में महिला नहीं पहुंच पाती है लेकिन, इस बात को आज खुद बक्सर की महिलाओं ने खारिज कर दिया और हजारों की संख्या में पहुंच आनन्द मिश्र के लिए वोट मांगा। बता दें कि मंगलवार को पूर्व आईपीएस आंनद मिश्र द्वारा अपने भारी समर्थकों के साथ जनादेश यात्रा के तहत बक्सर नगर का भ्रमण किया गया। यह यात्रा बक्सर के वीर कुंवर सिंह चौक (पुलिस चौकी) से शुरूआत करते हुए पीपी रोड, यमुना चौक, नमक गोला, ज्योति चौक होते हुए अंबेडकर चौक पहुंच समाप्त की गई।

बसपा प्रत्याशी अनिल चौधरी बोले, रामगढ़ को लूटने वालों को सबक सिखाना है

बक्सर। बक्सर लोकसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अनिल चौधरी ने मंगलवार को रामगढ़ विधानसभा के कोटा, गौरा, चौबेपुर, करम्हरी, कुढ़नी, गुड़िया, कठौरा, बसवरिया, बन के बहुआरा, पड़िपारी, कोनहरा सगरा, चंडेश चौक, कम्हारी, श्रीरामपुर हरिहरपुर, परसिया, चंद्रौली, पैकोली समेत लगभग दो दर्जन से ज्यादा गांवों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रामगढ़ को एक आदमी के परिवार ने ही लूटा है। यह समय उन्हें सबक सिखाने का है। एक ही आदमी 55 साल से राज कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने इसे लूटने का काम किया है। आज भी बहुत सारी जनसंख्या झोपड़ियों में रहने को मजबूर है। एक परिवार के लोग रामगढ़ को सामंतवाद के जरिये राज करना चाहते हैं, ये हम होने नहीं देंगे। उन्होंने विकसित बक्सर का नारा दिया और कहा कि यह बिना बहुजन समाज के विकास के संभव नहीं है।

एक नजर

25 को होनेवाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम स्थल का डीआईजी ने किया निरीक्षण

बक्सर। 25 मई को बक्सर में होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनावी सभा को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है। मंगलवार को शाहाबाद रेंज के डीआईजी नवीन चंद्र झा ने बक्सर के अहिरौली स्थित सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के पास बनाए जा रहे उनके कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान डीआईजी ने उनके सभा स्थल, हेलीपैड तथा पूरे इलाके का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया तथा मौके पर मौजूद बक्सर एसपी मनीष कुमार को कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी 25 मई को अहिरौली में सभा के माध्यम से बक्सर संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। माना जा रहा है कि मोदी की यह सभा बक्सर के साथ ही आरा, रोहतास तथा यूपी के गाजीपुर व बलिया सीटों पर भी असर डालेगा। वही, जिला प्रशासन द्वारा भी उनके कार्यक्रम को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासन सभा स्थल की फूल प्रूफ सुरक्षा व्यवस्था में जुट गया है। मंगलवार को डीआईजी का निरीक्षण भी इसी कड़ी का हिस्सा है। वही, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री के आगमन को ले बक्सर वासियों का उत्साह बढ़ गया हैं लोग उनकी एक झलक पाने को बेताब दिख रहे है। निरीक्षण के दौरान बक्सर सदर डीएसपी धीरज कुमार व मुख्यालय डीएसपी पंकज सिंह भी मौजूद थे।

चुनाव में सुरक्षा मानकों की नही होगी अनदेखी, गड़बड़ी पर होगी कार्रवाई

डुमरांव। लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस प्रेक्षक आकाश तोमर ने मंगलवार को राज हाईस्कूल और डीके कॉलेज पहुंच कर सुरक्षा मानकों का जायजा लिया। इस दौरान सुरक्षा मानक ऑब्जर्वर ने कई बिंदुओं पर विशेष दिशा-निर्देश दिया। ऑब्जर्वर अधिकारियों के साथ ईवीएम को लेकर बनाये गये डिस्पैच सेंटर व वज्रगृह की सुरक्षा के मानकों की जांच की और वज्रगृह के सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवानों से अन्य जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बक्सर संसदीय क्षेत्र में होने वाले आगामी चुनाव के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी नही की जायेगी। सुरक्षा में गड़बड़ी करने वाले किसी को भी बख्शा नही जायेगा। ईवीएम कमीशनिंग की सुरक्षा हो या बाजार समिति बक्सर के वज्रगृह में पोल्ड ईवीएम की सुरक्षा जवानों की अभिरक्षा में की गयी है। हर समय इसकी मोनेटरिंग की जायेगी। सुरक्षा को लेकर अनुमंडल निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव कराने को लेकर सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी लगाया गया है। इनके ठहराव एवं मतदान के दिन बूथों पर आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी कामों की निगरानी की जा रही है। डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि सुरक्षा और आचार संहिता के अनुपालन को लेकर सख्ती बरती जा रही है।

नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता में नरबतपुर ने चांदी मोड़ को 10 रन से किया पराजित

चौसा। शेरशाह युवा क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में चौसा के बारे मोड़ पर नाईट क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। यह आयोजन अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में आयोजित हो रहा है। उद्घाटन मैच में नरबतपुर क्रिकेट क्लब ने चांदी मोड़ टीम को 10 रन से मात देकर अगले राउंड में प्रवेश किया। मैच का उद्घाटन पूर्व जिप सदस्य डा. मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को नौकरी में 25 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल के मामले में बिहार सबसे पीछे है। खिलाड़ियों के लिए पंचायत और प्रखंड स्तर पर खेलने का संसाधन एवं स्टेडियम उपलब्ध नहीं है। जिसके चलते पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर पर खेलने वाले बच्चे खेल में कुंठित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि खेल आपसी भाईचारा का प्रतीक है जिससे समता मूलक समाज की स्थापना होती है। आठ-आठ ओवर के इस मैच में पहले खेलते हुए नरबतपुर की टीम ने पांच विकेट खोकर 60 रन बनाए। जवाब में खेलते हुए चांदी मोड़ की टीम आठ ओवर में सात विकेट के नुकसान पर मात्र 50 रन ही बना सकी। इस तरह नरबतपुर ने 10 रन से मैच जीत अगले राउंड में प्रवेश की। खेल के अंपायर के रूप में दिलीप पटेल एवं विजय चौधरी की भूमिका रही। मौके पर डा. नंदलाल प्रसाद वर्मा, सरवन सिंह, सिपाही यादव, विजय चौधरी, रवि यादव, तेजू यादव, समीम साईं, रंजन पटेल, गुलाब पटेल,भारत पांडे, इंजीनियर नितेश कुमार उपाध्याय आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद भीम सिंह ने डुमरांव का किया दौरा, भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील की

डुमरांव। भाजपा के राज्य सभा सांसद भीम सिंह भाजपा उम्मीदवार मिथिलेश तिवारी के प्रचार-प्रसार को लेकर डुमरांव शहर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने शहीद पार्क जाकर शहीदों को नमन किया। फिर चंद्रवंशी समाज से मिलकर मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए भाजपा उम्मीदवार को जिताने की अपील की। इस मौके पर संजय चंद्रवंशी, सुभाष प्रसाद चंद्रवंशी, जीत कुमार चंद्रवंशी, जेपी चंद्रवंशी, भाजपा नेता सोनू राय, राजू खरवार, राजू केशरी, महेन्द्र प्रसाद, प्रकाश कुमार, राजेश चंद्रवंशी, मुटन चंद्रवंशी सहित समाज के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

कोल्ड ड्रिंक की आड़ में बेच रहा था शराब पकड़ाया दुकानदार

राजपुर। राजपुर पुलिस द्वारा गुप्त सूचना पर छापेमारी कर थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव स्थित एक घर से भारी मात्रा में देशी-विदेशी शराब बरामद की। इस खेल में सलिप्त दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। जिसकी कागजी कार्रवाई पूरी कर जेल भेज दिया। बताया जाता है कि अकबरपुर निवासी पप्पू कुमार चौहान व राजेन्द्र चौहान के कोल्ड ड्रिंक की आड़ में बहुत दिनों से शराब का कारोबार करता था। इसकी भनक पुलिस को लग गई। जहा पुलिस गुप्त सूचना पर घर एवं दुकान में छापेमारी की गई जहा से भारी मात्रा में देशी एवं विदेशी शराब बरामद की गई। जिनके आरोप में दोनों तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश से तस्करी की शराब लाकर चोरी छुपे खपाने की साजिश थी। तभी गुप्त सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने पहुंचकर छापेमारी के बाद इसके दुकान से विभिन्न ब्रांडों के देशी-विदेशी कुल 89 लीटर शराब बरामद किया गया है। इसमे अकबरपुर निवासी पप्पू चौहान एवं राजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि ये दोनों पहले भी शराब मामले में जेल जा चुके हैं। राजेंद्र चौहान गांव में ही जेनरल स्टोर की दुकान चलाते हैं। जहां कोल्ड ड्रिंक एवं कई अन्य सामानों की बिक्री करते हैं। इसी बहाने शराब की भी सप्लाई करता था।

बक्सर लोकसभा क्षेत्र के डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर डीएम ने दिए आवश्यक निर्देश

डीएम बोले... 30 को सुबह आठ बजे तक डिस्पैच सेंटर पर योगदान करें सभी कर्मी

केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारी को परखने तथा चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मियों को समय से उनके निर्धारित मतदान केन्द्र पहुंचाने के लिए प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई है। इसी कड़ी मंगलवार को निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने माध्यमिक विद्यालय चुरामनपुर में बनाए गए बक्सर विधान सभा के डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी कर्मियों को 30 मई को सुबह आठ बजे तक डिस्पैच सेंटर पर योगदान कराने का निर्देश दिया। वही, उन्होंने मातहतों को किसी मतदान दल के द्वारा निर्धारित समय तक योगदान नहीं करने की स्थिति में उनपर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि मतदान की सफलता के लिए यह जरूरी है कि सभी कर्मी अपने निर्धारित मतदान केन्द्र पर समय से पहुंच जाए तथा सुबह में मतदान शुरू होने से पहले मॉक पोल करा ले। यह तभी संभव होगा, जब कर्मी मतदान की पूर्व संध्या पर ही मतदान केन्द्र पर योगदान कर लें। उन्होंने कहा कि मतदान कार्य अति आवश्यक कार्य होता है। लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

मतदान केन्द्रों पर सुविधाओं की बहाली का दिया निर्देशः डिस्पैच सेंटर के निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रचंड गर्मी को देखते हुए डिस्पैच सेंटर पर पेयजल की व्यवस्था, शेड की व्यवस्था, शौचालय, ओआरएस घोल, सत्तू, आदि मतदान दलों को उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि ये सारी वस्तुए पूर्व संध्या पर ही मतदान केन्द्रों पर पहुंच जानी चाहिए, ताकी जरूरत पड़ने पर मतदान दल में शामिल कर्मी इसका उपयोग कर सकें। साथ ही अनुदानित दर पर मतदान दलों के लिए भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। जिससे मतदान दलों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। प्रचंड गर्मी को देखते हुए डिस्पैच सेंटर पर एक मेडिकल टीम को जीवन रक्षक दवाओं के साथ प्रतिनियुक्त करने का निर्देश सिविल सर्जन, बक्सर को दिया गया। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक बक्सर, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे। गौरतलब है कि बक्सर जिले में एक जून को लोकसभा का चुनाव होना है। चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर तैयारियां कर रहा है। वही मतदान केन्द्रों से लेकर डिस्पैच सेंटरों का निरीक्षण कर तैयारियों को परखा जा रहा है, ताकी कही से कोई चूक न रह जाए।

डुमरांव विधानसभा के 50 फीसदी मतदान केंद्रों पर होगी वेबकास्टिंग

डुमरांव। बक्सर लोकसभा क्षेत्र में एक जून को मतदान होंगे, लेकिन इसकी तैयारियां डुमरांव अनुमंडल प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर चल रही है। अनुमंडल प्रशासन ने 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों का लाइव वेबकास्ट कराने की तैयारियों में है। इसके लिए कैमरे लगाए जाएंगे। मतदान केंद्रों की निगरानी तीसरी आंख से होगी। मतदान से मतगणना प्रक्रिया की निगरानी कैमरों के जरिये की जाएगी। इसके जरिये मतदान की लाइव वेबकास्ट होगी। दरअसल, बीते दिनों चुनाव आयोग ने 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों की लाइव वेबकास्ट करने का निर्देश दिया था। इसके मद्देनजर तैयारियां की जा रही है। लोकसभा अंतर्गत जिन मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग की जाएगी, उनमें सभी संवेदनशील मतदान केंद्र शामिल किए गए हैं। इसके अलावे विधानसभा की 50 फीसदी मतदान केंद्र वेबकास्टिंग में शामिल किए गए हैं। पुलिस-प्रशासन द्वारा मतदान केंद्र का पिछला रिकॉर्ड देखते हुए भौतिक सत्यापन किया गया है। सीसीटीवी कैमरे लगाकर वेबकास्टिंग की जाएगी। इससे निर्वाचन आयोग सीधे निगरानी कर सकेगी। डुमरांव विधानसभा के कुल 335 बूथ के 50 प्रतिशत यानी 168 बूथों पर यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। मतदान केंद्रों पर लगाए जाने वाले कैमरे अत्याधुनिक होंगे। इसमें नाइट विजन के साथ ही आडियो रिकार्डिंग की भी सुविधा होगी। नई तकनीक पर आधारित कैमरे की विशेषता होगी कि उसे सामान्य बिजली की प्लग में कनेक्शन दिया जा सकता है और बिजली नहीं रहने के बाद भी कैमरे में लगी बैटरी के बैकअप से रिकार्डिंग या आडियो को प्रसारित की जा सकेगी।

डीएम से पूर्व बीडीओ और सीओ ने भी किया निरीक्षण

निर्वाचन सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के पहले सदर प्रखंड के बीडीओ रोहित मिश्र व सीओ प्रशांत शांडिल्य ने भी बक्सर विधान सभा क्षेत्र के डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। डिस्पैच सेंटर के लिए पैरामीटर के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, पार्किंग, बिजली और रौशनी के उचित प्रबंध करने के लिये प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रोहित मिश्र कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

इवीएम ट्रायल के लिए बनाए गये हैं 12 टेबल

लोक सभा चुनाव के देखते हुए बक्सर विधानसभा में इवीएम ट्रायल का काम चुरामनपुर हाई स्कूल के कैंपस में मंगलवार से शुरू किया गया है। जिसको लेकर 12 टेबल के अलावे अतिरिक्त टेबल भी बनाया गया है। एक टेबल पर चार कर्मचारी और दो मजदूर मौजूद रहेंगे। अगर किसी इवीएम में तकनीकी फाल्ट आता है तो हैदराबाद की कंपनी इसीटीएल के इंजीनियर द्वारा तुरंत उसे ठीक किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सेवक अनिल कुमार, ज्वाला सिंह अन्य लोग शामिल रहे।

अस्पताल में तैनाती के साथ ही विरमित हो गए ईएनटी स्पेशलिस्ट

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वास्थ्य विभाग के भी खेल निराले हैं पोस्टिंग और विरमन का आदेश साथ-साथ निकाले जाते हैं। इसी तरह की एक वाकया डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में हुई है। जिस विभाग के डाक्टर को पदस्थापित करने के लिए कई बार धरना-प्रदर्शन तक हो चुका है, उस विभाग के डॉक्टर को पोस्टिंग कर उसी दिन विरमित कर दिया जाता है। यों कहा जा सकता है कि पदस्थापन और विरमित करने का आदेश साथ-साथ जारी किया गया है। बता दें कि अप्रैल माह में नाक, कान व गला विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. संदीप पटेल का डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टिंग किया गया था। उन्होंने अपना योगदान कर लिया फिर उसी दिन उन्हें बक्सर के लिए विरमित भी कर दिया गया। हर महीने मासिक भुगतान उनका डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल से ही होता है। यह विषय पूरे स्वास्थ्य विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। इतना ही नहीं जों लोग विशेषज्ञ चिकित्सक की मांग कर रहे थे, उन्हें भी यह बात खटक रही है। बता दें कि आंख, कान, नाक व गला विशेषज्ञ चिकित्सक का पद डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में वर्षों से खाली पड़ा है। पद खाली रहने से अनुमंडलवासियों को निजी क्लीनिक का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें उन्हें मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकासान उठाना पड़ता है। विशेषज्ञ चिकित्सक की पोस्टिंग के लिए कई बार धरना-प्रदर्शन भी हो चुका है।

डुमरांव के लोगों को लचर विद्युत आपूर्ति से जल्द मिलेगी मुक्ति

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव वासियों को जल्दी ही लचर विद्युत आपूर्ति से मुक्ति मिलने वाली है। अब उन्हें लोड शेडिंग व ट्रिपिंग जैसी समस्याओं से जल्दी ही मुक्ति मिलने वाली है जबकि ट्रांसफार्मर भी ओवर लोड के शिकार होने से बचेंगे। ट्रांसफार्मरों को ओवर लोड से बचाने तथा विद्युत आपूर्ति निर्बाध करने के लिए बिजली कंपनी ने कवायदें शुरू कर दी है। इसके तहत शहर के चिन्हित 21 जगहों पर एडीशनल ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है। इनमें तीन जगहों पर एडीशनल ट्रांसफॉर्मर लगा भी दिए गए है, जबकि अन्य जगहों पर ट्रांसफार्मर लगाने के लिए पोल गाड़ने का काम पूरा कर लिया गया है। यह काम नागार्जुनम कंपनी (एनसीसी) करवा रही है। एडीशनल ट्रांसफार्मरों से आपूर्ति शुरू होते ही शहर की विद्युत आपूर्ति सुचारू हो जाएगी। बता दें कि गर्मी के इस भीषण मौसम में लचर विद्युत आपूर्ति के कारण उपभोक्ताओं को खासे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर सुबह व शाम के पिक आवर में बिजली कटौती से लोगों की दिनचर्या बाधित हो रही है। वही, रात में बती गुल होने से उपभोक्ताओं की नींद खराब हो रही है। साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड के इस प्रयास से उपभोक्ताओं में खुशी की व्याप्त है। टाउन जेई मनीष कुमार ठाकुर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एडीशनल ट्रांसफार्मर लगाने का काम शुरू हो चुका है।

बता दें कि गर्मी शुरू होते ही शहर की विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है। कंपनी सूत्रों की मानें तो शहर में लगाए गए आधे से अधिक ट्रांसफार्मर ओवर लोड के शिकार है। जिस कारण लोकल फॉल्ट की समस्या नासूर बन गई है।

स्टेशन से छठिया पोखरा तक तीन फीडरों में बांटी गई है आपूर्तिः डुमरांव में एक फीडर नया फीडर बढ़ाया गया है। पहले टेक्सटाईल व डुमरांव फीडरों से ही पूरे शहर को आपूर्ति दी जाती थी। लेकिन अब एक छठिया पोखरा फीडर भी बढ़ाया गया है। बीएमपी फीडर पहले से ही कार्यरत है।

इन जगहों पर लगेगा एडीशनल ट्रांसफार्मरः महाराजा पेट्रोल पंप के पास, बिजली कंपनी के कार्यालय के पास, बड़ा बाग पथ में मैरेज गार्डेन के पास, विष्णु मंदिर के पास, खिरौली मोड़, ईदगाह मोड, शहीद पार्क, सफाखाना रोड, लालाटोली, शक्ति द्वार, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, डॉ जगनारायण सिंह अस्पताल मोड़, हदहदवा पुल, डुमरेजनी मंदिर रोड, जंगल बाजार रोड, फूलचंद कानू पथ, ठठेरी बाजार तथा व्यापार मंडल के पास सहित कुछ अन्य जगहों पर। इनमें जगनारायण सिंह अस्पताल मोड़, नया थाना तथा विष्णु मंदिर के पास एडीशनल ट्रांसफार्मर लगा भी दिया गया है।

कहते हैं जेईः लोड के बंटवारे के लिए चिन्हित जगहों पर डेढ़ दर्जन से अधिक एडीशनल ट्रांसफार्मर लगाने का काम चल रहा है। जल्दी ही शहर को निर्बाध गति से बिजली आपूर्ति मिलने लगेगी। - **मनीष कुमार, जेई, डुमरांव**

देर रात चलीं तेज हवाओं के कारण कई जगहों पर गिरे पेड़, घंटों बाधित रही विद्युत आपूर्ति

मौसम का यू टर्न... तेज आंधी के साथ आई बारिश, शिक्षक समेत दो की मौत

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार की अहले सुबह बक्सर जिले का मौसम अचानक बदल गया। तेज हवाएं चलने लगी तथा देखते ही देखते तेज बौछारों के साथ बारिश शुरू हो गई। जिस कारण लोगों को जहां भीषण गर्मी से राहत मिली, वही जन जीवन पर भी इसका खास असर देखा गया। आंधी बारिश के दौरान पेड़ उखड़ने तथा आकाशीय बिजली गिरने से एक शिक्षक समेत दो लोगों की मौत हो गई है। दोनों मौतें डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में हुई हैं। वहीं, दूसरी तरफ आंधी बारिश में पेड़ उखड़ने तथा तार टूटने के कारण पूरे दिन बिजली आपूर्ति बाधित हुई। बारिश के बाद कई गांवों की बिजली गुल हो गई है। वही विभिन्न ग्रामीण मार्गों पर पेड़ उखड़कर गिरने से दोपहर तक परिचालन भी बाधित रहा।

चनवथ में गिरी आकाशीय बिजली, युवक की मौत

नावानगर। मंगलवार की सुबह आई आंधी पानी के बीच आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई है। घटना नावानगर थाना क्षेत्र के चनवथ गांव की है। मृतक गांव के दक्षिण पश्चिम स्थित अहरा डेरा के स्व बालक सिंह का 42 वर्षीय पुत्र चंदेश्वर यादव है। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। उसकी पत्नी अशमुनिया देवी समेत पूरे परिवार का रो रोकर बुरा हाल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार वह सुबह में शौच के लिए घर से निकला था। इसी दौरान मौसम अचानक बदल गया तथा तेज आंधी पानी आ गई। इससे बचने के लिए वह एक पेड़ के नीचे जा छिपा। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। घरवालों को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली तो घर में कोहराम मच गया। मृतक के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज चुकी है। वही आकाशीय बिजली का भय ग्रामीणों में बना हुआ है।

मृतक शिक्षक, फाइल फोटो।

विद्यालय जाने के क्रम में शिक्षक पर गिरा पेड़, मौत

केसठ। मंगलवार की सुबह चौंगाई प्रखंड के बंजरिया गांव के समीप विद्यालय जा रहे शिक्षक पर पेड़ गिर गया। जिसमे वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना स्थल पर उपस्थित ग्रामीणों ने घायल शिक्षक को चौंगई पीएचसी पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान शिक्षक की मौत हो गई। मृत शिक्षक की पहचान कोरान सराय थाना क्षेत्र के लहना गांव निवासी संजय कुमार शर्मा के रूप में किया गया है, जो केसठ प्रखंड के मध्य विद्यालय शिवपुर पूर्वी में शिक्षक थे। इस घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया। स्कूल में शोकसभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। प्रधानाध्यापक नसरूद्दीन अंसारी ने बताया कि वे काफी नेकदिल इंसान व कुशल शिक्षक थे। उन्होंने बताया कि वे हमेशा समय से विद्यालय आते थे। बता दें कि मंगलवार की सुबह अचानक मौसम खराब हो गया और तेज आंधी के बारिश हो रही थी। इस दौरान शिक्षक विद्यालय जा रहे थे की बंजरिया गांव के समीप पेड़ गिर गया जिसके चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। वही उनकी पत्नी शशि बाला की रो रो कर बुरा हाल हो गया है। वे खुद आईसीडीएस की पर्यवेक्षिका हैं तथा वर्तमान में उनकी पोस्टिंग सिमरी में पद स्थापित थी। गौरतलब है कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक द्वारा स्कूलों की नई समय सारणी तैयार करवाई गई है। जिसमें सुबह छह बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक शिक्षकों को स्कूल में रहना है। नई समय सारणी के पहले दिन भी कई शिक्षक दुर्घटना के शिकार हुए थे। शिक्षकों में इस नियमावली के प्रति आक्रोश गहरा गया है।

आंधी में उड़ा प्रगतिशील किसान का शेडनेट, 30 लाख रु. का नुकसान

केटी न्यूज/राजपुर

मंगलवार की सुबह चक्रवातीय आंधी के साथ हुई वर्षा से प्रखंड क्षेत्र के किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। तेज आंधी में कोनौली के प्रगतिशील किसान अंकित कुमार सिंह के कृषि फार्म हाउस पर लगा शेडनेट एवं पाली हाउस ध्वस्त होकर नीचे गिर गया। किसान की मानें तो इसे बनाने में करीब 60 लख रुपए खर्च हुआ था, पॉली हाउस व शेडनेट के ध्वस्त होने से लगभग 30 लाख रुपए से अधिक की क्षति हुई है। उन्होंने बताया कि आंधी में फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। जिसकी सूचना उद्यान विभाग के वरीय पदाधिकारी को दी गई है। आंधी थमने के बाद से प्रगतिशील किसान अपने मजदूरों के साथ मिल फसल को बचाने की कवायद में जुट गए है। तेज आंधी से सब्जी के फसलों पर लगे अधिकतर फूल गिर गये हैं। जिससे फसलों की पैदावार कम होने की उम्मीद हो गयी हैं। आम के पेड़ों पर लगा अधिकतर आम का फल भी गिर गया हैं। संगरांव के किसान रिंकू सिंह, विनय पांडेय, मंगरांव के किसान विमल राय, देवढ़ियां के किसान दयानंद सिंह ने बताया कि इस बार पहले तेज धूप व लू से सब्जी एवं अन्य फसलों को काफी नुकसान पहुंच चुका है।

किडनी की बीमारी से ग्रसित बंगाल पुलिस के जवान की मौत

- गजराजगंज ओपी क्षेत्र के छोटकी सासाराम गांव की मंगलवार सुबह की घटना

केटी न्यूज/आरा

गजराजगंज ओपी क्षेत्र के छोटकी सासाराम गांव में मंगलवार की सुबह किडनी की बीमारी से पीड़ित पश्चिम बंगाल पुलिस के एक जवान की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृत जवान छोटकी सासाराम गांव निवासी स्व.बृज बिहारी सिंह के 49 वर्षीय पुत्र संजय कुमार सिंह थे। वह पश्चिम बंगाल के आसनसोल जिले के दुगार्पुर पुलिस लाइन में कार्यरत थे। उनके बेटे दीपक कुमार ने बताया कि वह करीब दो वर्ष से किडनी की बीमारी से पीड़ित थे। दो वर्ष पूर्व ड्यूटी के दौरान उनकी तबीयत खराब हो गई थी। तब दुगार्पुर स्थित एक निजी अस्पताल में उनका इलाज कराया गया था। उस दौरान वह ठीक हो गए थे। हालांकि लगातार इलाज चल रहा था। इस माह में फिर तबीयत खराब होने के कारण वापस गांव आए थे। पिछले शनिवार को वह उन्हें लेकर वापस पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर स्थित पुलिस लाइन ज्वाइन करने के लिए ले गया था। वहां मौजूद पुलिस अधिकारी द्वारा बोला गया कि इन्हें वापस गांव ले जाइए और इनका इलाज कराईये। ठीक हो जाने के बाद इन्हें जॉइनिंग करवाइएगा। उसके बाद सोमवार को वह वापस गांव लौटे थे। मंगलवार की अहले सुबह उनकी तबीयत अचानक काफी बिगड़ गई। उसके बाद इलाज के लिए उन्हें आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। पुलिस के अनुसार जवान की मौत बीमारी के करण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।जवान के परिवार में पत्नी सुनैना देवी, पुत्र बिट्टू ,दीपक और पुत्री पूजा है। घटना के बाद जवान के घर में कोहराम मच गया है। पत्नी और बच्चों सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ट्रक की चपेट में आने से सब्जी विक्रेता की मौत

- संदेश थाना क्षेत्र के चिल्हौस मंदिर के समीप मंगलवार की सुबह की घटना

आरा। संदेश थाना क्षेत्र के चिल्हौस शंकर मंदिर के समीप मंगलवार की सुबह ट्रक ने साइकिल सवार एक बुजुर्ग सब्जी विक्रेता को रौंद दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक संदेश थाना क्षेत्र के अहपुरा गांव निवासी स्व.भगवान साह के 60 वर्षीय पुत्र राजबली साह थे। वह गांव के ही बाजार में सब्जी बेचते थे।

बड़े बेटे संतोष साह ने बताया कि प्रतिदिन की भांति मंगलवार की सुबह साइकिल से सब्जी लाने के लिए चिल्होस बाजार गए थे। जब वह सब्जी लेकर वापस साइकिल से गांव लौट रहे थे। उसी दौरान चिल्होस गांव स्थित शंकर मंदिर के समीप ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद वहां से गुजर रही संदेश थाना गश्ती पुलिस द्वारा फोन कर चौकीदार के माध्यम से इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी मानती देवी,चार पुत्र संतोष साह,मंतोष साह,हरी साह,मंगल साह एवं एक बेटी राजकुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी मानती देवी हम परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

टाउन थाना क्षेत्र के मझौंवा बांध के समीप मंगलवार की सुबह की घटना

जमीन विवाद में भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर की हत्या

- पंचायती के लिए विधायक के पास जाने के दौरान गोली मारने की चर्चा
- परिजन बोले: गांव के ही एक व्यक्ति से सात कट्ठा जमीन का था विवाद
- पुलिस को युवक के पैंट के पॉकेट से मिली तीन गोली, शव से मिला बुलेट

केटी न्यूज/आरा

नगर थाना क्षेत्र के मझौंवा बांध के समीप मंगलवार की सुबह एक भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली उसके बायें साइड सीने में करीब से मारी गई है। उसमें उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। मृतक सिन्हा थाना क्षेत्र के कुदरिया गांव निवासी हेमंत कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह का 26 वर्षीय पुत्र प्रिंस सिंह था। फिलहाल वह अपने परिवार के साथ नगर थाने के गौसगंज में रहता था। उसकी पत्नी आशा देवी भारत सरकार के जल, शक्ति मंत्रालय, पेयजल और स्वच्छता विभाग में कर्मचारी है और फिलहाल यूपी के वाराणसी में पोस्टेड हैं। प्रिंस सिंह भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के प्रचार में वह बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहा था। स्थानीय सांसद आरके सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष अध्यक्ष दुर्गा राज के साथ उसका फोटो भी वायरल हो रहा है। सात कट्ठा जमीन के विवाद में हत्या करने की बात कही जा रही है। आरोप गांव के ही एक व्यक्ति पर लगाया जा रहा है। सुबह-सबेरे हत्या की वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष देवराज राय और अपर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उसके बाद बाद दोनों अधिकारी युवक के घर गौसगंज पहुंचे और परिजनों से मिल घटना की पूरी जानकारी ली। इधर, पुलिस द्वारा एक्स-रे के दौरान युवक के पैंट के पॉकेट से तीन गोली बरामद की गयी। पोस्टमार्टम के दौरान शव से भी एक बुलेट मिला है। उसके मौसा अधिवक्ता हरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रिंस सिंह का गांव के ही हरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति से सात कट्ठा जमीन को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। उसे लेकर वह पंचायती कराने का प्रयास कर रहा था। उसके लिए वह स्थानीय विधायक के पास भी कई बार गया था। मंगलवार की सुबह भी वह उसी सिलसिले बाइक से पुलिस लाइन की ओर जा रहा था। तभी पीछा कर रहे अपराधियों द्वारा मझौंवा बांध के समीप उसे गोली मार दी गयी। उसके बाद उसके साथियों द्वारा उसे तत्काल इलाज के लिए बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे और शव लेकर घर चले गए। तब टाउन थाना की पुलिस उसके घर पहुंची और शव को कब्जे में पोस्टमार्टम करवाया गया। मौसा हरेंद्र सिंह की ओर से जमीन विवाद में गांव के हरेंद्र सिंह और उसके बेटों पर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है।बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

दो साल पहले हुई थी शादी, हत्या से घर में मचा कोहराम

बताया जा रहा है कि प्रिंस सिंह की शादी मई 2022 में हुई थी। उसकी पत्नी आशा देवी भारत सरकार के जल शक्ति, पेयजल और स्वच्छता विभाग में वाराणसी में क्लर्क है। उसके परिवार में मां कुमकुम देवी, पत्नी आशा देवी और एक साल की बेटी शिवांशी है। हत्या के बाद उसके घर में कोहराम और रोना-धोना मच गया है। मां कुमकुम देवी और पत्नी आशा देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। शादी के दो साल बाद ही सुहाग उजड़ जाने से आशा देवी बेहाल थी।

युवक के पैंट से बरामद

जमीन रजिस्ट्री के विवाद में रिटायर दारोगा के पुत्र की गोली मारकर हत्या

- मछली पार्टी के बहाने बुलाने के बाद पीछे से मारी गयी गोली, फिर फोन कर दी गयी सूचना
- 14 लाख रुपए और जमीन हड़पने के लिए बुला कर की गयी हत्या

केटी न्यूज / आरा। शहर से सटे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करवा गांव स्थित बगीचे में सोमवार की रात एक रिटायर दारोगा के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। गोली काफी करीब से सिर में पीछे मारी गई है। साजिश के तहत मछली पार्टी के बहाने बुलाने के बाद हत्या करने की बात कही जा रही है। मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के घोड़प्रोखर गांव निवासी सह रिटायर दरोगा तेज नारायण सिंह का 32 वर्षीय पुत्र पिंटू कुमार था। वह नवादा थाना क्षेत्र के गोढ़ना रोड इलाके में अपना मकान में रहता था। परिजनों की ओर से जमीन खरीदने को दिए गए 14 लाख रुपए हड़पने के लिए फोन कर बुलाने के बाद घटना को दिया गया अंजाम। पुलिस की शुरूआती जांच में जमीन रजिस्ट्री को लेकर तीन-चार दोस्तों के बीच विवाद के बाद की गयी हत्या। पुलिस द्वारा एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही है। इधर, देर रात हत्या की सूचना से इलाके में सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिन्हा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच और अपने स्तर से छानबीन की। थानाध्यक्ष द्वारा मृतक के परिजनों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इधर, रिटायर दारोगा के भतीजे अशोक कुमार ने बताया कि पिंटू द्वारा उदवंतनगर थाना क्षेत्र के दरियापुर पुल के समीप नीरज चौधरी नामक एक व्यक्ति से दस कट्ठा जमीन खरीदी गई है। उसे लेकर उसके द्वारा मोबाइल से यूपीआई और कैश चौदह लख रुपए उसे दिया था। उसके बाद उस युवक द्वारा जमीन की मापी भी कर दी गई थी। इसी बीच सोमवार की रात फोन कर बागीचे में बुलाने के बाद गोली मार कर उसकी हत्या कर दी गई। इधर, एसपी नीरज कुमार सिंह की ओर से प्रेस बयान जारी कर बताया गया है कि सोमवार की रात करीब दस बजे सूचना मिली कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कारवां गांव के बागीचे में तीन चार दोस्तों के बीच जमीन रजिस्ट्री को लेकर विवाद हुआ था। उसी दौरान पिंटू कुमार यादव नामक एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एक नजर

विश्व के 24 लाख घरों में एक साथ, एक समय पर होगा गायत्री महायज्ञ

जहानाबाद। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के प्रमुख श्रद्धेय डॉ.प्रणव पण्ड्या एवं शैलवाला पण्ड्या के मार्गदर्शन में आगामी 23 मई को पूरे विश्व में एक साथ,एक समय चौबीस लाख घरों में प्रातः 09बजे से 12 बजे तक गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानव में देवत्व का उदय एवं धरती पर स्वर्ग का अवतरण है। हमारी सनातन संस्कृति में मानवता को पतन पराभव से बचाने के लिए अवतारों की परंपरा रही है।जब जैसी समस्या रही ईश चेतना ने उसके अनुरूप ही रूप धारण किया और असुरता का दमन कर मानवता को नवजीवन प्रदान किया।वर्तमान युग में वही अवतार परंपरा युग ऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के माध्यम से दोहराई जा रही है।परम पूज्य गुरुदेव ने बताया कि आज घर -घर में जन -जन के मनों में असुरता छायी है। इन दिनों पर्यावरण संकट, युद्धोन्माद भय,भ्रष्टाचार, अनाचार, अत्याचार,आतंक,रोग-शोक,पीड़ा, पतन जैसी जितनी भी विभीषकाएँ और समस्याएं हैं,उनका एक मात्र कारण दुर्बुद्धि के रूप में मानवीय मन मष्तिष्क में छायी हुई विकृतियाँ ही हैं।उन सभी समस्याओं का एक ही समाधान है,मानवीय दुर्बुद्धि को दूर कर उसके चिंतन,चरित्र और व्यवहार का परिष्कार। गायत्री और यज्ञ दोनों परस्पर पूरक हैं। गायत्री, अर्थात सदबुद्धि चिंतन की धारा है और यज्ञ कर्म और व्यवहार का विषय है। जब चिंतन दूषित होता है तभी कर्म विकृत होता है। हर व्यक्ति अपने चिंतन के अनुरूप ही कर्म करता है। चिंतन बदलेगा तो कर्म और व्यवहार स्वतः ही बदलते चले जायेंगे। समूह चेतना जागरण के इस महापर्व पर जब एक ही दिन लगभग एक ही समय चौबीस लाख घरों में यज्ञ होगा करोड़ों मंत्रों से यज्ञाहुतियॉं दी जायेंगी,विश्व कल्याण की प्रार्थनाएं होंगी तो सूक्ष्म जगत का शोधन होगा ही। यह दिव्य उर्जा हर व्यक्ति को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करेगी, लेकिन हमारा लक्ष्य इस अभियान से जुड़ रहे परिवारों को देव परिवार बनाना है।उसी लक्ष्य के साथ हमारे योजनाबद्ध और चरणबद्ध प्रयास होने चाहिए। यह जानकारी गायत्री परिवार जहानाबाद के जिला मीडिया प्रभारी बचन देव कुमार ने दिया।

चार मनचलों ने नकली पिस्टल दिखाकर दो नबालिगों से की छेड़खानी, दो गिरफ्तार

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के गडुरा टोला पर दो नाबालिग लड़की के साथ छेडखानी का मामला प्रकाश में आया है । छेड़खानी का मामला 20 मई 2024 के देर रात्रि का बताया जाता है । जहां चार मनचलों ने दो नाबालिक लड़कियों से छेड़-छाड़ करने लगे । वही छेड़खानी के मामले में पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया लेकिन दो अभियुक्त फरार हो गये है । पिता के बयान पर छेड़खानी के मामले में चार पर एफआईआर दर्ज किया गया है। बयान में बताया गया है कि दो नाबालिक गांव में शादी के कार्यक्रम में जयमाल देखने गई थी । घर वापस आने के क्रम में चार लड़कों ने नकली पिस्टल दिखाकर दोनो के साथ छेड़खानी करने लगे । दोनों नाबालिक लड़की चिल्लाने लगी तो आवाज सुन बाराती व सराती दोनो लोग पहुंचे तो चारो भागने लगे लेकिन लोगों ने दो को पकड़ लिया ।

खबरें फटाफट

स्नातक-2 की परीक्षा तीन केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न

बिक्रमगंज (रोहतास)। मंगलवार को स्थानीय शहर के तीन परीक्षा केंद्रों पर स्नातक पार्ट-2 की परीक्षा अंतिम दिन दो पालियों में शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। जो संचालित परीक्षा के अंतिम दिन भी वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर सख्ती के कारण परीक्षार्थियों के होश उड़े थें। अंतिम दिन परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट पर सघन जांच में मुन्ना भाई सहित चिट पुर्जे प्रवेश पर पैनी नजर रखा गया। ज्ञात हो कि शहर के तीन परीक्षा केंद्रों तहत वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय धारूपुर में परीक्षार्थियों की संख्या 2826, अंजबित सिंह महाविद्यालय 1758 व इंदु तपेश्वर महिला कॉलेज में 1535 परीक्षार्थी सूची थी।

तीन लीटर देशी शराब साथ एक गिरफ्तार

काराकाट(रोहतास)। काराकाट पुलिस ने मद्य निषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए एक धंधेबाज को देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तार शराब धंधेबाज दुआरी गांव निवासी सनोज साह पिता स्वर्गीय राम अवतार साह के पास से 03 लीटर देशी शराब पुलिस ने बरामद किया । थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने कहा कि गिरफ्तार शराब कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

अज्ञात बदमाशों ने घर में लगाई आग गृहस्वामी को मारपीट कर किया घायल

केटी न्यूज/ जहानाबाद

सोमवार की रात टेहटा थाना क्षेत्र के मनियारगंज गांव में अज्ञात बदमाशों ने एक मकान में आग लगा दिया एवं गृहस्वामी को मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। घायल गृहस्वामी रवि रंजन कुमार बताया जाता है। वहीं घटना में एक मवेशी (गाय) की मौत हो गई और घर में रखे सारे सामान जलकर राख हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मनियारगंज गांव में रवि रंजन कुमार दुकान चलाते हैं। जो सोमवार की रात अपने मकान में सोए हुए थे जहां पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने पहले उनके साथ जमकर मारपीट किया उसके बाद घर को आग के हवाले कर दिया, वही घटना में एक मवेशी (गाय) की जलकर मौत हो गई है। वही घर में रखे सारे सामान जल कर राख हो गए हैं। वही घटना में घायल हुए रवि रंजन कुमार को स्थानीय ग्रामीणों ने उपचार के लिए रेफरल अस्पताल मखदुमपुर लाया जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतू गया मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। घटना की सूचना पर टेहटा थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एनडीए प्रत्याशी को जिताने की अपील

बिक्रमगंज(रोहतास)। मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की एक बैठक एनडीए कार्यालय डूमराव रोड काली मंदिर के पास बिक्रमगंज में हुई। जिसकी अध्यक्षता अनन्त प्रसाद गुप्ता ने की। बैठक में आए हुए सभी अतिथियों का अंग वस्त्र माला से सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कपूर्री ठाकुर की सुपुत्र राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर उपस्थित थे उन्होंने एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को विजई बनाने हेतु तन मन से कार्य करने का आग्रह किया। काराकाट लोक सभा के संयोजक नवीन चंद्र शाह ने बताया कि आपके मत से भारत के भविष्य का निर्धारण होने वाला है। इसलिए मतदान राष्ट्रहित में करें। लोक जनशक्ति पार्टी के रवि पासवान ने स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में उपस्थित अति पिछड़ा प्रकोष्ठ की अध्यक्ष संतोष गुप्ता ,जदयू के विजय चौधरी, गांधी चौधरी ,काशीनाथ पासवान ,जोगिंदर चौहान ,सतीश कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर ,माधव केसरी ,मोहम्मद इरशाद खान, पिंटू चंद्रवंशी, राम आशीष ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे

औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह ने काराकाट का किया दौरा

प्रधानमंत्री के हाथों को मजबूत करने के लिए मांगा वोट

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

सोमवार को काराकाट लोकसभा संसदीय क्षेत्रों का दौरा औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह ने करते हुए लोगों से किया जनसंपर्क। इस क्रम में उन्होंने लोगों से देश के विकास पुरुष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों मजबूत करते हुए एनडीए को वोट देने की अपील की। इस अवसर पर काराकाट क्षेत्र में भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री

डॉ. मनीष रंजन ने सांसद सुशील सिंह का सैकड़ों सकर्थकों व एनडीए कार्यकताओं के उनका भव्य स्वागत किया। इस क्रम में उन्होंने बिक्रमगंज नगर परिषद के धारूपुर गांव पहुंच मतदाता से जनसंपर्क किया। जहां उन्होंने बिक्रमगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह उर्फ जवाहर सिंह से उनके धारूपुर गांव आवास अंतर्गत मुलाकात करते हुए 1 जून को होने वाली 7वें चरण के मतदान पर विशेष चर्चा किया। साथ ही उनसे आशीर्वाद लिया। वही मौके पर उपस्थित भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने उन्हें फूल माला पहना अंगवस्त्र भेट का सम्मानित किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए सांसद ने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री के विकास के सपनों को पूरा करते हुए 400 के पार चुनावी विजयी रथ आगे बढ़ाना है। ताकि एक पुनः देश में मोदी के नेतृत्व में विकास की बयार बह सकें।जिसको लेकर एनडीए काराकाट लोकसभा क्षेत्र प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के हाथों को मजबूत करने के लिए उन्हें वोट देने की लोगों से अपील किया। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना, स्मार्ट सिटी योजना और मेक इन इंडिया शामिल हैं। जिनके विकास कार्य की गाथा पूरा विश्व लोहा मान रहा है। इस मौके पर भाजपा नेता अजीत सिंह,सुनील सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह, दिनेश कुमार, हरेंद्र सिंह, मनमोहन तिवारी, सरोज सिंह, जितेंद्र सिंह, बब सिंह, नागेश्वर कुशवाहा, जदयू नेता आशुतोष सिंह, रमाशंकर सिंह, अखिलेश सिंह, झुन्ना सिंह, राकेश मिश्रा, अजीत सिंह पवनी, मैनुदिन हुसैन, अयूब खां, महिला मोर्चा भाजपा नगर अध्यक्ष रूबी कुमारी, विवेक कुमार, परवेज खान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थें।

मैंने छूछी निकाल दिया है, साइकिल से निकल गई है हवा: ओपी राजभर

- मुफ्त बिजली व बलिया में ही बिजली उत्पादन करने का दिया आश्वासन
- राजभर समाज को मोदी व योगी ने बढ़ाया मान

केटी न्यूज / बलियाल

समाजवादी पार्टी की साइकिल के टायर से मैंने छूछी निकाल ली है, उनकी साइकिल की हवा निकल गई है। अब साइकिल कहीं नहीं जा रही है, जो कुछ बाकी होगा वो चुनाव नतीजों से पूरा हो जाएगा। यह बातें उप्र के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को 72 लोकसभा सलेमपुर क्षेत्र के विद्या भवन (नरायनपुर) में भाजपा प्रत्याशी रविंद्र कुशवाहा के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने बलिया की जनता को मुफ्त बिजली से लेकर बलिया में ही बिजली उत्पादन करने का आश्वासन दिया। कहा कि आचार संहिता के कारण ज्यादा कुछ बोल नहीं सकता, लेकिन सरकार ने मुझे ही इस क्षेत्र के लोगों के पेंशन, रोजगार आदि समस्याओं के लिए बड़ी जिम्मेदारी दी है। जनता से पूछा कि क्या देश में मायावती व अखिलेश सरकार बना सकते हैं? मोदीजी प्रधानमंत्री बनेंगे। अभी तीन साल तक प्रदेश की सरकार रहेगी और हम भी मंत्री रहेंगे। यूपी सरकार के पास

पैसा कम होगा तो केंद्र सरकार हमारे लिए खजाना खोल देगी। बीते 21 साल से लोगों के बीच घूम रहा हूं । रविंद्र कुशवाहा को तीसरी बार दिल्ली की पंचायत के भेजने का मन बना चुके हैं। मोदीजी ने आजमगढ़ में महाराजा सुहेलदेव के नाम से विश्वविद्यालय, डाक टिकट व ट्रेन चलाकर राजभर समाज को गौरवांवित किया। बहराइच में 150 फीट ऊंची मूर्ति बनाने का काम मोदी व योगी ने किया। मोदी जी ने राजनीति में महिलाओं को आरक्षण दिया। बताया कि 2024 के बाद देश में नई शिक्षा नीति लागू होगी। रोजगार परक शिक्षा सबको मिलेगी। आयुष्मान कार्ड दिया। इस मौके पर मंत्री दानिश आजाद अंसारी, विधायक केतकी सिंह, रमेश कुशवाहा, नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि बैरिया शिव कुमार मंटन, विनोद शंकर दुबे, सुनील सिंह, प्रतुल ओझा, अभिजीत तिवारी, अजय सिंह, ओंकार सिंह समेत पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

बलिया में ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान

बलिया। पारिवारिक कलह के कारण रेलवे स्टेशन पूर्वी केबिन कुंडैल ढाला के पास मंगलवार की सुबह अधेड़ ने ट्रेन के सामने छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता रहा है कि नगर पंचायत वार्ड नंबर नौ इमिलिया निवासी अली शेर (50) कपड़े की सिलाई का कार्य करता था। मंगलवार की सुबह कुंडैल ढाला के पास चाय पीने के बाद वह घर पहुंचा तथा किसी बात को लेकर परिजनों से विवाद हो गया। विवाद से क्षुब्ध होकर उसने कुंडैल ढाला के पास आ रही ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। जिससे उसके शरीर के कई टुकड़े हो गए और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

गैंगस्टर के आरोपी को मिली दो वर्ष की सजा

बलिया। गैंगस्टर एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मंगलवार की दोपहर आरोपी को दो वर्ष 21 दिन की सजा सुनाई। इसके साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। आरोपी का नाम गुड्डू उर्फ करिया नट पुत्र इब्राहिम उर्फ गनगन निवासी नकहरा थाना गड़वार है। आरोपी गुड्डू उर्फ करिया नट के खिलाफ वर्ष 2022 में गड़वार थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करने के उपरांत आरोपी गुड्डू उर्फ करिया नट को दो वर्ष 21 दिन की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया गया।

बलात्कार के आरोपी को मिली 25 वर्ष के कारावास की सजा

बलिया। बलात्कार व पॉक्सो एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने मंगलवार की दोपहर आरोपी को 25 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 35 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। आरोपी का नाम धीरज वर्मा पुत्र लक्ष्मण वर्मा निवासी लखुसराय डंडारी थाना पकड़ी है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2023 में पकड़ी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करने के उपरांत विशेष न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को 25 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

25 मई को गाजीपुर के आरटीआई मैदान में आयोजित सभा को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर गाजीपुर की जनता में भारी उत्साह

- आगमन को लेकर भूमि पूजन के साथ कार्यकर्ताओं ने तेज की तैयारी

केटी न्यूज/ गाजीपुर

दुनिया के सशक्त और मजबूत नेता जिनका लोहा वर्तमान में पूरा विश्व मान रहा है। वह जन- जन में व्याप्त हैं। ऐसे प्रतिभा के धनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर जिले की जनता उत्साहित है। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेता पर पूरे देश को नाज है। यह बात वर्तमान में भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने जिला कार्यालय छावनी लाइन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन विषय पर आयोजित पत्रकारवार्ता में कही। कहा कि गाजीपुर की जनता उस क्षण का बेसब्री से इंतजार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आगमन हो रहा है। आगमन की तैयारी को लेकर कल स्वयं भूमि पूजन के साथ सारी तैयारी तेज गति से चल रही है?।

गाजीपुर की जनता से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन जिले के आरटीआई मैदान में 25 मई को अपराह्न 1.30 बजे होने जा रहा है। एक सवाल के जवाब में जिलाध्यक्ष

सुनील सिंह ने कहा कि सपा प्रत्याशी सांसद अफजाल अंसारी की हताशा साफ झलक रही है और उनकी निर्दल प्रत्याशी बेटी के चुनाव चिन्ह छड़ी को लेकर कहा कि यह निशान हमारे सहयोगी दल सुभासपा का है। इस पर भारत निर्वाचन आयोग से आपत्ति दर्ज कराई गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के प्रभारी भाजपा प्रदेश मंत्री तथा गाजियाबाद जिला पंचायत अध्यक्ष बसंत त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली ऐतिहासिक होगी एक- एक कार्यकर्ता इसको ऐतिहासिक बनाने में पूरी तन्मयता से लग गए हैं। उन्होंने कहा कि हर सभा स्थल की तरह प्रधानमंत्री का लगभग एक घंटे का पूरा कार्यक्रम होगा।

सवाल के जवाब में उन्होंने वर्तमान सांसद पर अपनी टिप्पणी में कहा कि क्षेत्र में जनता के बीच नहीं रहने और काम न करने वाले लोग कैसे जनप्रतिनिधि बन जाते है। यह बहुत सोचने की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति देश की जनता के मन में आगाध श्रद्धा व प्रेम का भाव है, जो उनको अभिभूत करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानते है और कहते हैं उनके जीवन का छण- छण इस देश को आगे बढ़ने के लिए समर्पित है। कहा कि ऐसे सशक्त नेता लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने इसके लिए देश की जनता ने यह संकल्प लिया है। इस अवसर पर सहारनपुर के विधायक राजीव गुंबर, लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय, रैली संयोजक भानु प्रताप सिंह एवं जिला मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा उपस्थित थे।

चंदौली संसदीय क्षेत्र में 28 लाख आबादी के सापेक्ष 18 लाख है मतदाता

- जनपद के संसदीय क्षेत्र में चुनाव मैदान में है 10 प्रत्याशी

केटी न्यूज / चंदौली।

चंदौली संसदीय क्षेत्र के नामांकन जांच के साथ चुनाव चिन्ह का आवंटन कर दिया गया है। इसके बाद जनपद में संसदीय क्षेत्र चंदौली क्षेत्र 76में 10 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है। जहां पर 28 लाख का आबादी के आबादी के सापेक्ष 18 लाख मतदाता से अधिक मतदान प्रक्रिया में भाग लेंगे। इसके लिए मतदान केंद्र साथ-साथ सभी व्यवस्थाएं अंतिम दौर में चल रहे हैं। यही नहीं मतदान के लिए 1868 मतदेय स्थल बनाए गए, जहां पहुंचकर मतदाता अपने मनपसंद प्रत्याशी को 1 जून को मतदान करेंगा।

चंदौली संसदीय क्षेत्र 76 में कुल पांच विधानसभा शामिल है।जिसमें जनपद के तीन और वाराणसी की दो विधानसभा में शामिल है। संसदीय क्षेत्र के की आबादी कुल 28 लाख 70346 शामिल है। इसमें मुगलसराय की बात करें तो 340923 पुरुष के साथ 308241 महिलाएं शामिल है। वही सकलडीहा में 283362 पुरुष और 261345 महिला की आबादी शामिल है। इसके अलावा सैयदराजा में 277185 पुरुष और 258008 महिला शामिल है। वही वाराणसी के 292828 273692 महिला के अलावा शिवपुर में 302334 पुरुष व 271 628 महिलाओं की आबादी है।संसदीय क्षेत्र में टोटल 14 लाख 9632 पुरुष और 1373 714 महिला आबादी शामिल है। वही मतदाताओं की बात करें तो टोटल मतदाताओं की संख्या 18 लाख 31 हजार 447 है। इसमें 981375 पुरुष और 8500 21 महिला मतदाता है। मुगलसराय विधानसभा में 220581 पुरुष और 189927 महिला व 35 थर्ड जेंडर है। सकलडीहा की बात करें तो 180719 पुरुष और 157 568 महिला के अलावा सात थर्ड जेंडर, सैयदराजा में 180 364 पुरुष और 155932 महिला और दो थर्ड जेंडर शामिल है। वाराणसी के सुरक्षित क्षेत्र अजगरा में 192868 पुरुष व 170506 के अलावा चार थर्ड जेंडर और शिवपुर में 206843 पुरुष व 176088 महिला और तीन थर्ड जेंडर मतदाता है। जिला निर्वाचन अधिकारी निकल टीकाराम फुंडे ने कहा कि संसदीय क्षेत्र के चुनाव के सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं,जो कमी है उसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

50 लाख रूपए की लागत से कराए जाएंगे मेड़बंदी

केटी न्यूज/बलिया

इस वर्ष मनरेगा से जल संचयन व भूमि क्षरण रोकथाम के कार्य अधिक होंगे। इसमें सबसे अधिक 50 लाख की धनराशि मेड़बंदी पर खर्च किए जाएंगे। इससे जल संरक्षण के साथ ही मिट्टी क्षरण रुकेगा जिससे किसानों को फायदा मिलेगा।

मनरेगा में जल संचयन से संबंधित कार्यों पर जोर है। इसके तहत खासकर चेक डैम (खेतों की मेड़बंदी) कार्य के साथ ही नए तालाबों का निर्माण, पुराने तालाबों की सफाई आदि कार्य कराए जाते हैं। मनरेगा के तहत इस वर्ष 2024-25 में किसानों के खेतों में अधिक से अधिक खेतों की मेड़बंदी निर्माण कराने का प्रस्ताव है। विभागीय अधिकारी के अनुसार चेक डैम उन स्थानों पर बनाया जाएगा जहां बारिश होने पर जल का बहाव तेज होता है और मिट्टी का क्षरण भी होता है। बताया कि चेकडैम निर्माण पर 50 लाख का प्रावधान किया गया है लेकिन आवश्यकता पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है।

50 पुराने तालाबों का होगा पुनरुद्धार, 25 नए भी बनेंगे

बलिया। वर्ष 2024-25 में मनरेगा से 50 तालाबों का पुनरुद्धार व 25 नए तालाब बनाने की भी योजना है। खासकर उन तालाबों का पुनरुद्धार किया जाएगा जिन तालाबों पर बीते तीन वर्ष में कार्य नहीं कराए गए हैं।

बूथों पर पहुंची प्रेक्षक, दिया सफाई का निर्देश

केटी न्यूज/चंदौली

लोक सभा चुनाव प्रेक्षक सिंधु बी रुपेश ने मंगलवार को मुगलसराय विधानसभा क्षेत्र के मतदान बूथ, चेक पोस्ट वेबकास्टिंग ,निर्वाचन कार्यालय और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। वोट देने वाले मतदाताओं के लिए छाया, पानी व बिजली की व्यवस्थाओं के साथ ही साफ सफाई के दिशा निर्देश दिए। वहीं दुल्हीपुर बीपी हायर सेकेंडरी स्कूल के बूथ का निरीक्षण कर मतदान केंद्रों पर एक सप्ताह में आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने आधा दर्जन मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। चुनाव प्रेक्षक सिंधु बी रुपेश ने सुबह नौ बजे चंधासी मतदान केंद्र का निरिक्षण कर बीपी हायर सेकेंडरी स्कूल दुलहीपुर पहुंचीं। वहां गंदगी देखकर उसे तत्काल सफाई करनें का निर्देश दिया।वहां से उन्होंने पंचायत भवन सतपोखरी व दुलहीपुर पहुंच वहां के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। मतदान केंद्रों पर छांव, शौचालय, पेयजल, दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैंप की व्यवस्था का जायजा लिया।

सरयू नदी के सहजानंद घाट पर स्नान करते समय डूबा व्यापारी, छानबीन जारी

बलिया। मंगलवार को शाम करीब तीन बजे सरयू नदी के सहजानंद घाट पर स्नान करते वक्त एक युवक डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेवती से गोताखोरों को बुलाकर डुबे युवक की छानबीन शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक कोई सफलता नहीं मिल पायी थी। बताया जा रहा है कि सहतवार थाना के महाराजपुर निवासी विकास सिंह 22 वर्ष पुत्र शत्रुघ्न सिंह सहजानंद घाट पर सरयू नदी में नहाने गया था। पानी में अचानक उसका पैर फिसल कर गहरे पानी में चला गया। जिससे वह डूब गया। सुचना पर पहुँची सहतवार पुलिस ने रेवती से गोताखोरों को बुलाकर शव को छानबीन शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि युवक परवल का व्यापारी था, जो गंगा उस पार से नाव से इस पार आ रहा था। लेकिन नाव खुलने में लेट हुई तो स्नान करने लगा, तब तक पैर फिसल गया। जिससे वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

चढ़ने लगा सियासी पारा, दुकानों पर सजने लगी चौपाल

केहू राम मंदिर से बा खुश तो केहूके खटकता पेपर लीक

केटी न्यूज/बलिया

चुनाव आते ही शहर से लेकर गावों की चौक चोराहों पर अलग ही नजारा दिखता हैं। गांवों में आज भी चुनाव का वही पुराना दौर देखने को मिल रहा है।आज भी पेड़ की छांव में, दुकानों पर, चौराहों पर बैठकर चुनाव की चचाएं की जाती है। लोकसभा चुनाव को लेकर शहर के अलावा गावों में भी अब ग्रामीणों ने चुनावी चर्चा शुरू कर दी है। शाम होते ही गावों की दुकानों पर चुनावी चौपाल लगनी शुरू हो जा रही है। ग्रामीण एकत्रित होकर हंसी-मजाक के साथ ही गंभीर विषयों पर चर्चा कर रहे हैं। सिंहपुर चट्टी पर सोमवार को चुनाव का असर देखने को मिला जहां मतदाताओ ने एक दुकान पर बैठकर

चुनावी मुद्दो पर चर्चा करते दिखे। किसी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कभी महंगाई को लेकर मनमोहन सिंह को घेरते थे आज वह खुद ही चहूंओर घिर गए हैं। ठीक उसी वक्त एक चाचा कहते हैं अरे मर्दवा महंगाई कहां बा, हर हाथ में एंड्राइड मोबाइल बा, लोग घर का खाना छोड़कर रेस्टूरेंट में जाकर डिनर करत बा। ठीक उसी वक्त एक चाचा कहते हैं हां मालूम बा तू अंध भक्त हौवे, तोहराके महंगाई इ सब लौकी ना। इसी प्रकार की चर्चा चित्तू पांडेय चौराहे पर भी देखने को मिली। यहां एक युवक को यह कहते हुए देखा गया कि मोदी सरकार रोजगार देने के मामले में एक दम से फेल हैं, इनकी सरकार में कोई पेपर होता है वह लीक हो जाती है फिर कैंसल हो जाता है। ठीक उसी वक्त एक युवक कहता है तुम्हारी नजर में सिर्फ सरकारी नौकरी ही नौकरी है बाकी तो कुछ नहीं है। अगर तुम्हारे पास वास्तव में काबिलियत है तो तुम कोई भी नौकरी करके अपना पेट पाल सकते हो।

अदालत के आदेशों की अवहेलना में फंसे सिकंदरपुर थाना प्रभारी

बलिया। विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट) एवं अपर जनपद न्यायाधीश महेश चंद्र वर्मा की अदालत ने वर्ष 2015 के विद्युत अधिनियम के एक मामले में सिकंदरपुर थानाध्यक्ष पर न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने, लापरवाही और अनुशासनहीनता का दोषी माना है। एसपी बलिया को निर्देश दिया है कि 25 अप्रैल 2023 से एक मई 2024 तक थाना सिकंदरपुर प्रभारी के पद पर कार्यरत पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई कर रिपोर्ट एक माह के अंदर न्यायालय को उपलब्ध कराएं।

एक नजर

जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस कप्तान में कृषि मंडी जंगीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया

गाजीपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत निर्वाचन संबंधी विविध कार्यो को समयबद्ध एवं सुचारू ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता में है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह सयुक्त रूप से कृषि मंडी जंगीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल में ईबीएम मशीन का विधानसभावार कैमरों की सुरक्षा व्यवस्था एवं मतगणना हाल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त उन्होंने संबंधित को आवश्यक व्यवस्था ससमय सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जंगीपुर के मंडी सचिव को निर्देशित किया कि स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल पर जो भी कार्य कराए जाने हैं उसको समयान्तर्गत पूर्ण करा लिया जाए। स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक जाने के लिए एवं पार्टी के सदस्यों को बैठने के लिए बैरीकैटिंग लगाने का दिशा निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी उप जिला निर्वाचन, अधिकारी मुख्य राजस्व अधिकारी, मण्डी अधिकारी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाराचवर पीएचसी पर तैनात फार्मासिस्ट की हार्ट अटैक से मौत

गाजीपुर। सोमवार को बाराचवर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात फर्मासिस्ट (40) वर्षीय वकार शाहिद की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। इस सबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डाक्टर रजत गुप्ता ने बताया की सोमवार को हर रोज की तरह हमारे फर्मासिस्ट वकार शाहिद सुबह आठ बजे अपने डियूटी पर आ गये थे । उन्होंने बताया की वकार शाहिद की डियूटी के दौरान बैक साइड में दर्द महसूस होने लगा तो अस्पताल में इंजेक्शन व दवा दिया गया । लेकिन उनको आराम नहीं मिला तो हास्पिटल में तैनात हमारे डाक्टर अभीषेक सिंह अपने निजी वाहन से वकार शाहिद को मऊ शारदा नरायण अस्पताल ले गये । जहां उनका जांच कराया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया की वकार शाहिद खुद चलकर अपनी पुरी जांच करा रहे थे। इस दौरान अस्पताल के पूरे कर्मचारी वहां मौजूद थे। उनको भर्ती भी करा दिया गया था, जहां उनका उपचार हो रहा था । इसी दौरान करीब एक बजे के आस-पास उनको दूसरा अटैक आया। लाख कोशिशों के बावजूद भी लोग फार्मासिस्ट को बचा नहीं पाए और उनकी मौत हो गई। उधर अस्पताल के कर्मचारी असल अंसारी ने कहां की हम लोगों को अब भी विश्वास नहीं हो रहा है कि वकार शाहिद हमारे बीच नहीं है। भारत भूषण श्रीवास्तव, डा. अनील पांडेय समेत पूरे कर्मचारियों ने वकार शाहिद के जाने से दुःखी थे। वकार शाहिद बहराइच जनपद के रहने वाले थे, जो मऊ में कमरा किराए पर लेकर परिवार के साथ रहते थे। वकार शाहिद के दो बच्चे एक छह साल व एक तीन साल है। प्रभारी निरीक्षक डाक्टर रजत गुप्ता ने बताया की वकार शाहिद के शोक में मंगलवार को अस्पताल का ओपीडी बंद रहा । लेकिन इमरजेंसी सेवा चालू रही । उन्होंने बताया की इमरजेंसी में डाक्टर तैनात थे।

फंदे पर लटक कर विवाहिता ने इहलीला समाप्त की

चंदौली। सूजाबाद पुलिस चौकी क्षेत्र के सूजाबाद गांव में बीती रात विवाहिता ने रस्सी का फंदा बनाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है। शबरोजा पत्नी 22 महताब निवासी सूजाबाद अपने दो बच्चों जीशान 4 वर्ष व शिफान 3 माह सास वसीरन मिर्जा के साथ सूजाबाद गांव के दो मंजिला मकान में रहती थी और पति सऊदी अरब में रहता है। वसीरन का कहना है की सोमवार की रात्रि लगभग सात बजे छोटे व बड़े पोते सो गए थे और मै पड़ोस के घर शादी के कार्यक्रम मे समिल्लित होने को चली गई थी और बस कुछ समय ही बीता था कि मै वापस पड़ोस के घर से अपने घर आयी और बहु को आवाज लगाने लगी, जब कोई आवाज नहीं आई तों मैंने ऊपर वाले घर मे जाकर देखा तों बहु शबरोजा फंदे पर झूल रही तों मैंने पास पड़ोस लोगों को आवाज देकर बुलाया और उसे नीचे उतार कर लोगों की मदद से वाराणसी के हॉस्पिटल मे ले गई जहाँ डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हम लोग शव लेकर वापस घर आये,लड़की का मायका पड़ोस के गाँव मे होने के वजह से उनके के परिजन भी आ गए। और लड़की के परिजन सास पर आरोप प्रत्यारोप करने लगे माहौल बिगड़ता देख किसी ने इस बात की सूचना पुलिस को दें दी? पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूजाबाद चौकी इंचार्ज उमेश राय ने बताया कि मायके वालो के तहरीर के आधार पर ससुराल पक्ष के सात लोगों के खिलाफ दहेज का मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

सड़क हादसे में एक भाई की मौत, एक गम्भीर

बलिया। बांसडीह-सहतवार मार्ग पर जितौरा गांव के पास सोमवार की देर रात बिहार प्रान्त के पटना से परीक्षा देकर घर लौट रहे बाइक सवार सगे भाईयों की बाइक सड़क किनारे खड़े रोड रोलर से टकरा गयी। घटना में एक भाई की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि दूसरे युवक को ग्रामीणों व पुलिस ने पीएचसी बांसडीह ले गए, जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार सिकन्दरपुर कस्बा के न्यू मार्केट निवासी नवीन मिश्र 23 वर्ष व अभिषेक मिश्र 21 वर्ष पुत्रगण विनय मिश्रा पटना एसटीईटी की परीक्षा देने बाइक से गए हुए थे। जहां से रात 10 बजे के करीब सहतवार की ओर से बांसडीह के रास्ते अपने घर जा रहे थे, जैसे ही जितौरा गांव के पास पहुँचे कि बाइक सड़क किनारे रोड रोलर से टकरा गयी। जिसमें दोनों भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को पीएचसी बांसडीह ले गई, जहां डाक्टरों ने नवीन मिश्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं अभिषेक की हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

मदरसे में एड्स व टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बलिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर के परामर्शदाता नवीन कुमार सिंह एवं टीबी क्लीनिक के संजीव कुमार मिश्रा, मुहमुद जी, टी रवि ने नगर पंचायत सिकन्दरपुर में स्थित मदरसा में युवक, युवतियों को एचआईवी, टीबी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिसमें वक्ताओं ने कहा की सकारात्मक देखभाल / एचआईवी दवा एचआईवी के साथ रहने वाले रोगियों के लिए समर्पित एक चिकित्सा पद्धति है। एचआईवी मानव इम्यूनो डिफिशिएंसी वायरस के लिए खड़ा है और इससे एक्वायर्ड इम्यून डेफिसिएंसी सिंड्रोम (एड्स) हो सकता है। एचआईवी मानव प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाओं को प्रभावित करता है, जो समय के साथ, संक्रमण और बीमारी से लड़ने की शरीर की क्षमता को रोकता है। आज, एचआईवी / एड्स को एचआईवी दवाओं के साथ प्राथमिक देखभाल सेटिंग में एक पुरानी बीमारी के रूप में प्रबंधित किया जा सकता है।

मतदान कार्मिकों के द्वितीय प्रशिक्षण कार्य का जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

मऊ। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण मिश्र द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल संपन्न कराने के लिए लगाए गए पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के चार दिवसीय प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण में निर्वाचन से संबंधित जो भी बातें बतायीं जा रही हैं, उनको गंभीरता पूर्वक समझें क्योंकि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जो दिशा निर्देश जारी किए गए हैं उनके अनुसार ही निर्वाचन संपन्न कराया जाना है। उन्होंने छोटी-छोटी बातों को भी गंभीरता से समझने को कहा जिससे मतदान के दिन किसी प्रकार की गंभीर समस्या उत्पन्न न हो और चुनाव सकुशल सम्पन्न कराया जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षण कक्षों का निरीक्षण किया गया तथा प्रशिक्षण ले रहे कार्मिकों को निर्देश दिए गए कि ईवीएम मशीन के बारे में विशेष ध्यान देकर इसके सभी भागों के बारे में जानकारी लें।

जौनपुर में बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा कांग्रेस व सपा पर जमकर बोला हमला

केटी न्यूज/जौनपुर

जिले की दो लोकसभा सीटो के चुनावी जनसभा को संबोधित करने जौनपुर लोकसभा क्षेत्र के बक्शा में बसपा सुप्रीमो मायावती पहुंची।मायावती दोपहर लगभग दो बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंची।जहां भीड़ को देखकर गदगद हुई।उनके मंच पर पहुंचते ही जौनपुर से लोकसभा प्रत्यासी श्याम सिंह यादव व मछलीशहर लोकसभा से कृपा शंकर सरोज में मोमेंटो देकर उनका स्वागत किया।

बसपा सुप्रीमो ने मंच पर पहुंचते ही बिना समय गवाएं उन्होंने सीधे मंच संभाला और अपने लगभग 25 मिनट के संबोधन में भाजपा और कांग्रेस पर लगातार हमलावर रहीं।उन्होंने कहा कि बसपा अगर सरकार में आती है तो मुश्लिम समाज का उत्पीड़न रोका जाएगा।बेरोजगारों को रोजगार का अवसर दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि केंद्र से जुड़ी स्थानीय समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि बड़े बड़े पूंजीपतियों को बढ़ाया जा रहा है।बीएसपी ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो किसी धन्ना सेठ से सहयोग नही लिया है।देश का किसान बर्ग भी परेशान व दुखी है।सभी पिछडो का विकास नही हुआ है अभी।दलित एवम आदिवासियों का कोटा नही भरा गया है।सरकार की गलत नीतियों के कारण ही किसान आंदोलन करता है। केंद्र में रही पूर्व की सरकारों की तरह ही बीजेपी सरकार में भी वही हो रहा है।बिरोधी पाटीर्यों को सत्ता में आने से रोकना है।बीजेपी सभी तरह से हथकंडे अपना कर सत्ता में आना चाहती है।वोटरों को कहा कि प्रलोभन भरे वादे के झांसे में नही आना है।बीएसपी घोषणा पत्र जारी नही करती है वह कहने में नही करने के विश्वाश रखती है।

वही 45 डिग्र सेल्सियस तापमान में तेज चिल चिलाती धूप में लोग बसपा सुप्रीमो मायावती को सुनने के लिए कुर्सियों से चिपके रहे।मायावती को देखने व उनके सबोधन को सुनने के लिए हजारो की संख्या में भीड़ उपस्थित रही। मंच से जौनपुर लोकसभा सीट से श्याम सिंह यादव व मछलीशहर लोकसभा सीट से कृपा शंकर सरोज को जनता से जिताने की अपील की।

एक नजर

आजमगढ़ में अखिलेश यादव की जनसभा में अचानक मची भगदड़, लोगों ने चप्पल, ईंट फेंकी

आजमगढ़ । आजमगढ़ में अखिलेश यादव की रैली में मंगलवार को फिर समर्थक बेकाबू हो गए। बैरिकेडिंग तोड़कर मंच के करीब तक पहुंच गए। पुलिस ने लाठीचार्ज करके समर्थकों को वहां से हटाया। इसके बाद भी समर्थक काबू में नहीं आए। समर्थकों ने कुर्सियां तोड़ दीं। जूते-चप्पल, ईंट-पत्थर भी फेंके। बाद में अखिलेश ने मंच संभाला। उन्होंने समर्थकों से शांत रहने की अपील की। अखिलेश ने कहा- आप लोग समाजवादी कार्यकर्ता हैं। आपमें जोश है। इस जोश को 25 मई तक संभाल कर रखिए। अनुशासन में रहिए, अनुशासन मत बिगाड़िए। पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए है। इसके बाद समर्थक शांत हुए। फिर अखिलेश ने रैली को संबोधित किया। सपा ने लालगंज से दरोगा प्रसाद चुनाव मैदान में उतारा है। अखिलेश उनके समर्थन में प्रचार करने सरायमीर थाना के खरेमा बाजार पहुंचे थे। इससे पहले सोमवार को अखिलेश यादव की संतकबीरनगर की रैली में भी भगदड़ जैसे हालात बन गए थे। रैली में कुर्सियां टूटी थीं। इसके पहले रविवार को अखिलेश और राहुल की प्रयागराज की फूलपुर रैली में भी हंगामा हो गया था। नाराज अखिलेश और राहुल रैली को संबोधित किए बिना लौट गए थे। आजमगढ़ से लेकर गाजीपुर तक पूर्वांचल के वो जिले हैं, जहां का नौजवान दौड़ निकाल कर पक्की वर्दी पहनता था, लेकिन इस सरकार ने अग्निवीर जैसी व्यवस्था लागू करके उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है। हमारी सरकार बनने पर हम इस अग्निवीर व्यवस्था को स्वीकार नहीं करेंगे। बीजेपी सरकार ने पेपर जान-बूझकर लीक कराए, ताकि च्व। परिवार के बच्चों को नौकरी न मिल जाए। संविधान हमारे लिए संजीवनी है। समुद्र मंथन की तरह संविधान मंथन होने जा रहा है। एक बात बताओ बीजेपी हटाओगे। इस सरकार ने कितनी महंगाई बढ़ाई पेट्रोल-डीजल से लेकर मोटरसाइकिल तक महंगी हो गई। खाद की बोरी से चोरी हो गई। पुराने लोग जानते होंगे कि पारलेजी का पैकेट कितना बड़ा आता था। बीजेपी की सरकार में वो भी छोटा हो गया। इस बार आ गए तो 1 बिस्कुट वाला पैकेट आने लगेगा। नैनो यूरिया बनाने वाले भारत छोड़कर चले गए। पहले कहा कि नैनो डालोगे, तो फसल बढ़ जाएगी। ऐसा नहीं हुआ बनाने वाले जरूर देश छोड़कर भाग गए। डबल इंजन का एक इंजन पहले ही गायब है। बीजेपी का तालमेल बिगड़ गया है। अब घालमेल चल रहा है। दिल्ली और लखनऊ वाले एक-दूसरे पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि सारी परीक्षाएं रद्द कर दीं। 1 करोड़ 80 लाख लोग प्रभावित हुए। हर लोकसभा क्षेत्र से 2.25 लाख वोट कम हुआ, तो बीजेपी कैसे जीतेगी! जो हमारे नौजवान फौज की भर्ती की तैयारी करते थे। ये पूर्वांचल के वो जिले हैं, जहां लोग सपना देखते थे कि वर्दी पहनकर पक्की नौकरी करेंगे। देश की सेवा करेंगे। लेकिन भाजपा अग्निवीर की अधूरी नौकरी ले आए। हम 30 लाख सरकारी नौकरी जो खाली पड़ी हैं, हमारी सरकार उसको देने का काम करेगी।

जीआरपी ने बरामद किए 36 लाख रूपए

मिजार्पुर। मिजार्पुर में स्थानीय जीआरपी थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन रेनूकोट से एक संदिग्ध व्यक्ति को बैग में रखे 36 लाख रुपए के साथ पकड़ा। वहीं रुपए जब्त कर उसे आयकर विभाग वाराणसी को सुपुर्द किया गया। चुनावी संग्राम और रेलवे में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे जय नरायन सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे राकेश पुष्कर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेलवे एपी सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रयागराज सुनीता सिंह के कड़े निर्देश पर पुलिस बल सक्रिय था। वहीं चलाए जा रहे अभियान के तहत 20 मई को रेलवे स्टेशन रेनूकोट थाना जीआरपी थाना प्रभारी अनिल कुमार त्रिपाठी हमराही कर्मचारी द्वारा चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया से एक संदिग्ध व्यक्ति के बैग से 36 लाख रुपए बरामद किया। वहीं संदिग्ध व्यक्ति से बरामद रुपए के बारे में पूछताछ किया गया। उसने कोई संतोष जनक जबाब नहीं दिया। मांगने पर किसी प्रकार का कोई कागज उपलब्ध नहीं करा सका। जिसके बाद संदिग्ध व्यक्ति से बरामद रुपए को लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए आयकर विभाग वाराणसी को सुपुर्द किया गया। थाना प्रभारी ने अनिल कुमार त्रिपाठी बताया कि चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया से एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया था। जिसके पास से 36 लाख रुपए बरामद किया गया है। ऐसी कार्रवाई से अवैध रुप से रुपयों का परिवहन कर टैक्स चोरी करने में कमी आएगी।

खबरें फटाफट

प्रियंका और डिंपल 25 मई को काशी में करेंगी रोड शो

वाराणसी। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर दिग्गजों की जनसभाएं जारी हैं। देश के सबसे प्रमुख सीट वाराणसी लोकसभा क्षेत्र में जहां भाजपा के बड़े नेताओं के ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं। इसी बीच जिले में कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव के रोड शो का एलान किया गया है। 25 मई को प्रियंका गांधी और डिंपल यादव एक साथ बनारस में रोड शो करेंगे। बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद दोनों लोग संत रविदास मंदिर जाएंगी। रोड शो की शुरूआत महामना की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद होगी। शहर के दुगार्कुंड, भेलूपुर, रेवड़ी तालाब, गिरजाघर, बेनियाबाग, लहुराबीर होते हुए रोड शो का समापन मलदहिया पर सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगा।

फील्ड अधिकारी बनकर की लाखों की ठगी, गिरफ्तार

सोनभद्र। टीबी से मृत लोगों के परिजनों को आर्थिक सहायता के नाम पर ठगने वाले फर्जी ब्लॉक फील्ड ऑफिसर को सोनभद्र पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए फर्जी अधिकारी के खिलाफ म्योरपुर और दुद्धी थाने में महिलाओं ने शिकायत दर्ज कराई थी। पकड़ा गया फर्जी अधिकारी राजेन्द्र पटेल पुत्र ईश्वर प्रसाद, पेटराही थाना शाहगंज का रहने वाला है। पुलिस ने उसे सुसंगत धाराओं में जेल भेज दिया है। म्योरपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि दुद्धी तहसील के जामपानी और दुम्हान गांव की एक-एक महिला ने एक व्यक्ति द्वारा घर में टीबी से मृत परिजन की मौत पर आर्थिक सहायता के नाम पर रुपए ठग लिया। अब वह न पैसा वापस कर रहा है और जो प्रलोभन दिया था वो पैसा दिलवा रहा है। एक महिला ने दुद्धी थाने में और एक ने म्योरपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए व्यक्ति को पकड़ा गया है।पुलिस ने बताया कि राजेंद्र पटेल पुत्र ईश्वर को पकड़ने के लिए पीड़ित से बाकी के रुपए देने के लिए बुलाया गया। जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। मामले में नामजद आरोपी राजेन्द्र पटेल पुत्र ईश्वर प्रसाद निवासी पेटराही थाना शाहगंज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

डुमरियागंज के सांसद व भाजपा प्रत्याशी जगदंबिका पाल के लिए सीएम ने की जनसभा

योगी बोले... आतंकियों के आका और माफिया के सरपरस्त को सत्ता पर काबिज न होने देना है

- राम के बिना हमारा कोई काम नहीं, जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं: योगी
- जिस माफिया को गोरखपुर व संतकबीर नगर की जनता ने भगाया, उसे सिद्धार्थनगर नहीं पनपने देगा: सीएम

केटी न्यूज/सिद्धार्थनगर

सपा व कांग्रेस पर हमलावर सीएम योगी ने कहा कि यह लोग आतंकियों के आका और माफिया के सरपरस्त हैं। हर अपराधी व माफिया 2017 के पहले जनता का खून चूसता था, वसूली करता था, बेटी की सुरक्षा पर खतरा था। आज माफिया को उल्टा टांगने और राम नाम सत्य की यात्रा निकलने पर सपा को पीड़ा होती है। हमें माफिया के सहयोगी-सरपस्त, आतंकियों के आकाओं को सत्ता पर काबिज नहीं होने देना है। सपा व कांग्रेस के गठबंधन के कारण अनर्थ होता है। जब केंद्र में कांग्रेस व प्रदेश में सपा सरकार थी तो अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि, काशी में संकट मोचन, अयोध्या, लखनऊ व वाराणसी की कचहरियों पर आतंकी हमला हुआ था। सीएम बनते ही अखिलेश यादव ने आतंकियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने का कार्य किया था। तब न्यायालय ने कहा था कि आतंकी छूटेंगे नहीं, सरकार को शर्म आनी चाहिए।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में डुमरियागंज से सांसद व लोकसभा प्रत्याशी जगदंबिका पाल के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया।

सपा और माफिया का चोली-दामन का संबंध

सीएम ने कहा कि जनता जानती है कि सपा और माफिया का चोली-दामन का संबंध है। दोनों को अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। प्रदेश का हर माफिया सपा से संबंध रखता है। सपा की संवेदना समाज के बेटी-व्यापारी की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि माफिया के साथ है। माफिया के प्रति इनकी संवेदना को देखते हुए जनता ने इन्हें 2014, 2017, 2019, 2022 में इन्हें खारिज कर दिया। अबकी बार-400 पार के नारे को सुनकर सपा चारों खाने चित हो रही है। सपा कुल 63 सीट पर चुनाव लड़ रही। इन सभी सीटों पर इनकी जमानत जब्त हो रही है, इसलिए दो लड़कों (सपा व कांग्रेस) का इंडी गठबंधन षडयंत्र व गुमराह कर झूठ-अफवाह फैला रहा है।

जिसे गोरखपुर व संतकबीर नगर की जनता ने भगाया, उसे सिद्धार्थनगर पनपने नहीं देगा

सीएम ने कहा कि जिस माफिया को गोरखपुर, संतकबीर नगर की जनता ने लात मारकर भगाया है, उसे महात्मा बुद्ध की धरती सिद्धार्थनगर में नहीं पनपने देगी। यह माफिया पनपेंगे तो गरीबों की संपत्ति पर कब्जा करेंगे। डुमरियागंज व कपिलवस्तु में मैं आंदोलन करता था, तब आपको न्याय मिलता था। फिर ऐसी नौबत न आने दें। यह माफिया केवल स्वार्थ के हैं। यह किसी की जमीन कब्जा कर बंदूक की नोक पर लिखवाने का कार्य करेंगे। यद्यपि इन माफिया का हम जीना हराम कर देंगे, लेकिन फिर भी यह माफिया आएंगे तो गुंडागर्दी का प्रयास करेंगे। रंगदारी वसूली करेंगे। वोट और फैसला दोनों आपका है।

जो राम का नहीं, हमारे किसी काम का नहीं

सीएम योगी ने कहा कि अवसर मिला तो हमने अयोध्या में रामलला को विराजमान कर दिया। सपा वाले रामभक्तों पर गोली चलाते थे। सपा महासचिव का बयान आया कि राम मंदिर बेकार बना है। राम जगत नियंता और परमपिता परमेश्वर हैं। राम के बिना हमारा कोई काम नहीं, जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं। सीएम ने सपा-कांग्रेस के घोषणा पत्र पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से घुसपैठियों के रूप में आए मुसलमानों को आपकी संपत्ति देंगे, लेकिन हम लोग विरासत टैक्स हिंदुस्तान में नहीं लगने देंगे।

माफिया की तरह इंसेफेलाइटिस का भी हो गया खात्मा

सीएम ने कहा कि पहले सड़कें खराब होने से गोरखपुर से सिद्धार्थनगर होते हुए बलरामपुर जाने में छह से आठ घंटे लगते थे। लखनऊ, गोरखपुर, नेपाल, बस्ती, बलरामपुर समेत हर तरफ की सड़कें खराब थीं पर अब सड़कें भी बन गई हैं और बाढ़ बचाव के बेहतर उपाय भी हो रहे हैं। 2017 के पहले यहां का मासूम इंसेफेलाइटिस से दम तोड़ता था, लेकिन माफिया की तरह हमने इस बीमारी का भी खात्मा कर दिया है।

पाकिस्तान ने दुस्साहस किया तो उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा

सीएम ने कहा कि हिंदुस्तान में रहकर पाकिस्तान का राग अलापने वाले यहां बोझ न बनें, वे पाकिस्तान ही चले जाएं। जैसे कोई रोटी का टुकड़ा फेंक दे तो गली के जीव लड़ते हैं, वैसे ही पाकिस्तान में एक किलो गेहूं-आटा के लिए तोड़फोड़, आगजनी हो रही है। सपा व कांग्रेस के लोग कहते है कि पाकिस्तान के बारे में मत बोलो, उसके पास एटम बम है। हमने कहा कि एटम बम मेरे पास भी है। अगर पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ दुस्साहस किया तो उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

सीएम ने कहा कि इस आयु में भी जगदंबिका पाल जुझारूपन से कार्य करते हैं। दस बजे से संसद सत्र में भाग लेते हैं, फिर चार बजे चलकर डुमरियागंज पहुंचते हैं। यह संसद सत्र के दौरान भी एक हजार किमी. चलते हैं। इन्होंने न दिन देखा न रात देखा, सर्दी देखी न गर्मी, बरसात देखा न बाढ़। यह लगातार आपकी सेवा में समर्पित रहा। उन्हें फिर से मौका देना है। जनसभा में योगी सरकार की मंत्री कन्हैया पासवान, लोकसभा संयोजक रामकुमार कुंवर आदि मौजूद रहे।

कभी बैलगाड़ी से नामांकन तो कभी हेलीकॉप्टर से रैली

- लोकसभा प्रत्यासी अशोक सिंह का है अलग ही अंदाज

केटी न्यूज/जौनपुर

मतदान की तारीखों के नजदीक आते नही जनपद में राजनीतिक पारा भी चढ़ता जा रहा है।जिले में तमाम बड़ी पार्टियों के बीच एक नाम काफी चर्चा में है।वो है समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जौनपुर लोकसभा से प्रत्यासी अशोक सिंह का।जिन्होंने पर्चा दाखिला से लेकर अब वोटरों को लुभाने के लिए अलग अलग तरीके अपनाए है।जहां बड़े बड़े नेता महंगी गाड़ियों का लाव लश्कर लेकर पहुंचे थे तो वही अशोक सिंह तब चर्चा में आए जब वह नामांकन करने ले लिए बैलगाड़ी से पहुंचे। आज कल अशोक सिंह का चुनावी प्रचार भी चर्चा में है।बड़े बड़े नेताओं का हेलीकॉप्टर से आकर जनपद के प्रचार करना कोई नई बात नही है ।लेकिन अशोक सिंह ने भी अपना प्रचार हेलीकॉप्टर रैली के जरिये किया।ऐसा नही है कि उनके रैली या जनसभा में भीड़ की कोई कमी हो।

जब अशोक सिंह ने जनसभा में गाना गाकर वोटरों को लुभाया

अशोक सिंह ने अपनी हेलीकॉप्टर रैली में जनसभा को संबोधित किया।हेलीकॉप्टर के उड़ान का सिग्नल देरी से मिलने पर उन्होंने अपने ही अंदाज में वोटरों को रिझाने के लिए बेरिया रेली धुन पर गाना गाकर सुनाया।जनसभा में आये लोग भी 45 डिग्री सेल्सियस में भी उनको सुनने के लिए बैठे रहे।

जिले में स्टार प्रचारकों का होगा रोड शो

गाजीपुर में यादव मतदाताओं को रिझाने की कोशिश

- विकास और अपराध को परिभाषित कर गए सीएम डा. मोहन यादव
- यदुवंशियों की मौत पर नहीं, बल्कि उनकी हत्या करने वालों की कब्र पर फूल चढ़ाते हैं सपा मुखिया

अखिलानंद तिवारी/गाजीपुर

गाजीपुर -75 लोकसभा क्षेत्र के जंगीपुर विधानसभा में जनसभा को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूर्व सीएम अखिलेश यादव यदुवंशियों की मौत पर नहीं, बल्कि उनकी हत्या करने वालों की कब्र पर फूल चढ़ाने का काम करते हैं। गाजीपुर में कोई फैक्ट्री नहीं है, जब इसका कारण पूछा तो पता चला कि यहां हथियार और आतंक की फैक्ट्री है। यहां कभी साइकिल बम एवं टिफिन बम फूटा करता था। ऐसे लोगों से जिले की जनता को सजग रहना चाहिए।

उन्होंने लहुरी काशी (गाजीपुर) में किस आतंक की फैक्ट्री की ओर इशारा किया ? किससे यदुवंशियों को सजग कर गए मध्य प्रदेश के सीएम। उन्होंने आम मतदाता को सोच समझकर अपने मताधिकार का सही प्रयोग करने की बात कही। पिछड़ी जाति को सजग करते हुए अन्य मतदाताओं को भी विचार करने के बाद ही मतदान करने को कहा।

कहा कि भारतीय जनता पार्टी जहां पूरे प्रदेश में विकास को आगे बढ़ा रही है, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं। अब फैसला जनता को करना है कि यहां की लोकसभा सीट से जीत दिलाकर किसको संसद में भेजा जाए ? मध्य प्रदेश के सीएम नेम विकास एवं अपराध को मंच से परिभाषित किया और जनता के दिलों दिमाग में अपनी बात पहुंचने की कोशिश की।

देखा जाए तो लोकसभा चुनाव-2024 जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे चुनावी मैदान सियासी जंग का मैदान बन गया है। उत्तर प्रदेश के चर्चित गाजीपुर-75 की बात करें तो भाजपा उम्मीदवार एवं पार्टी पदाधिकारी की मांग पर स्टार प्रचारकों एवं शीर्ष नेतृत्व की सूची तैयार कर ली गई है। सबसे महत्वपूर्ण गाजीपुर जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन माना जा रहा है। इनके अलावा अन्य दिग्गज नेताओं की भी जनसभा आयोजित होगी। कई स्टार प्रचारकों का रोड शो भी होगा।

देखा जाए तो समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार एवं बसपा के वर्तमान सांसद अफजाल अंसारी के पक्ष में सपा मुखिया सहित विपक्ष के कद्दावर नेता अपनी पूरी ताकत लगाए हुए हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार पारसनाथ राय के समर्थन में सत्ता के स्टार प्रचारकों की लंबी लाइन लगी है। एक-एक कर पूरे पूर्वांचल में दिग्गजों की जनसभा शुरू हो गई है। गाजीपुर को लेकर सभी चिंतित नजर आ रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के उम्मीदवार रहे अफजाल अंसारी को जीत मिली थी। एक बार फिर आप जलन अंसारी चुनाव मैदान में हैं और भाजपा नेताओं को हार का डर सता रहा है। देखना है इस बार के चुनाव में जनपद के मतदाता किसके पक्ष में अपना फैसला सुनाते हैं।

सुभाषितम्

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए
– रामायण

हाईकोर्ट ने मांगा चुनाव आयोग से जवाब

- सनत जैन

कोलकाता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सब्यसाची भट्टाचार्य ने टीएमसी की याचिका पर चुनाव आयोग को कड़ी लताड लगाई है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा, चुनाव आयोग पूरी तरह से संवैधानिक जिम्मेदारी को पूरा करने में असफल साबित हुआ है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा,मे आश्चर्य चकित हूं, कि चुनाव आयोग को, जो कार्यवाही स्वयं संज्ञान लेते हुए करना चाहिए थी। टीएमसी द्वारा शिकायत किए जाने पर भी चुनाव आयोग द्वारा कार्यवाही नहीं की गई है। कोलकाता हाईकोर्ट ने आदर्श चुनाव संहिता का जिस तरह का उल्लंघन किया जा रहा है।उस पर चुनाव आयोग द्वारा चुप्पी साध रखी है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए भारतीय जनता पार्टी द्वारा चुनाव प्रचार एवं जो विज्ञापन जारी किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने उस पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की। चुनाव आयोग द्वारा समय रहते कार्रवाई नहीं करने से चुनाव की निष्पक्षता एवं मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। चुनाव प्रचार मे हर स्तर पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन राजनीतिक दलों द्वारा किया जा रहा है। उस पर चुनाव आयोग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं करने पर कड़ी फटकार लगाई। चुनाव आयोग द्वारा जब कोई कार्रवाई नहीं की गई तब जाकर, टीएमसी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर हाईकोर्ट से कार्रवाई की मांग की है। कोलकाता हाईकोर्ट ने इस मामले मे चुनाव आयोग और भाजपा को नोटिस जारी किया है। अगले आदेश तक के लिए आपत्तिजनक विज्ञापनों पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी से जवाब आने के बाद अगली सुनवाई होगी। कोलकाता हाईकोर्ट के इस निर्णय का असर चुनाव आयोग पर राष्ट्रीय स्तर पर बाध्यकारी है। वर्तमान में जो चुनाव आयुक्त हैं। वह बहुत सारी गलतियां और पक्षपात कर रहा है। यह सारी जानकारी न्यायपालिका के संज्ञान में आ चुकी है। चुनाव आयोग सरकार के नियंत्रण में काम करता हुआ दिख रहा है। निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदाता मतदान कर पाए। इसकी स्थितियां,चुनाव आयोग के कारण निर्मित नहीं हो पा रही हैं। जिसके कारण राजनीतिक दलों को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाना पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी चुनाव आयोग से संबंधित मामलों की सुनवाई होने जा रही है। 2014 में जिस तरह से मतदान का डेटा चुनाव आयोग पोर्टल पर उपलब्ध कराता था। 2019 में उसमें थोड़ी कटौती हुई। 2024 में जिस तरह से मतदान का आंकड़ा चुनाव आयोग द्वारा पोर्टल पर पेश किया गया है। उसको लेकर यचिकायें सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। आदर्श आचार संहिता के मामले में चुनाव आयोग कोताही बरत रहा है। चुनाव आयोग की परंपरा रही है, कि हर चरण के मतदान के बाद चुनाव आयोग प्रेस को सारी जानकारी उपलब्ध कराता था। चुनाव आयोग ने अब इसे भी बंद कर दिया है। इन सब मामलों की सुप्रीम कोर्ट में 24 मई से सुनवाई होने जा रही है। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति सरकार द्वारा की गई है। नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिया था। उसे सरकार ने नहीं माना। सरकार ने एक नया कानून बना दिया। वर्तमान तीनों चुनाव आयुक्त सरकार द्वारा अपनी मनमर्जी से नियुक्त किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है। इसकी शिकायत विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से की है। इसके बाद भी चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री को कोई नोटिस जारी नहीं किया। पांचवें चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। केवल दो चरण का मतदान बाकी है। सुप्रीम कोर्ट की नजर मे यदि चुनाव आयोग, निष्पक्षता के साथ काम नहीं कर रहा है। किसी पार्टी विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रहा है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयुक्त के ऊपर आपराधिक मुकदमा तक चलाने की बात होने लगी है। यदि चुनाव आयोग अपने अधिकारों और कर्तव्यों का सही तरीके से पालन नहीं कर अपराध कर रहा है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के ऊपर संवैधानिक जिम्मेदारी है। सर्वोच्च न्यायपालिका जनता को जो संवैधानिक अधिकार मिले हैं, उसकी रक्षा सुप्रीम कोर्ट ही कर सकती है।

चिंतन-मनन

कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता। सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता। वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है। इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

आचार्य महाश्रमण : अभिनव आध्यात्मिक क्रांति के प्रेरक

- ललित गर्ग

भारत की भूमि पर अनेक महापुरुषों ने जन्म लेकर इस धरा का गौरव बढ़ाया, उसी आलोकधर्मी परंपरा का विस्तार है आचार्य महाश्रमण। महावीर, बुद्ध, गांधी, आचार्य भिक्षु, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ की इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने स्वयं को ऊपर उठाया, महनीय एवं कठोर साधना की, अनुभव प्राप्त किया और अपने अनुभव वैभव के आधार पर दुनिया को शांति, अहिंसा, प्रेम, सौहार्द, अयुद्ध एवं वसुधैव कुटुम्बकम् का सन्देश दिया। अतीत की धुंधली होती आध्यात्मिक परंपरा को आचार्य महाश्रमण एक नई दृष्टि प्रदान की हैं। यह नई दृष्टि एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात कही जा सकती है। विशेषतः उनकी विनम्रता और समर्पणभाव उनकी आध्यात्मिकता को ऊंचाई प्रदत्त रह रहे हैं। भगवान राम के प्रति हनुमान की जैसी भक्ति और समर्पण रहा है, वैसा ही समर्पण आचार्य महाश्रमण का अपने गुरु आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ के प्रति रहा है। 22 मई 2024 यानी वैशाख शुक्ला चौदस को आचार्य श्री महाश्रमण की दीक्षा का स्वर्ण जयन्ती समारोह राष्ट्रव्यापी स्तर पर मनाया जा रहा है। आचार्य महाश्रमण निरुपाधिक व्यक्तित्व का परिचायक बन गया और इस वैशिष्ट्य का राज है उनका प्रबल पुरुषार्थ, उनका समर्पण, अटल संकल्प, अखंड विश्वास और ध्येय निष्ठा। एमर्सन ने सटीक कहा है कि जब प्रकृति को कोई महान कार्य सम्पन्न कराना होता है तो वह उसको करने के लिये एक प्रतिभा का निर्माण करती है। निश्चित ही आचार्य महाश्रमण भी किसी महा-कार्य की निष्पत्ति के लिये ही बने हैं। ऐसे ही अनेकानेक महा-कार्यों उनके जीवन से जुड़े हैं, उनमें एक विशिष्ट उपक्रम बना था अहिंसा यात्रा। आचार्य महाश्रमण ने अपनी आठ वर्षीय इस ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं विलक्षण यात्रा में उन्नीस राज्यों एवं भारत सहित तीन पड़ोसी देशों की करीब सत्तर हजार किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए अहिंसा और शांति का पैगाम फैलाया। करीब एक करोड़ लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया। नेपाल में भूकम्प, कोरोना की विषम परिस्थितियों में इस यात्रा का नक्सलवादी एवं माओवादी क्षेत्रों में पहुंचना आचार्य महाश्रमण के दृढ़ संकल्प, मजबूत मनोबल एवं आत्मबल का परिचायक बना था। आचार्य महाश्रमण का देश के सुदूर क्षेत्रों-नेपाल एवं भूटान जैसे पडौसी राष्ट्रों सहित आसाम, बंगाल, बिहार, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि में अहिंसा यात्रा करना और उसमें अहिंसा पर विशेष जोर दिया जाना अहिंसा की स्थापना के लिये सार्थक सिद्ध हुआ है। क्योंकि आज देश एवं दुनिया हिंसा एवं युद्ध के महाप्रलय से भयभीत और आतंकित है। जातीय उन्माद, सांप्रदायिक विद्वेष और जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं का अभाव- ऐसे कारण हैं जो हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं और इन्हीं कारणों को नियंत्रित करने के लिए आचार्य महाश्रमण अहिंसा यात्रा के विशिष्ट अभियान के माध्यम से प्रयत्नशील बने थे। भारत की माटी में पदयात्राओं का अनूठा इतिहास रहा है। असत्य पर सत्य की विजय हेतु मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा की हुई लंका की ऐतिहासिक यात्रा हो अथवा एक मुट्ठी भर नमक से पूरा ब्रिटिश साम्राज्य हिला देने वाला 1930 का डाण्डी कूच, बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा हो अथवा राष्ट्रीय अखण्डता, साम्प्रदायिक सद्भाव और अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व भाव से समर्पित एकता यात्रा, यात्रा के महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय जीवन में पैदल यात्रा को जन-सम्पर्क का सशक्त माध्यम स्वीकारा गया है। ये पैदल यात्राएं सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक यथार्थ से सीधा साक्षात्कार करती हैं। लोक चेतना को उद्बुद्ध कर उसे युगानुकूल मोड़ देती हैं। भगवान् महावीर ने अपने जीवनकाल में अनेक प्रदेशों में विहार कर वहां के जनमानस में अध्यात्म के बीज बोये थे। लेकिन इन यात्राओं की श्रृंखला में आचार्य श्री महाश्रमण ने नये स्तस्तिक उकेरे हैं। समस्त पूवार्चार्यों से एक विशेष कालखंड में सर्वाधिक लम्बी पदयात्रा करने के फलस्वरूप आचार्य श्री महाश्रमण को "पांव-पांव चलने वाला सूरज" संज्ञा से अभिहित किया जाने लगा है।आचार्य महाश्रमण का बारह वर्ष के मुनि के रूप में लाडनूं में मेरा प्रथम साक्षात्कार मेरे बचपन की एक विलक्षण और यादगार घटना रही है। लेकिन उसके साढे. चार दशक बाद उनके गहन विचारों से मेरा परिचय और भी विलक्षण घटना है क्योंकि उनके विचारों से मेरी मन-वीणा के तार झंकृत हुए। जीवन के छोटे-छोटे मसलों पर जब वे अपनी पारदर्शी नजर की रोशनी डालते हैं तो यूं लगता है जैसे कुहासे से भरी हुई राह पर सूरज की किरणें फैल गई। मन की बदलियां दूर हो जाती हैं और निरभ्र आकाश उदित हो गया है। आचार्य महाश्रमण का मानना है कि जिस राष्ट्र ने अपनी संस्कृति को भुला दिया, वह राष्ट्र वास्तव में एक जीवित और जागृत राष्ट्र नहीं हो सकता। उनकी दृष्टि में भारतीय संस्कृति का अर्थ है- ऊंची संस्कृति, त्याग की संस्कृति, संयम की संस्कृति और अध्यात्म की संस्कृति है। वे भारतीय संस्कृति की गरिमा से अभिभूत हैं, अतः देशवासियों को अनेक बार भारत के विराट् सांस्कृतिक मूल्यों को अवगति देते रहते हैं। बड़ी अपेक्षा यह है कि भारत अपना मूल्यांकन करना सीखे और खोई प्रतिष्ठा को पुनः अर्जित करे। इसी व्यापक एवं गहन चिंतन के आधार पर उनका विश्वास है कि सही अर्थ में अगर कोई संसार का प्रतिनिधित्व कर सकता है तो भारत ही कर सकता है, क्योंकि भारत की आत्मा में आज भी अहिंसा की प्राणप्रतिष्ठा है। मैं मानता हूं कि यदि भारत आध्यात्मिकता को विस्मृत कर देगा तो अपनी मौत मरेगा। आचार्य श्री महाश्रमण का चिंतन है कि भारतीय संस्कृति सबसे प्राचीन ही नहीं, समृद्ध और जीवंत भी है, अतः किसी भी राष्ट्रीय समस्या का हल हमें अपने सांस्कृतिक तत्वों के द्वारा ही करना चाहिए, अन्यथा मानसिक दासता हमें अपनी संस्कृति के प्रति उतनी गौरवशील नहीं रहने देगी। भारत में सांस्कृतिक एकता बनी रही, इसका कारण बताते हुए राष्ट्रकवि दिनकर ने कहा- "बाहर से आने वाली अन्य संस्कृतियों को भी भारतीय संस्कृति ने अपनी समन्वय शक्ति के बल पर आत्मसात कर लिया, इसलिए उसका प्रवाह बना रहा।" उसी भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में आचार्य श्री महाश्रमण के वार्तमानिक अनुभव प्रेरणादायी, सटीक एवं मार्मिक बन पड़े हैं। भारत कर्मभूमि है, भोगभूमि नहीं। यहां जो सभ्यता विकसित हुई, वह दुनिया में किसी से पराजित नहीं होगी। यदि हमने पश्चिमी सभ्यता की नकल करने की कोशिश की तो हम बरबाद हो जायेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि उसमें जो अच्छा है और जिसे हम हजम कर सकते हैं, उसे अंगीकार न करें। अचेतन के संबंध में समझने के लिए मैंने आचार्य महाश्रमण को पढ़ना शुरू किया। आचार्य महाश्रमण जिस प्रकार से अचेतन और उसके प्रतिबिम्बों के संबंध में समझाते हैं, बाते गहरे बैठ जाती है। स्वल्प आचार्य शासना में आचार्य महाश्रमण ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। कृष्ण, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ ही साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, कबीर, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा से ऐसे जीवन मूल्यों को चुन-चुनकर युग की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य उन्होंने किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके प्रवचनों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। योग, तंत्र, मंत्र, यंत्र, साधना, ध्यान आदि के गूढ़ रहस्यों पर उन्होंने सविस्तार प्रकाश डाला है। साथ ही राजनीति, कला, विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, शिक्षा, परिवार, समाज, गरीबी, जनसंख्या विस्फोट, पर्यावरण, हिंसा, जातीयता, भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण, भ्रूणहत्या और महंगाई के विश्व संकट जैसे अनेक विषयों पर भी अपनी क्रांतिकारी जीवन-दृष्टि प्रदत्त की है। जब उनकी उत्तराध्ययन और श्रीमद् भगवद गीता पर आधारित प्रवचन श्रृंखला सामने आई, उसने आध्यात्मिक जगत में एक अभिनव क्रांति का सूत्रपात किया है। एक जैनाचार्य द्वारा उत्तराध्ययन की भांति सनातन परम्परा के श्रद्धास्पद ग्रंथ गीता की भी अधिकार के साथ सटीक व्याख्या करना न केवल आश्चर्यजनक है बल्कि प्रेरक भी है। इसीलिये तो आचार्य महाश्रमण मानवता के मसीहा के रूप में जन-जन के बीच लोकप्रिय एवं आदरास्पद है। वे एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं बनता। आपके कार्यक्रम, विचार एवं प्रवचन सर्वजनहिताय होते हैं। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय की जनता आपके जीवन-दर्शन एवं व्यक्तित्व से लाभान्वित होती रही है।

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

- योगेश कुमार गोयल

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक "प्रदूषण मुक्त सांसें" में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। "प्रदूषण मुक्त सांसें" पुस्तक में चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

आधुनिक भारत के जनक: राजाराम मोहन राय

- संजय गोस्वामी

राजाराम मोहनराय का स्थान आधुनिक भारत के इतिहास में उस महान सेतु के समान है, जिस पर चढ़कर भारत अपने असीम अतीत से निकलकर अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर होता है। राम मोहन राय वस्तुतः भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत और जनक थे। समसामयिक भारतीय समाज की जड़ता और भ्रष्टाचार से उन्हें बड़ी तकलीफ हुई। जनता और देश के प्रति गहरे प्रेम से ओतप्रोत हो कर उन्होंने सामाजिक, धार्मिक और बौद्धिक एवं राजनैतिक पुनरूत्थान के लिए कठिन परिश्रम किया। उनके हृदय में प्राच्य दार्शनिक विचारधाराओं के लिए असीम और अगाध आस्था थी। वे आधुनिक विज्ञान तथा विवेकशीलता और मानवतावाद के सिद्धांतों से प्रभावित थे। उनका दृढ़ मत था कि सिर्फ प्राच्य एवं पाश्चात्य संस्कृति के समन्वय से ही भारतीय समाज का पुनरूद्धार हो सकता है। यद्यपि उन्होंने अपने दार्शनिक विचारों के समर्थन में प्राचीन धर्मशास्त्र के विशेषज्ञों को उद्धृत किया, तथापित अन्ततोगत्वा उन्होंने मानवीय तर्कशक्ति का सहारा लिया, जो उनके विचार से किसी भी सिद्धांत की सच्चाई की अंतिम कसौटी है। उनकी धारणा थी कि वेदान्त दर्शन मानवीय तर्कशक्ति पर आधारित है। किसी भी स्थिति में मनुष्य को तब पवित्र ग्रंथों, शास्त्रों और विरासत में मिली परम्पराओं से हट जाने में हिचकिचाना नहीं चाहिए, जब मानवीय तर्क शक्ति का वैसा तकाजा है और वे परम्पराएं समाज के लिए हानिकारक सिद्ध हो रही हों। उन्होंने विचार रखा कि विवेक, बुद्धि का सहारा लेकर नए भारत के सर्वोच्चतम प्राच्य और पाश्चात्य विचारों को प्राप्त कर संजोए रखना चाहिए। उन्होंने चाहा कि भारत पश्चिमी देशों से सीखे, मगर सीखने की यह क्रिया बौद्धिक और सृजनात्मक प्रक्रिया हो, जिसके द्वारा भारतीय संस्कृति और चिंतन में जान डाल दी जाये। वे हिन्दू धर्म में सुधार के हिमायती और हिन्दू धर्म की जगह ईसाई धर्म को आत्मसात करने के विरोधी थे। उनका विश्वास था कि बुनियादी तौर पर सभी धर्म एक ही संदेश देते हैं कि उनके अनुयायी भाई-भाई हैं।इस तरह राममोहन राय ने भारतीयता और यूरोपीयता के सर्वोत्तम तत्वों का समावेश कर आधुनिक भारत के निर्माण का ठोस आधार तैयार किया और आधुनिक भारत के प्रथम महान नेता कहलाने के अधिकारी हुए। राममोहन राय का जन्म 22 मई 1772 ईस्वी में बंगाल के हुगली जिले के राधानगर गांव में हुआ था। उनके पिता रमाकान्त राय थे और माता का नाम कंलिताखी देवी था। उन्होंने अंग्रेजी, फ्रेंच, लैटिन, ग्रीक एवं हिब्रू भाषा का भी अध्ययन कियां 1805 ईस्वी में उन्होंने ईस्ट इंडिया कम्पनी की नौकरी कर ली। लेकिन उनका मन इस नौकरी में जमा नहीं। 1801 ईस्वी में उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक एकेश्वरवादियों को उपहार की रचना की, उन्होंने 1828 में कहा, मुझे यह कहते हुए दुख होता है कि हिन्दुओं की वर्तमान धर्म व्यवस्था ऐसी है कि जिससे उनके राजनीतिक हितों की पूर्ति नहीं हो सकती। उनके बीच असंख्य विभाजन और उपविभाजन को जन्म देने वाली जाति प्रथा ने उनको राजनीतिक भावना से पूरी तरह वंचित कर दिया है और अगणित धार्मिक संस्कारों तथा सिद्धिकरण के नियमों ने उनको कोई भी गठिन और साहसपूर्ण कार्य करने के लिए अयोग्य बना दिया है। मेरे विचार से यह आवश्यक है कि कम से कम उनके राजनीतिक और सामाजिक कल्याण के लिए उनके धर्म में कुछ परिवर्तन होने चाहिए। उन्होंने पुरोहितवाद की भर्त्सना की और कहा कि व्यक्तिगत विश्वासों और मान्यताओं तथा ईश्वर के बीच किसी प्रकार के पुरोहित की जरूरत नहीं थी। उन्होंने देखा कि कुछ गिने-चुने लोगों को छोड़कर किसी को भी धर्मशास्त्रों का किसी प्रकार का ज्ञान नहीं था। पुरोहितों ने जन साधारण को भुलावे में रखा था। यदि जन साधारण धर्म शास्त्रों का सही ज्ञान प्राप्त करते तो पुरोहितों का महत्व घटता। इसी उद्देश्य से अपने लोगों को शिक्षित करने के लिए उन्होंने "एकेश्वरवाद को उपहार" नामक पुस्तक की रचना की। ईस्ट इंडिया कम्पनी की नौकरी के दौरान वे जॉन डिग्बी के सानिध्य में आये और 1814 ईस्वी में उन्होंने ईस्ट इंडिया कम्पनी की नौकरी छोड़ दी। उसके पश्चात वे कलकत्ता में रहने लगे, जहां उनका सम्पर्क यंग बंगाल के कुछ सदस्यों से हुआ, जो पश्चिमी विचारों से प्रभावित थे। उन्होंने अपने विचारों को द्वारा उनको प्रभावित किया और 1815 में उन्हीं की सहायता से आत्मीय सभा की स्थापना की। राममोहन राय ने 2 अगस्त 1928 ईस्वी को ब्रह्म समाज की स्थापना की। ब्रह्म समाज एक ऐसी संस्था थी, जिसमें सबसे अधिक बल ईश्वर की उपासना पर था, लेकिन यह उपासना विश्वव्यापी ईश्वर की थी। धार्मिक अथवा आध्यात्मिक विचारों का मूल सिद्धांत था- एकेश्वरवाद, निराकार, निर्विकार और सर्वशक्तिमान ईश्वर की उपासना। वेदों और उपनिषदों के आधार पर उन्होंने निराकार ईश्वर के सिद्धांत को भी हिन्दू धर्म का मुख्य आधार बनाया। सामूहिक पूजा की व्यवस्था करके उन्होंने अवश्य मुसलमानों अथवा ईसाईयों का अपने आपको ऋणी घोषित किया। प्रत्येक शनिवार संध्या को इस सभा की बैठक होती थी। बैठक की शुरूआत वेद की ऋचाओं के संस्कृत पाठ से होता था। बाद में बंगाली में भी पाठ होता था। उनके द्वारा पुनर्जन्म के सिद्धांत का समर्थन न करना महत्वपूर्ण था, लेकिन उन्होंने ईसाईयों की प्रमुख कल्पना का भी समर्थन नहीं किया। उन्होंने ईश्वर के किसी पैगम्बर की बात को कभी स्वीकार नहीं किया और उन्होंने किसी नए धर्म अथवा किसी विशेष धार्मिक व्यवस्था की स्थापना की कोशिश नहीं कीं प्रगतिवादी और जन कल्याणकारी धर्म के सिद्धांतों से समाज में एक नई संजीवनी शक्ति का संचार करना उनका मुख्य उद्देश्य था। जिंदगी भर उन्हें अपने निडर धार्मिक दृष्टिकोण के लिए भारी क्षति चुकानी पड़ी। उन्होंने सती प्रथा के विरूद्ध आंदोलन शुरू किया। सती प्रथा मौलिक रूप से अत्यंत प्राचीन थी, लेकिन 19वीं सदी के आरंभ में यह प्रथा बंगाल में अधिक प्रचलित हो गई। उन्होंने व्यक्तिगत प्रयासों के द्वारा इस प्रथा को रोकने की कोशिश की। उन्होंने समान विचार वाले लोगों के समूह संगठित किए जो इन कुरूतियों पर कड़ी निगाह रखें और विधवाओं को सती होने से रोकने के लिए हरसंभव कोशिश कर सकें।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आज कोई भी काम बहुत सोचकर करें। आज पैसों के मामले में किसी पर भरोसा न करें।	तुला	अधिकारियों से हर मामले में मदद मिलेगी। आज आपके काम में उलटफेर हो सकते हैं।
वृषभ	आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आज आपके लिए सुख भोग में वृद्धि का दिन है।	वृश्चिक	आज भाग्य साथ दे रहा है और आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा।
मिथुन	आज लाभ होगा और आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं। सम्मान की प्राप्ति होगी।	धनु	आज का दिन मिलाजुला होगा और आज आप अपने पुराने कर्ज चुका सकते हैं।
कर्क	वृद्धि के योग बन रहे हैं और आज आपको काफी समय से रुके धन और संपत्ति की प्राप्ति होगी।	मकर	हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। किसी काम से पास और दूर की यात्रा पर जा सकते हैं।
सिंह	कार्य योजनाएं सफल होंगी। आपको ऑफिस में आज कुछ जरूरी काम सौंपे जा सकते हैं।	कुंभ	आज आपके लिए राजनीतिक क्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।
कन्या	समस्या को बढ़ाने वाला माना जा रहा है। आप लोगों के बीच में बिना विवाद के फंस सकते हैं।	मीन	आपकी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा।

विशेष

मुस्लिम प्रेम से कहीं हिंदू मतदाता भड़क तो नहीं रहा

तीसरे एवं चौथे चरण के लोकसभा चुनाव में, जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुसलमानों के प्रति अपने प्रेम को दशार्या है। उसको लेकर हिंदू मतदाता आश्चर्य चकित है। अभी तक धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर हिंदू मतदाताओं के दिलो दिमाग में यह बात थी, कि मुसलमानो से हिंदुओं की रक्षा केवल मोदी ही कर सकते हैं। हिंदुओं के हीरो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। अब मोदी खुद ही मुसलमानो की बात करने लगे हैं। इससे हिंदू मतदाता हतप्रभ है। इसका असर कहीं उत्तर प्रदेश और बिहार में हिंदू मतदाताओं में उल्टा पडता हुआ दिख रहा है। भाजपा को इसका नुकसान भी हो सकता है। इस बात की चर्चा मतदान के पहले होने लगी है।

समय-समय की बात है, समय बलवान है

2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नाम पर हर जगह भीड़ उमड़ती थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 दिन में तीन से चार रैली और जनसभाएं कर रहे हैं। इसके बाद भी भीड़ नहीं उमड़ रही है। पहले दूसरे, तीसरे चरण के चुनाव हुए। 2019 से 2014 की तुलना में कम मतदान हुआ। गुजरात जैसे राज्य में भाजपा के लिए चुनौतियां बढ़ गई। पहले मोदी के नाम का विश्वास था। वह विश्वास कहां चला गया। मोदी जी वही हैं, भाजपा भी वही है, बदला है, तो अब समय बदलता हुआ दिख रहा है। अब यह कहा जा रहा है, समय से अधिक बलवान कोई नहीं होता है।भाजपा को भी अब इसका एहसास होने लगा है।

कार्टून कोना

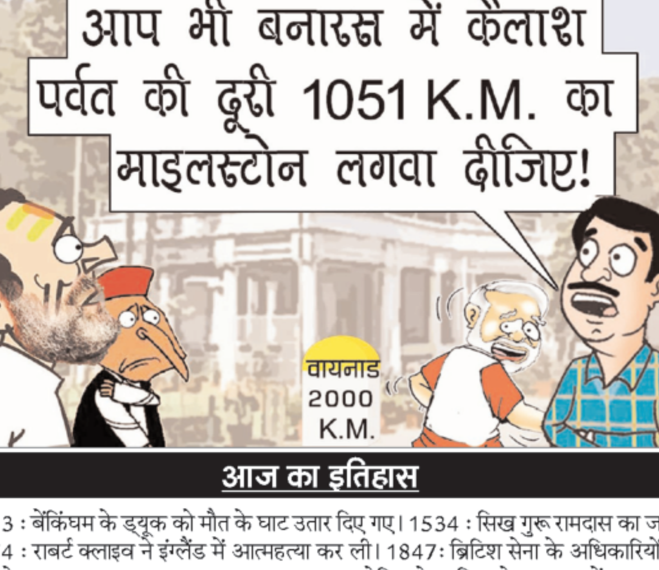

आज का इतिहास

1483 : बेंकिंघम के ड्यूक को मौत के घाट उतार दिए गए। 1534 : सिख गुरू रामदास का जन्म। 1774 : राबर्ट क्लाइव ने इंग्लैंड में आत्महत्या कर ली। 1847: ब्रिटिश सेना के अधिकारियों की हत्या के बाद दूसरा अफगान युद्ध शुरू हुआ। 1955 : डेविड बेन गुरियन ने इजरायल में सरकार का गठन किया। 1956 : हंगरी वारसा संधि से अलग हुआ। 1964 : सऊदी अरब में शाह फैजूल गद्दी पर बैठे। 1988 : श्रीलंका सरकार ने पूरे देश में रात्रिकालीन कर्फ्यू लागू किया था। 1990 : अयोध्या में हुई गोलीबारी में 8 मरे। 1994 : यूगोल्साव सेना ने क्रोएशिया पर नए सिरे से हमला किया। 1992 : बास्केटबॉल के जाने माने खिलाड़ी मैजिक जानसन ने अवकाश ग्रहण करने की दोबारा घोषणा की। 1994 : मिस्त्र में एक तेल टैंकर में हुए विस्फोट से चार सौ से अधिक लोग मारे गए। 2000 : डीटीएच टेलीविजन सेवा को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी ।

दैनिक पंचांग

22 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

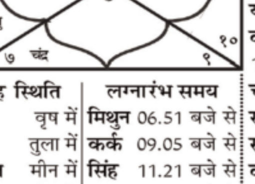

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.51 बजे से
चंद्र	तुला में	कर्क	09.05 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	11.21 बजे से
बुध	मेष में	कन्या	13.33 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	15.44 बजे से
शुक्र	वृष में	वृश्चिक	17.58 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	20.14 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.20 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	00.06 बजे से
राहुकाल		मीन	01.39 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	03.09 बजे से
बजे तक		वृष	04.49 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 143 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 18.48 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 07.47 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 12.37 बजे को समाप्त।
करण गर 06.19 बजे तदनन्तर वणिज 18.48 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871987
जूलियन दिन 2460452.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्काद **तारीख** 13
विशेष नरसिम्हा जयंती, छिन्नमस्ता जयंती, राजा राममोहन राय जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दक्षिण भारत - अपने ही जाल में फंसी कांग्रेस!

भाजपा को रोकने के लिए मंत्रियों पर दांव लगाने का था प्लान, अब वही बने सिरदर्द

खास बात यह है कि बीजेपी से लड़ने के लिए ताकत दिखा रही कांग्रेस की स्थिति हिंदी बेल्ट में काफी खराब है और पिछले साल कर्नाटक विधानसभा में मिली जीत के चलते पार्टी को ज्यादा ताकत मिली थी। कर्नाटक बीजेपी के लिए भी अहम है, क्योंकि राज्य की 28 लोकसभा सीटों में से पिछली बार बीजेपी ने 26 सीटें अपने नाम की थी। इस बार बीजेपी ने जेडीएस के साथ गठबंधन भी किया है।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर चुनाव आयोग ने शंखनाद कर दिया है। 19 अप्रैल से 7 अलग-अलग चरणों में वोटिंग होगी और 4 जून को यह तय हो जाएगा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे या कांग्रेस 2004 का करिश्मा दोहरा पाएगी। इसको लेकर कांग्रेस पार्टी ने कई स्तर पर समझौता किया है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव ज्यादा है वहां कांग्रेस ने इंडिया ग्रुप के तहत गठबंधन किया है और जहां सत्ता में है वहां अकेले रहकर बीजेपी (भाजपा) से टकराने की प्लानिंग कर रही है। खास बात यह है कि बीजेपी से लड़ने के लिए ताकत दिखा रही कांग्रेस की स्थिति हिंदी बेल्ट में काफी खराब है और पिछले साल कर्नाटक विधानसभा में मिली जीत के चलते पार्टी को ज्यादा ताकत मिली थी। कर्नाटक बीजेपी के लिए भी अहम है, क्योंकि राज्य की 28 लोकसभा सीटों में से पिछली बार बीजेपी ने 26 सीटें अपने नाम की थी। इस बार बीजेपी ने जेडीएस के साथ गठबंधन भी किया है। ऐसे में बीजेपी को कर्नाटक में रोकने के लिए कांग्रेस ने मास्टरप्लान तैयार किया है। यह प्लान बल्कि कांग्रेस ने पूरे दक्षिण भारत में ही अप्लाई किया है, जिससे उत्तर भारत में कांग्रेस को पछाड़ने वाली बीजेपी को रोका जा सके।

कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ बनाया है मास्टरप्लान

कांग्रेस पार्टी का प्लान है कि जिस बीजेपी को कर्नाटक से लोकसभा के लिए अहम मजबूती मिलती है, वहां सत्ता का संभावित फायदा उठाकर राज्य में बीजेपी को बड़ा नुकसान पहुंचाया जा सके। पार्टी कर्नाटक सरकार में काबिज अपने कई मंत्रियों और विधायकों को लोकसभा चुनाव में उतारने की तैयारी कर रही है।

ओपिनियन पोल्स ने बढ़ाई धुकधुकी

कर्नाटक लोकसभा चुनावों को लेकर कई ओपिनियन पोल्स किए गए थे, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि जेडीएस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली बीजेपी कर्नाटक में 20-25 सीटें हासिल करने में सफल हो सकती है, जबकि कांग्रेस को 3-8 सीटें मिल सकती हैं। ऐसे में ये अलग-अलग ओपिनयन पोल्स धुकधुकी बढ़ा रहे हैं क्योंकि कांग्रेस ने पिछले ही साल विधानसभा चुनाव के दौरान ही प्रचंड बहुमत हासिल किया था लेकिन ओपनियन पोल्स लोकसभा को लेकर बीजेपी को बढ़त दिखा रहे हैं। ऐसे में यह भी सवाल है कि ओपनियन पोल्स और भविष्य के सुरक्षित सियासी समीकरणों को लेकर कर्नाटक कांग्रेस के विधायक या मंत्री चुनाव लड़ने से परहेज कर रहे हैं। इसके चलते कांग्रेस के लिए चुनौती यह है कि दिग्गजों को उतारने के बेहतरीन प्लान्स के बावजूद प्रत्याशी चुनने को लेकर मुश्किलों का सामना कर रही है।

- **उत्तरप्रदेश :** उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां से 80 लोकसभा की सीटें निकलती हैं। एक तरफ इंडिया गठबंधन खड़ा है तो दूसरी तरफ बसपा अकेले ही चुनावी मैदान में उतरी है। ऐसे में जाटव और मुस्लिम वोटों में बंटवारा होता दिख रहा है। अब इसका कितना फायदा बीजेपी को मिल सकता है, अभी इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। सपा हमेशा की तरह से अपने पीडीए फॉर्मूले पर आगे बढ़ रही है। उसे पिछड़ों का वोट चाहिए, दलित साथ आने चाहिएं और मुस्लिमों को तो वो अपना कोर वोटर मान ही रही है। लेकिन यहां पिछड़े और दलितों वोटबैंक में ही बीजेपी की सीधी सेंधमारी है। इसके ऊपर जयंत चौधरी के साथ आ जाने से पश्चिमी यूपी में भी बीजेपी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।
- **मध्यप्रदेश :** मध्य प्रदेश चलें तो वहां तो मुकाबला वैसे तो कांग्रेस बनाम बीजेपी का है, लेकिन क्योंकि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के साथ ही चल रही है, ऐसे में एकजुट विपक्ष बनाम एनडीए का मुकाबला कहना ज्यादा सही रहेगा। एमपी में इस समय दोनों बीजेपी और कांग्रेस के सामने कुछ चुनौतियां हैं। एक तरफ बीजेपी ने शिवराज सिंह चौहान की वजह से मोहन यादव को सीएम बना रखा है तो कांग्रेस ने भी कमलनाथ की जगह जीतू पटवारी को राज्य की कमान सौंप दी है। ऐसे में दो नए और युवा चेहरे अब एमपी की आने वाली सियासत को तय करने वाले हैं।
- **उत्तराखंड :** उत्तराखंड चला जाए तो देवभूमि में इस समय बीजेपी का पला कुछ भारी दिखाई देता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के लागू होने के बाद से पार्टी को यहां पर महिलाओं के एकमुश्त वोट मिलने की उम्मीद है। इसके ऊपर ऑल वेदर चार धाम सड़क भी उसके पक्ष में माहौल बनाती दिख रही है। बीजेपी दावा कर रही है कि यहां पर वो एक बार फिर पांचों लोकसभा सीटें जीतने वाली है। इंडिया गठबंधन की अभी तक कोई खास रणनीति उत्तराखंड में दिखाई नहीं दे रही है।
- **गुजरात :** पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात में तो जनता का माहौल एकमुश्त बीजेपी के पक्ष में जाता दिख रहा है। वैसे भी विधानसभा चुनाव में जिस आंधी पर सवार बीजेपी दिखी थी, उसे देखते हुए लोकसभा चुनाव में भी ज्यादा चुनौतियां सामने आती नहीं दिख रही। यहां पर कांग्रेस ही मुख्य विपक्षी पार्टी है और आम आदमी पार्टी अभी भी सिर्फ एक विकल्प बनने की कोशिश कर रही है। लेकिन ज्यादात सीटों पर बीजेपी की स्पष्ट बढ़त दिखाई पड़ रही है। बीजेपी का वोट शेयर वैसे भी पिछले लोकसभा चुनाव में 60 फीसदी से भी ज्यादा चला गया था। इस बार पार्टी का टारगेट हर सीट पांच लांख के अंतर से जीतना है।
- **राजस्थान :** राजस्थान की बात करें तो वहां से लोकसभा की 25 सीटें निकलती हैं। लेकिन जब से विधानसभा चुनाव में बीजेपी के तीन सांसदों को हार का सामना करना पड़ा है, पार्टी के लिए इस बार राह उतनी भी आसान नहीं रहने वाली है। तमाम ओपियनिय पोल भी बता रहे हैं कि तीन से पांच सीटों पर इंडिया गठबंधन को इस बार बढ़त मिल सकती है। इसके ऊपर जिस तरह से भजनलाल सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि वो केंद्र से चल रही है, उस नेरेटिव से पार पाना भी एक चुनौती है।
- **दिल्ली :** राजधानी दिल्ली में भी कागज पर तो इंडिया गठबंधन इस बार ज्यादा बड़ी चुनौती पेश कर सकता है।
कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के साथ आने से वोटों का बिखराव कम होगा और उसका सीधा नुकसान बीजेपी को हो सकता है। लेकिन बीजेपी को भरोसा है कि पीएम मोदी के चेहरे के सहारे वो ऐसे सभी समीकरणों को विफल कर देगी। इसके ऊपर उसे 60 फीसदी से ज्यादा वोटशेयर की उम्मीद है। इसके ऊपर 7 में से 6 सीटों पर क्योंकि बीजेपी ने अपने उम्मीववार ही बदल दिए हैं, ऐसे में एंटी इनकमबेंसी को भी काबू में करने की एक कवायद दिख रही है।

बिहार-बंगाल में कैसा खेल?

अब अगर बिहार का रुख किया जाए तो वहां पर नीतीश कुमार की वजह से जमीन पर स्थिति काफी हद तक बदली है। यहां पर पहले इंडिया गठबंधन ज्यादा मजबूत बताया जा रहा था, लेकिन जब नीतीश के एनडीए के साथ आने से फिर कुर्मी, कुशवाहा और अति पिछड़ा वोट एनडीए के साथ जा सकता है। दूसरी तरफ महागठबंधन मुस्लिम और यादव वोटों पर ज्यादा निर्भर है। यहां की 40 सीटों पर लड़ाई तो दिलचस्प रहने वाली है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि जब दो बड़े दल बिहार में साथ मिलते हैं, नतीजे भी उनके पक्ष में रहते हैं। पश्चिम बंगाल की बात करें तो यहां पर इंडिया गठबंधन में बिखराव हुआ है। पहले माना जा रहा था कि कांग्रेस भी टीएमसी के साथ आएगी, लेकिन ममता ने सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए। ऐसे में एक बार फिर मुकाबला मुख्य रूप से टीएमसी बनाम बीजेपी का रहने वाला है, इसके ऊपर लेफ्ट भी कांग्रेस के साथ जाएगी, इस पर सस्पेंस है। ऐसे में वोटों का बिखराव एक बड़ा फैक्टर बन सकता है। इसके ऊपर सीएए लागू होने से मतुआ समुदाय भी बीजेपी के पक्ष में माहौल बना सकता है। ऐसे में काटे की टक्कर यहां देखने को मिलेगी।

दक्षिण भारत में इंडिया काफी आगे

अब उत्तर भारत में बीजेपी की राह जितनी आसान दिख रही है, दक्षिण भारत में उतनी ज्यादा ही चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। बात चाहे केरल की हो, तमिलनाडु की हो, तेलंगाना की हो या फिर आंध्र प्रदेश की, बीजेपी कहीं पर भी अपने दम पर मजबूत दिखाई नहीं दे रही है। उसकी कोशिश जरूर है कि इस बार केरल में खाता खोला जाए और तमिलनाडु में भी कुछ सीटों पर अच्छा प्रदर्शन हो, लेकिन जमीन पर ज्यादा समीकरण बदलते दिख नहीं रहे हैं। तमाम सर्वे भी इसी ओर इशारा कर रहे हैं। बीजेपी के लिए एक उम्मीद की किरण इस बार आंध्र प्रदेश से निकल रही है जहां पर उसने चंद्रबाबू नायडू की पार्टी के साथ गठबंधन कर लिया है। इसके अलावा कर्नाटक में जेडीएस से हाथ मिलाकर वो सभी सीटों पर मजबूत दावेदारी पेश कर रही है। लेकिन तमिलनाडु में इंडिया की तरफ से डीएमके, केरल में अपने दम पर यूडीएफ और तेलंगाना में कांग्रेस काफी मजबूत दिखाई दे रही है। ऐसे में यहां से ज्यादा से ज्यादा सीटें इंडिया गठबंधन अपनी झोली में कर सकती है।

किन राज्यों में सीधी टक्कर, कौन कहां मजबूत

कागज पर बने गठबंधन और असल में उससे बनने वाले जमीन पर समीकरण कुछ अलग होते हैं। ऐसें में एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन की इस सियासी लड़ाई सामने दिख रही है। लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी शंखनाद हो चुका है। इस बार एक तरफ बीजेपी खड़ी है तो वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन टक्कर देने का काम कर रहा है। इस बार पीएम मोदी को टक्कर देने के लिए विपक्ष कुनबा ज्यादातर राज्यों में एकजुट हो चुका है। ऐसे में विपक्ष का दावा है कि इस बार वोटों का बिखराव कम रहने वाला है और उसी का सीधा फायदा उसे मिल सकता है। लेकिन कागज पर बने गठबंधन और असल में उससे बनने वाले जमीन पर समीकरण कुछ अलग होते हैं। ऐसें में एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन की इस सियासी लड़ाई का एक विश्लेषण किया जाना चाहिए।

उत्तर भारत की क्या है स्थिति?

उत्तर भारत में 2014 के बाद से ही बीजेपी की एक स्पष्ट बढ़त साफ दिखाई दे रही है। कहना चाहिए कि उसकी आंधी में विपक्ष पूरी तरह साफ हो चुका है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ कुछ ऐसे राज्य हैं जहां पर बीजेपी को इस समय कोई भी टक्कर देता नहीं दिख रहा है। इंडिया गठबंधन जरूर बना है, लेकिन जमीन पर समीकरण अभी भी बीजेपी के फेवर में दिखाई देते हैं।

एक दशक में दोगुनी हुई राजनीतिक पार्टियां

सीटों के मामले कई चल रहीं निल बटे सन्नाटा

लोकसभा इलेक्शन की तारीखों का चुनाव आयोग ने ऐलानके बाद अब राजनीतिक पार्टियों में भी बढ़ोतरी हो रही है। ट्वेंटी 20 पार्टी, मदर इंडिया पार्टी, द इम्पीरियल पार्टी ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय पावर पार्टी, सभी जन पार्टी, द ह्यूमनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, वतन जनता पार्टी ये भारत में मौजूद दो हजार राजनीतिक दलों में से कुछ के नाम हैं। आमतौर पर चुनाव के समय लोगों को कुछ ही

राजनीतिक दलों का ध्यान रहता है लेकिन भारत में राजनीतिक दल की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। ज्यादातर दल वैसे आपको नजर नहीं आएंगे लेकिन चुनाव के समय इनकी भी सक्रियता बढ़ जाती है। पिछली तीन बार के चुनावों का हाल ऐसा रहा।

2009 के मुकाबले 2019 में दोगुनी पार्टियों ने लड़ा चुनाव

अब बात की जाए साल 2009 के लोकसभा इलेक्शन की तो इस समय कुल 363 पार्टियों ने चुनाव लड़ा था। इसमें से 325 पार्टियों के खाते में एक भी सीट नहीं आ सकी थी। वहीं, साल 2014 के चुनाव में 464 पार्टियों ने चुनाव लड़ा था। इसमें से 428 पार्टियों को एक भी सीट नहीं मिल सकी थी। वहीं, साल 2019 के लोकसभा इलेक्शन के बारे में बात की जाए तो इसमें 668 पार्टियों ने हिस्सा लिया था। इसमें 631 पार्टियों ने कोई भी सीट नहीं जीती।

साल 2009 के इलेक्शन में 3,825 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया था। वहीं, 2014 के चुनाव में 3,235 निर्दलीय प्रत्याशियों ने हिस्सा लिया। 2019 के इलेक्शन में 3,447 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई थी।

बता दें कि हर सीट पर औसतन 15 प्रत्याशी चुनाव लड़ते हैं। साल 2009 के इलेक्शन में किसी एक सीट पर सबसे ज्यादा 43 और सबसे कम 3 उम्मीदवार जीते थे। 2014 के लोकसभा इलेक्शन में किसी एक सीट पर सबसे ज्यादा 42 और सबसे कम 2 उम्मीदवार चुनाव लड़े थे। अब बात की जाए साल 2019 के लोकसभा इलेक्शन की तो यहां पर एक सीट पर सबसे ज्यादा 185 उम्मीदवारों ने और सबसे कम 3 उम्मीदवार चुनाव लड़े।

25 साल की संजना जाटव को कांग्रेस ने बनाया है उम्मीदवार

राजस्थान-भरतपुर लोकसभा

राजस्थान की भरतपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस ने महज़ 25 साल की संजना जाटव को टिकट दिया है। वह राजस्थान में अब तक घोषित सभी उम्मीदवारों में सबसे कम उम्र की हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने उन्हें अलवर की कठूमर विधानसभा से मैदान में उतारा था लेकिन वह भाजपा के रमेश खींची से केवल 409 वोटों से हार गई थीं। जब उन्हें कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में उतारा तो किसी को अंदाज़ा नहीं था कि वह प्रत्याशी बनाई जाने वाली हैं।

जब 1998 में संजना जाटव का जन्म हुए था तब से अब तक अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित कठूमर विधानसभा में हुए छः विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 1998, 2003 और 2018 में जीत दर्ज की है। जबकि भाजपा ने भी तीन बार 2008, 2013 और 2023 में जीत हासिल की है।

संजना जाटव क्या कहती हैं?

मीडिया के साथ बात करते हुए संजना जाटव ने कठुमर विधानसभा कुनाव में हुई हार का ज़िक्र किया और कहा, यह मेरा पहला विधानसभा चुनाव था। मेरे पास कोई अनुभव नहीं था, फिर भी लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया। बस किस्मत थी कि मैं हार गई।

वह कहती हैं कि उनके वह जहां भी जाती हैं, लोग उन्हें अपनी बेटी या बहू के तौर पर देखती हैं। वह कहती हैं, मैं व्यक्तिगत रूप से सभी के संपर्क में हूं और लोगों के बीच मेरी छवि राजनेता वाली नहीं है बल्कि मैं लोगों के बीच की हूं।

वह प्रियंका गांधी के 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' अभियान में भी शामिल रही थीं और उन्हें लोकसभा क्षेत्र के कम से कम दो बड़े कांग्रेस नेताओं भंवर जितेंद्र सिंह और तत्कालीन भरतपुर के पूर्व सांसद और मंत्री विश्वेंद्र सिंह का समर्थन भी मिला हुआ है।

संजना जाटव ने 2021 में अपना पहला चुनाव लड़ा था। जब वह अलवर जिला परिषद के वार्ड नंबर 29 से 4,661 वोटों से जीत हासिल कर सुर्खियों में आई थीं। पिछले कुछ चुनावों की तरह इस बार भी भरतपुर में कोली बनाम जाटव चुनाव होगा। इस बार संजना का मुकाबला बीजेपी के रामस्वरूप कोली से है।

कहां से लिया गया है लेडी जस्टिस की मूर्ति का कॉन्सेप्ट?

फिल्म, धारावाहिकों से लेकर वेब सीरीज और असल दुनिया के कोर्ट रूम में एक चीज जो कॉमन दिखती है वह है स्टैच्यू ऑफ जस्टिस। दुनियाभर की सभी अदालत में न्याय की देवी की मूर्ति लगी हुई देखने को मिलती है। इस मूर्ति के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार होती है। विश्व भर में इस मूर्ति को गॉडेस ऑफ स्टैच्यू कहा जाता है। यह मूर्ति न्याय व्यवस्था को दर्शाती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर इस मूर्ति को कोर्ट रूम में रखना ही क्यों जरूरी है। इस आर्टिकल में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, कि लेडी जस्टिस की मूर्ति का कॉन्सेप्ट कहां से लिया गया है।

कहां से लिया गया मूर्ति का कॉन्सेप्ट

दुनिया में मौजूद हर एक चीज किसी न किसी चीज से प्रेरित होकर तैयार की गई है, फिर चाहे वह भारत की कानून व्यवस्था हो या फिर संविधान। ऐसा ही कुछ अदालत की कोठरी में रखी न्याय की मूर्ति का भी। आपको बता दें कि जस्टिस ऑफ गॉड का कॉन्सेप्ट भारत नहीं बल्कि मिस्र और यूनान से आया है। हालांकि, जिस मूर्ति को हम सभी दुनियाभर के न्यायालय में देखते हैं वो मिस्र की देवी माट यूनान की देवी थेमिल और डाइक से प्रेरित होकर तैयार किया गया है।

इन प्रतीक को दर्शाती है न्याय की मूर्ति

मिस्त्र की देवी माट को व्यवस्था, संतुलन,न्याय और कानून का प्रतीक माना जाता है। वहीं यूनान की देवी थेमिस को सच्चाई, कानून और व्यवस्था और डाइक को न्याय, नैतिक का प्रतीक माना जाता है। भारत की न्याय की देवी का कॉन्सेप्ट रोमन की मूर्ति की अवधारणा पर लिया गया है। रोमन के लोग इन देवियों की तर्ज पर जस्टीसिया को न्याय की देवी मानते थे और धीरे-धीरे इन मूर्तियों को जस्टिस का देवी का दर्जा दिया गया।

जस्टिस ऑफ लेडी की तलवार और तराजू का मतलब

न्याय की देवी के एक हाथ में तलवार और तराजू का एक खास अर्थ है। हाथों में तराजू का कॉन्सेप्ट शास्त्र से लिया गया है। मिस्र में तराजू को न्याय और संतुलन का प्रतीक माना जाता है। इस तरह से तराजू का अर्थ होता है कि न्याय करते समय दोनों पक्षों को बराबर समय और बोलने का मौका दिया जाएगाा। तलवार हक और ताकत की प्रतीक है। न्याय को लागू करने की शक्ति भी जस्टिस ऑफ गॉड के पास है।

पुदुचेरी में है भारत का पहला अंडरवाटर म्यूजियम

म्यूजियम तो आपने कई देखे होंगे, लेकिन पानी के अंदर किसी म्यूजियम को देखना यकीनन बेहद ही अलग व यादगार एक्सपीरियंस होता है। हालांकि, अब इस एक्सपीरियंस के लिए आपको बाहर जाने की जरूरत नहीं है।

जब हम पुदुचेरी की बात करते हैं तो हमारे दिमाग में सबसे पहले खूबसूरत समुद्र तट, लोकल फूड्स और फ्रेंच आर्किटेक्चर के साथ चर्च आदि ही दिमाग में आते हैं। लेकिन पुदुचेरी में इसके अलावा जो चीज सबसे अधिक सैलानियों को आकर्षित करती है, वह है यहां का अंडरवाटर म्यूजियम। यूं तो हर राज्य में कई तरह के म्यूजियम स्थापित है। लेकिन पुदुचेरी में मौजूद इस अंडरवाटर म्यूजियम की बात ही अलग है। दरअसल, इसकी गिनती भारत के सबसे पहले अंडरवाटर म्यूजियम में होती है और इसे देखने का अपना एक अलग ही एक्सपीरियंस है, जिसे व्यक्ति कभी भी नहीं भूल सकता। आमतौर पर, म्यूजियम का नाम सुनकर ही अधिकतर लोग बोरियत महसूस करते हैं। लेकिन यह म्यूजियम ऐसा है, जिसे देखने का अपना एक अलग ही थ्रिल है। खासतौर से, अगर आपको वाटर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी है या फिर आपको कुछ एंडरवेचर्स करना अच्छा लगता है, तो यकीनन यह म्यूजियम आपको निराशा नहीं करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में स्थित भारत के सबसे पहले अंडरवाटर म्यूजियम के बारे में बता रहे हैं-

माइनस्वीपर आईएनएस कुड्डालोर को बनाया म्यूजियम

यह अंडरवाटर म्यूजियम वास्तव में एक डीकमीशन माइंसवीपर, आईएनएस कुड्डालोर है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी, नेशनल सेंटर फॉर कोस्टल रिसर्च, एनजीओ पॉन्डीकैन और केंद्र सरकार के साथ मिलकर भारतीय नौसेना ने माइनस्वीपर को एक अंडरवाटर म्यूजियम में बदल दिया। अब तक लोग केवल टाइटैनिक को देखना पसंद करते हैं, लेकिन अब इस अंडरवाटर म्यूजियम को लेकर भी लोगों में उतनी ही ही उत्सुकता है। बता दें कि आईएनएस कुड्डालोर करीबन तीन दशकों तक सेवा में रहा। अपने कार्यकाल में आईएनएस कुड्डालोर ने करीबन 30 हजार नॉटिकल माइल्स की दूरी तय की। यह करीबन 60 मीटर लंबी और 12 मीटर चौड़ी संरचना है।

यहां पर है स्थित

यह अंडरवाटर म्यूजियम पुदुचेरी के तट से लगभग 7 किमी दूर 26 मीटर की गहराई पर समुद्र तल में बनाया गया है। इस म्यूजियम को तैयार करने के लिए आईएनएस कुड्डालारे के दरवाजे निकाल दिए गए हैं। जिससे समुद्री जीव बेहद आसानी से जहाज के अंदर जा सकें। साथ ही, अगर आप इस म्यूजियम को देखना चाहती हैं तो आप पानी में गोता लगा सकती हैं। साथ ही समुद्री जीवों के साथ तैराकी भी कर सकते हैं। हालांकि, तैराकी करते समय कोई समस्या ना हो, इसके लिए जरूरी सामान भी मुहैया करवाने की व्यवस्था है।

कई मायनों में है लाभदायक

यह अंडरवाटर म्यूजियम कई मायनों में लाभदायक है। सबसे पहले तो यह भारत में अपनी तरह का पहला म्यूजियम है, जिसके कारण लोगों के मन में इसे लेकर काफी उत्सुकता है। ऐसे में यह ना केवल पुदुचेरी में टूरिज्म को बढ़ावा देगा, बल्कि इको-सिस्टम को भी मजबूत करेगा। इतना ही नहीं, इससे मछली पकड़ने के उद्योग का भी विकास निश्चित रूप से होगा।

अंडरवाटर म्यूजियम का मुख्य आकर्षण

इस म्यूजियम का मुख्य आकर्षण विदेशी मछलियां और समुद्री कछुए है। इसके अलावा शैवाल, कवक और बार्नाकल को उनके प्राकृतिक आवास में देखने का अपना एक अलग ही आनंद है। यहां पर आपको स्नॉर्केलिंग और स्कूबा डाइविंग के लिए 60 किमी लंबी साइट भी मिलती है। जिसके कारण आप यहां पर म्यूजियम के साथ-साथ और भी बहुत कुछ एक्सपीरियंस कर सकते हैं।

INS Cuddalore

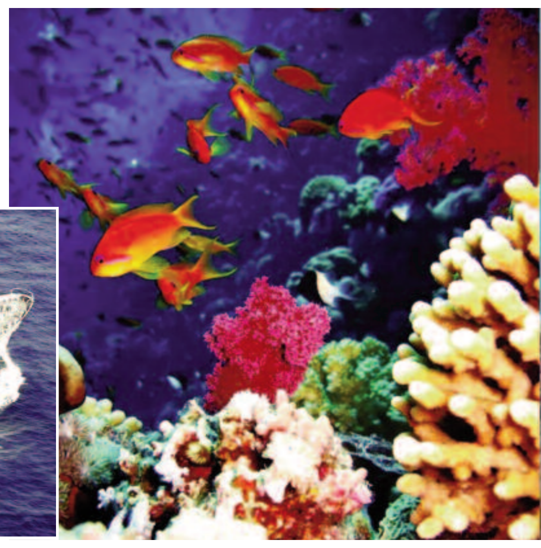

दुनिया का सबसे भयानक पक्षी जो मगरमच्छ तक को खा जाता है

शूबिल (बैलेनिसेप्स रेक्स) को हिन्दी में शू-बिल्ड स्टॉर्क कहते हैं. यह एक बड़ी चिड़िया है जिसके लंबे पैर होते हैं और जिसकी चोंच जूते के आकार की होती है. शूबिल का वज़न करीब 8 किलो तक हो सकता है और इसकी लंबाई चार से पांच फुट होती है. यह पूर्वी अफ्रीका के दलदली और पानी वाले इलाकों में रहती है. शूबिल को व्हेलबिल और व्हेल-हेडेड स्टॉर्क के नाम से भी जाना जाता है. अरबी में इसे अबू मरकब कहते हैं, जिसका मतलब होता है जूते के साथ. शूबिल को दुनिया की सबसे डरावनी चिड़िया भी कहा जाता है. यह मगरमच्छ को भी खा जाती है और मशीनगन जैसी आवाज़ निकालती है.

शूबिल स्टॉर्क को दुनिया का सबसे भयानक पक्षी कहा जाता है. ये मुख्य तौर पूर्वी अफ्रीका, इथियोपिया, दक्षिणी सूडान और जांबिया में पाया जाता है. शूबिल को तमाम लोग सारस मान लेते हैं, जबकि ये सारस या बगुला परिवार के नहीं हैं. शूबिल के सबसे करीबी परिवार में पेलिकन आते हैं. इसका नाम शूबिल पड़ने के पीछे इसकी चोंच वजह है, जो करीब एक फिट तक लंबी होती है और डच क्लॉग जैसी दिखती है. शूबिल की चोंच करीब 5 इंच चौड़ी होती है और इसके किनारे तेज नुकीले होते हैं. सिरे पर एक नुकीला हुक भी होता है, जिसकी मदद से शूबिल लंगफिश, ईल और सांप जैसे जानवरों का शिकार करते हैं. यहां तक कि यह मगरमच्छ के बच्चों और मॉनिटर छिपकली को भी खा जाते हैं. शूबिल्स कई-कई घंटे एक ही जगह बिना हिले-डुले खड़े रह सकते हैं. वैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रक्रिया को कोलैप्सिंग कहा जाता है, और यही शूबिल को शिकार में मदद करती है. जब वे बिना हिले-डुले पानी अथवा दलदली जगह पर खड़े रहते हैं तो उनके शिकार को इसकी भनक नहीं लग पाती है. मछली या ईल जैसे जानवर जैसे ही ऑक्सीजन के लिए पानी की सतह पर आते हैं, शूबिल उन्हें शिकार बना लेता है.

शूबिल 4 से 5 फीट लंबे हो सकते हैं. इनके पंख नीले-भूरे रंग के होते हैं और पंख का फैलाव 8 फुट से अधिक होता है. मेल शूबिल का वजन 12 (करीब 5.5 किलो) पाउंड और फीमेल का 11 पाउंड (4.9 किलो) के बीच होता है. शूबिल की 35 से 50 साल तक जिंदा रह सकते हैं. शूबिल मुख्य तौर पर मांसभक्षी होते हैं. शूबिल का आईक्यू नेगेटिव होता है, इसलिये इसे स्टूपिड बर्ड (मूर्ख पक्षी) भी कहा जाता है. शूबिल की डिसीजन मेकिंग क्षमता बहुत खराब होती है. अगर इनके सामने कुछ खाना रखा जाए, तो घंटों सोचते रहते हैं कि इसे खाएं या नहीं. एक और आदत इस पक्षी को अनूठा बनाती है. जब ये किसी इंसान को अपनी तरफ आता देखते हैं, तो अपने पंख तोड़ने लगते हैं. कुछ वैज्ञानिक कहते हैं कि यह शूबिल के अभिवादन का तरीका है.

आईयूसीएन के मुताबिक दुनिया भर में अब केवल 3,300 से 5,300 वयस्क शूबिल बचे हैं, और इनकी जनसंख्या बहुत तेजी से घट रही है. ये रेड लिस्ट में शामिल हैं. अरब देशों में शूबिल को लोग पालते भी हैं और प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं. ब्लैक मार्केट में शूबिल 10000 डॉलर (8-10 लाख) रुपये तक में बिकता है.

भारतीय गीत और कीर्तन का अहम वाद्य यंत्र हारमोनियम गैर भारतीय यंत्र है। हारमोनियम भारत में इतना लोकप्रिय होने के बाद भी कुछ सालों तक बैन था।

भारत में क्यों किया गया था हारमोनियम को बैन

हारमोनियम भारत का लोकप्रिय संगीत वाद्य यंत्र में से एक है। आज भी मंदिर, प्रवचन, गुरुद्वारा और अन्य कॉन्सर्ट जैसे जगहों पर गायक हारमोनियम का उपयोग करते हैं। भारत में इतना लोकप्रिय होने के बाद भी इसे कुछ सालों तक भारत में बैन किया गया था। 1900 के दशक में जब देश स्वतंत्रता संग्राम की गति पकड़ रहा था, तब लीडर और लोगों में हारमोनियम को लेकर यह बहस छिड़ गई कि यह भारतीय शास्त्रीय संगीत के लिए उपयुक्त है कि नहीं? इस दौरान ही देश में स्वदेशी मूवमेंट भी चल रहा था, जिसमें हारमोनियम के खिलाफ में लोग सामने आने लगे। हारमोनियम को लेकर बढ़ते विवाद को देखते हुए ऑल इंडिया रेडियो के वेस्टर्न म्यूजिक विंग के हेड ने एक पत्र लिखा, जिसके बाद 1940 में एआईआर पर हारमोनियम करीब तीन दशक तक बैन रहा। बाद में 1971 में यह बैन आंशिक रूप से हटा और उसके बाद पूरे देश में पूरी तरह से हारमोनियम पर लगे बैन को हटा दिया गया।

हारमोनियम पर बैन क्यों लगा?

हारमोनियम को लेकर लोगों के मन में यह सवाल उठने लगा कि यह भारतीय है कि नहीं...इस बीच बहुमुखी प्रतिभा के धनीनोबेल पुरस्कारविजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने भी यह मान लिया की हारमोनियम में दोलनशील गामाका नोट्स नहीं बजाया जा सकता। इसके बाद साहित्यकार ने आकाशवाणी कोलकाता को खत लिखकर स्टूडियो में हारमोनियम को बंद करने की मांग रखी। एआईआर के वेस्टर्न म्यूजिक विंग के हेड जॉन फोल्ड्स ने अपने लिखे पत्र में बताया कि हारमोनियम माइक्रोटोन पर मूक था, जो कि भारतीय शास्त्रीय संगीत के लिए बहुत जरूरी है। प्रसारण नियंत्रक के रूप में लियोनेल फील्डेन फोल्ड्स के तर्क से राजी हुए और 1 मार्च 1940 को आकाशवाणी ने हारमोनियम पर प्रतिबंध लगा दिया।

हारमोनियम से जुड़े फैक्ट

- हारमोनियम का आविष्कार 1700 के दशक में यूरोप में हुआ था।
- हारमोनियम में कई बदलाव करने के बाद 1842 में एलेक्जेंडर डेबेन नामक फ्रांसीसी आविष्कारक ने इसमें और परिवर्तन कर अपने इस डिजाइन को पेटेंट कराया और इसे हारमोनियम नाम दिया।
- 19वीं सदी में पश्चिमी व्यापारियों या मिशनरियों ने हारमोनियम को भारत लेकर आए।
- आज के हारमोनियम में 12 सुर और 22 श्रुतियां बजाई जा सकती है।
- रवींद्रनाथ टैगोर के अलावा जवाहरलाल नेहरू ने भी हारमोनियम के बैन पर सहमति जताई थी।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल टीचर जो बन गई 300 करोड़ की कंपनी की मालकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। सफलता की कुछ कहानियां दिल को छू लेने वाली होती हैं। वे हमें

यह भरोसा दिलाती हैं कि सब कुछ संभव है। ऐसी ही एक कहानी प्रेरणा झुनझुनवाला की है। वह भारतीय उद्यमी हैं, जो सिंगापुर में एक प्रीस्कूल की मालकिन हैं। वह कभी स्कूल टीचर थीं। प्रेरणा ने सिंगापुर में लिटिल पैडिंगटन नाम से प्रीस्कूल की नींव रखी। इसके बाद उन्होंने क्रिएटिव गैलीलियो नाम से एक एजुकेशन स्टार्टअप शुरू किया। यह स्टार्टअप 3 से 10 साल की उम्र के बच्चों को शिक्षा देने पर फोकस करता है। क्रिएटिव गैलीलियो जरिये बच्चों को किताबों से इतर ऐक्टिविटीज और अनुभवों के जरिये सीखने का अवसर दिया जाता है। प्रेरणा झुनझुनवाला ने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से साइंस में ग्रेजुएशन किया है। उनकी कंपनी ने टूंडेमी और लिटिल सिंघम नाम के दो एप्लिकेशन लॉन्च किए हैं। इन एप्लिकेशन को 1 करोड़ से ज्यादा डाउनलोड मिले हैं। यह बच्चों के लिए एकमात्र लर्निंग ऐप था, जो भारत के प्ले स्टोर पर टॉप 20 ऐप में शामिल हुआ। झुनझुनवाला की लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, यह सॉफ्टवेयर बच्चों को व्यक्तिगत सीखने का अनुभव, स्टोरी वीडियो और गेमिफिकेशन प्रदान करता है। इसके अलावा प्रेरणा ने कोई औपचारिक बिजनेस कोर्स नहीं किया है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के इस कंपनी की नींव रखी। पिछले साल इस व्यवसाय को लगभग 60 करोड़ रुपये का निवेश मिला। बीते साल उनके स्टार्टअप की कीमत 4 करोड़ डॉलर या 330 करोड़ रुपये आंकी गई थी। भविष्य में वह नए क्षेत्रों में विस्तार करने की इच्छा रखती हैं। कंपनी स्थानीय भाषा में कंटेंट लॉन्च करने की योजना बना रही है।

घाटे में कंपनी, मैनेजमेंट में बड़े इस्तीफे, निवेशकों में हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। डेल्हीवरी लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर 12 प्रतिशत से अधिक टूट गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, मार्च 2024 (क्यू4एफवाय24) को समाप्त चौथी तिमाही में लॉजिस्टिक्स कंपनी को बड़ा घाटा हुआ है। इसके अलावा, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर और चीफ बिजनेस ऑफिसर के इस्तीफे से भी स्टॉक को झटका लगा। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म इस शेयर को लेकर पॉजिटिव है और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं।

डेल्हीवेरी ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही में 68.5 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 159 करोड़ रुपये के घाटे से साल-दर-साल आधार पर 57 प्रतिशत कम है। हालांकि, लॉजिस्टिक्स कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 11.7 करोड़ रुपये का जबरदस्त मुनाफा कमाया था। यह 2021 के बाद कंपनी ने पहली बार इतना मुनाफा कमाया था। जनवरी-मार्च 2024 की अवधि में परिचालन से राजस्व 12 प्रतिशत बढ़कर 2,076 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 1,860 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि चौथी तिमाही में एबिटा बढ़कर 46 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में सिर्फ 13 करोड़ रुपये था। स्टॉक 12 प्रतिशत प्रतिशत गिरकर अपने दिन के निचले स्तर 383.90 पर आ गया। यह अब 5 फरवरी, 2024 को अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 488.05 से 21 प्रतिशत से अधिक दूर है। इस बीच, स्टॉक अभी भी 22 मई, 2023 को अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर 341.05 से 12.5 प्रतिशत ऊपर है। पिछले एक साल में यह शेयर 20 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। इस बीच, 2024 वायटीडी में सिर्फ 3 प्रतिशत की बढ़त हुई है।

ब्रोकरेज ने क्या कहा

चुनाव नतीजों के बाद शेयर मार्केट में आएगी तेजी

▶▶ गृह मंत्री अमित शाह ने भी निवेशकों को सस्ते में शेयर लेने की सलाह दी ▶▶ कुछ चरणों में कम वोटिंग से नतीजों को लेकर बाजार की बेचैनी बढ़ी है

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के अनुभवी ट्रेडर्स से लेकर नए म्यूचुअल फंड निवेशकों तक, सभी को 4 जून 2024 का बेसब्री से इंतजार हैं। इस दिन लोकसभा चुनाव के नतीजे आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा कि चुनाव के नतीजों के बाद शेयर बाजार में भारी तेजी आएगी। उनके पूछा गया था कि क्या चुनाव नतीजों को लेकर शेयर बाजार में घबराहट दिख रही है इस पर मोदी ने कहा कि जब चुनाव के नतीजे आएंगे तो पूरे हफ्ते ट्रेड करने वाले लोग थक जाएंगे। लोकसभा चुनावों के पिछले कुछ चरणों में कम मतदान के कारण नतीजों को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। इससे शेयर बाजार में बेचैनी दिख रही है। सूत्रों का अनुमान है कि चुनाव समाप्त होने तक शेयर बाजार में उथल-पुथल जारी रहेगी। कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निवेशकों को 4 जून 2024 से पहले सस्ते में शेयर खरीदने की सलाह दी थी। उनका कहना था चुनाव नतीजों के बाद बाजार में तेजी आएगी। उन्होंने यह भी कहा था कि शेयर मार्केट में गिरावट को चुनावों से जोड़ना सही नहीं है। सवाल यह है कि चुनाव नतीजे आने तक निवेशकों का क्या करना चाहिए

अब सवाल यह है कि चुनाव के नतीजे आने तक निवेशकों को क्या करना चाहिए क्या यह अधिक स्टॉक जमा करने का समय है या अस्थिरता से बचने और सुरक्षित खेलने का टेलविंड फाइनेंशियल सर्विसेज के जॉइंट एमडी विवेक गोयल ने कहा कि संभावित प्रॉफिट बुकिंग के लिए अपने पोर्टफोलियो में स्टॉक और म्यूचुअल फंड की समीक्षा करें। खासकर उन सेगमेंट में इसकी जरूरत है जिनमें तेज उछाल देखा गया है। इससे आपको जोखिम से निपटने में मदद मिलेगी। सेबी-रजिस्टर्ड मल्टी-एसेट

पीएमएस और एआईएफ फर्म, पेस 360 के सह-संस्थापक और मुख्य वैश्विक रणनीतिकार अमित गोयल का कहना है कि यह तीन अंकों के पीई रेश्यो पर कारोबार कर रहे कई शेयरों को बेचने का एक अच्छा अवसर है।

स्टॉक मार्केट की रणनीति

ओमनीसाइंस कैपिटल के सीईओ और चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट विकास गुप्ता कहते हैं कि चुनाव नतीजों को लेकर अनिश्चित निवेशकों को नए निवेश को दो हिस्सों में बांटना चाहिए। इसका एक हिस्सा अभी निवेश करना चाहिए और दूसरा हिस्सा नतीजे घोषित होने के बाद। उनका कहना है कि जोखिम उठाने की क्षमता रखने वाले निवेशक अभी निवेश करना शुरू कर सकते हैं और बाद में और निवेश कर सकते हैं। चुनाव के नतीजे चाहे जो भी हों, हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे सेक्टरों को लेकर पॉजिटिव हैं। बिजली, बैंक, रेलवे और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में लॉन्ग टर्म में अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है लेकिन चुनाव नतीजों के तुरंत बाद इनमें उतार-चढ़ाव आ सकता है। इक्विटी में निवेश करते समय पांच साल से अधिक का लॉन्ग-टर्म फोकस महत्वपूर्ण है।

नुवामा प्रोफेशनल क्लाइंट्स ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष संदीप रैना कहते हैं कि बाजार की धारणा के अनुसार, सरकार के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और आगे भी आते रहेंगे। अक्षय ऊर्जा, शिपिंग, बंदरगाह, रक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्र विकास के लिए तैयार हैं, जिससे समग्र अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। अगर नतीजों के दिन से पहले बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है तो निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए। हालांकि शेयर की कीमतों में गिरावट कई लोगों के लिए एक अवसर हो सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अनुशासित निवेश रणनीति बनानी चाहिए और जल्दबाजी में फैसला लेने से बचना चाहिए।

किन शेयरों में लगा सकते हैं पैसा

गुप्ता कहते हैं कि बाजार की अनिश्चितता के दौरान निवेश करने से मौका मिल सकता है। हाई क्वालिटी वाली कंपनियों पर फोकस करना चाहिए जिनकी कीमत में अभी गिरावट आई है। अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई करने की जरूरत है। निवेशक अभी क्या खरीद सकते हैं टेलविंड फाइनेंशियल सर्विसेज के विवेक गोयल कहते हैं कि पिछले चार से छह महीनों में बाजार की चाल मौजूदा सरकार के सत्ता में बने रहने की उम्मीदों से प्रेरित रही है। इससे इन्फ्रास्ट्रक्चर, पूंजीगत सामान और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सरकारी खर्च की नीति जारी रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए क्योंकि ऐतिहासिक रूप से, चुनाव के बाद के नतीजों ने बाजार पर कोई खास असर नहीं डाला है। विवेक गोयल ने कहा कि बाजार पहले से ही मौजूदा सरकार के लिए एक और कार्यकाल की उम्मीद कर रहा है। ऐसे में नतीजों से सीधे तौर पर सीमित उछाल की उम्मीद है।

म्यूचुअल फंड

पेस 360 के अमित गोयल कहते हैं कि यह सच है कि अगर भाजपा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है, तो बाजार और ऊपर जा सकता है। हालांकि, यह सिर्फ एक अल्पकालिक उछाल होगा, और बाजार अंततः नीचे आ जाएगा। इसलिए, हम निवेशकों को मौजूदा स्तरों पर स्टॉक या इक्विटी म्यूचुअल फंड खरीदने की सलाह नहीं देते हैं। सवाल है कि म्यूचुअल फंड निवेशकों को अब क्या करना चाहिए अगर आप आमतौर पर अपने लॉन्ग-टर्म लक्ष्यों को पूरा करने के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो चुनाव नतीजों से आपका म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो लंबे समय तक प्रभावित नहीं होगा गुप्ता कहते हैं कि म्यूचुअल फंड निवेशकों को नतीजों की परवाह किए बिना अपने एसआईपी जारी रखने चाहिए।

डेट इन्वेस्टमेंट

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों से पहले आपके ऋण निवेश के लिए क्या रणनीति होनी चाहिए विवेक गोयल कहते हैं कि डेट मार्केट भी परिणामों से प्रभावित होंगे। यदि बीजेपी नहीं जीतती है और विपक्षी गठबंधन जीतता है, तो नई नीतियों तक स्पष्टता आने तक साइक्लिक सेक्टर्स में करेक्शन देखने को मिल सकता है। कोटक म्यूचुअल फंड के सीआईओ (डेट) दीपक अग्रवाल का कहना है कि मौजूदा सरकार ने राजकोषीय घाटे को काबू में रखने पर ध्यान केंद्रित किया है। अगर सरकार सत्ता में वापस आती है, तो बाजार को इस रुख की निरंतरता का भरोसा होगा और वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 26 के लिए राजकोषीय घाटा क्रमशः 5.1 प्रतिशत और 4.5 प्रतिशत पर बना रह सकता है। इससे जी-सेक इंस्ट्रूमेंट्स की अपेक्षाकृत कम आपूर्ति होगी। इसके अलावा, मौजूदा सरकार ने महंगाई विशेष रूप से खाद्य महंगाई को बहुत अच्छी तरह से मैनेज किया है। महंगाई कम होने की उम्मीद, जी-सेक की कम आपूर्ति, स्थिर मुद्रा और इंडेक्स फ्लो के कारण 10 साल की अवधि वाला बॉन्ड 7 प्रतिशत को पार कर जाएगा। गुप्ता का सुझाव है कि डेट इन्वेस्टमेंट एएए रेटिंग वाले बांड्स में होना चाहिए। अमित गोयल का कहना है कि वह 30 वर्ष के भारतीय सरकारी बांड्स को लेकर बेहद आशावादी हैं तथा इन्हें अगले दो वर्षों के लिए एक बेहतरीन निवेश अवसर के रूप में देखते हैं।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने वित्तीय परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2023-24 के वार्षिक वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। बीते वित्त वर्ष के दौरान कंपनी का टैक्स पश्चात मुनाफा बढ़ा है। यह 1,903 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,733 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कंपनी ने उत्पादन और विक्रय में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कच्चे इस्पात के उत्पादन और विक्रय के वॉल्यूम में 5.2 फीसदी और 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कंपनी ने परिचालन से अब तक का सबसे अधिक कारोबार दर्ज किया है। कंपनी लगातार तीसरे साल प्रचालन से कारोबार के अपने स्तर को 1,00,000 करोड़ रुपये पार किया है।

कतिना डविडिंड देगी कंपनी

कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रुपया 1 प्रति इक्विटी शेयर यानी अंकित मूल्य का 10 प्रतिशत, के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक के दौरान शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। कंपनी ने इससे पहले इस वित्त के दौरान 1 रुपया प्रति इक्विटी शेयर का अंतरिम लाभांश दिया था। कंपनी के वित्तीय नतीजों पर सेल अध्यक्ष ने कहा, भारतीय इस्पात बाजार मांग में निरंतर बढ़ोतरी को दर्शाते हुए काफी मजबूत बना हुआ है। अपना वॉल्यूम बढ़ाने, अपने उत्पाद बास्केट में वैल्यू एडेड उत्पाद जोड़ने और दक्षता स्तर में सुधार करने की दिशा में सेल विभिन्न पहलों को लागू कर रही है, जो साल-दर-साल कंपनी के बेहतर प्रदर्शन के रूप में दिखाई पड़ रहा है। कंपनी बढ़ते भारतीय इस्पात बाजार में उछाल का लाभ उठाने के लिए अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर काम करना जारी रखेगी।

जेप्टो कहीं एक्सपायर्ड दूध बेच रही है तो कहीं एक्सपायरी डेट का आटा

▶▶ जेप्टो ने गाजियाबाद के एक ग्राहक को एक्सपायर्ड दूध का पैकेट बेच दिया

▶▶ इसी कंपनी दिल्ली के एक ग्राहक को 10 किलो आटा नियर टू एक्सपायर डेट का बेच दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। नेक्स्ट डोर क्विक कॉमर्स ऐप जेप्टो को क्या हो गया है यह कंपनी किसी ग्राहक को एक्सपायर्ड दूध के पैकेट बेच रही है तो किसी ग्राहक को नियर टू एक्सपायर आटा बेच रही है। वह भी तब जबकि भारत में खराब फूड प्रोडक्ट बेचना कानूनन जुर्म है और इसके लिए छह माह तक की जेल की सजा है। यही नहीं, इस तरह का कृत्य करने वाले पर 1,000 रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

यह वाकया है एनसीआर में गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके का। वसुंधरा में रहने वाली मोनिका तिवारी ने सोमवार, 20 मई 2024 को दिन में करीब 11 बजे जेप्टो से छह लीटर दूध मंगाया। इसमें मदर डेयरी के आधा लीटर के 8 पैकेट और एक लीटर वाले दो पैकेट मंगाए गए थे। इसमें एक लीटर वाला दूध तो ठीक था, लेकिन आधा लीटर वाला दूध 18 मई 2024 को ही एक्सपायर हो चुका था। जब दूध डिलीवर किया गया तो मोनिका ने डेट पर ध्यान नहीं दिया और उसे रेफ्रीजरेटर में रख दिया।

मोनिका ने शाम में चाय बनाने के लिए दूध का एक पैकेट काट कर उबाला तो भगोने में सारा दूध फट गया। इसके बाद उन्होंने पैकेट को गौर से देखा तो वह एक्सपायर्ड प्रोडक्ट दिखा। दूध डिलीवर हुआ 20 मई को जबकि वह 18 मई को ही एक्सपायर हो चुका था। मतलब कि जेप्टो ने उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक सामान बेच दिया। इसके बाद वह इसकी शिकायत कंपनी से करने को ठानी।

मोनिका ने जब जेप्टो के ऐप पर शिकायत की तो कंपनी ने कुछ जानकारी मांगी। उसके बाद उन्होंने प्रोडक्ट का फोटो मंगवाया। उसका वेरीफिकेशन किया। वेरीफिकेशन होने के बाद कंपनी ने माना कि एक्सपायर्ड प्रोडक्ट बेचा गया। फिर इस

एक्सपायर्ड दूध का रिफंड जारी कर देने का संदेशा आया।

सजग उपभोक्ता मोनिका का कहना है कि सरकार लोगों को जागरूक करने के लिए जागो ग्राहक जागो अभियान चला रही है। एक तरफ सरकार अभियान चला रही है, दूसरी तरफ जेप्टो एक्सपायर्ड प्रोडक्ट बेच रही है। यदि वह या उसके परिवार के सदस्य इसे कंज्यूम कर लेते और उन्हें कुछ हो जाता तो फिर क्या होता उनका कहना है कि भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 273 के मुताबिक इस तरह का सामान बेचना कानूनन जुर्म है। इसके लिए छह महीने तक के कैद की सजा हो सकती है। यही नहीं, ऐसा करने वाले पर 1,000 रुपये तक का जुर्माना भी हो सकता है। इसके साथ ही पैकेज्ड कमोडिटीज रेगुलेशन आर्डर 1975 और फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड एक्ट 2006 में भी एक्सपायर्ड सामान बेचने की मनाही है। इसलिए जेप्टो पर तो कार्रवाई होनी ही चाहिए।

जेप्टो ने सिर्फ मोनिका के साथ ही ऐसा नहीं किया। कंपनी ने दिल्ली निवासी गजेंद्र यादव को भी नियर टू एक्सपायर आटा बेच दिया। यादव अपनी आपबीती ट्वीटर या एक्स प्लेटफार्म पर साझा करते हुए लिखा कि ज़ेप्टो, मैंने ज़ेप्टो से 10 किलो गेहूं का ऑर्डर दिया। जो आटा आया, उसकी एक्सपायरी डेट आठ दिन बाद की है। 8 दिन में 10 किलो आटा कैसे खत्म करें जेप्टो इधर आजो, मिल कर खत्म करते हैं। गजेंद्र यादव ने एक फोटो संलग्न करते हुए लिखा लगभग समाप्त हो चुका उत्पाद उन्हें 17 मई को प्राप्त हुआ।

इस पोस्ट के तूल पकड़ने के बाद, ज़ेप्टो ने जवाब दिया और उससे ऑर्डर का विवरण साझा करने के लिए कहा। उन्हें अप्रिय अनुभव पर भी पछतावा हुआ। कंपनी ने आगे लिखा कि उसकी टीम जल्द ही उनसे संपर्क करेगी। हालांकि, स्थिति तब बिगड़ गई जब यादव को कस्टमर केयर से कॉल आया। लाइन के दूसरी ओर मौजूद महिला ने उससे कहा कि कुछ नहीं किया जा सकता और उसे सात दिनों में गेहूं का पैकेट खत्म कर देना चाहिए। तब यादव ने एक्स पर उनके पोस्ट का जवाब दिया और लिखा, प्रिय आदित पालीचा, कैवल्य वोहरा, आपको अपनी ग्राहक सेवा के लिए सामान्य ज्ञान और तर्क पर कुछ प्रशिक्षण सत्र जोड़ने की आवश्यकता है। अगर आप एक्सपायरी के करीब उत्पाद बेचकर अपना व्यवसाय चला रहे हैं तो कम से कम अपने ऐप पर एक्सपायरी डेट दिखाएं। यादव ने आगे कहा, ऐसे उत्पाद को बेचने का कोई मतलब नहीं है जो शीघ्र ही एक्सपायर होने वाला है। हम सभी जानते हैं कि विभिन्न प्लेटफार्मों पर नियर टू एक्सपायर सामानों पर विशेष छूट की पेशकश की जाती है। हमने तो आटे की पूरी कीमत चुकाई है और हमें नियर टू एक्सपायर सामान मिला है।

अब आलू बिगाड़ देगा घर की रसोई का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी। साल भर घरों में सबसे ज्यादा बनाई जाने वाली सदाबहार सब्जी आलू के दाम बढ़ने से रसोई का बजट बिगड़ गया है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे प्रमुख आलू उत्पादक राज्यों में इस बार खराब मौसम के चलते उत्पादन में गिरावट आई है। इसके चलते आलू की कीमत में पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। व्यापारियों और कोल्ड स्टोरेज के मालिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में आलू और महंगा हो सकता है। नवंबर के अंत तक आलू के दाम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। हालांकि, आलू की नई फसल मार्केट में आने की बाद कीमतों में गिरावट शुरू हो जाएगी। लेकिन आम लोगों को अभी 5 से 6 महीने महंगा आलू खरीदना होगा। 15 फरवरी से 31 मार्च के दौरान कटाई के बाद किसानों द्वारा आलू को कोल्ड स्टोरेज में रखा जाता है। इसमें उत्पादन का लगभग 60 फीसदी कोल्ड स्टोरेज में संग्रहीत किया जाता है, जबकि लगभग 15 फीसदी उपज कटाई के बाद सीधे बाजार में आती है।

वर्कप्लेस को हेल्दी और कर्मचारियों के लिए अधिक बेहतर बना रही हैं कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्कप्लेस में कर्मचारियों का फिट रहना सबसे अहम हैं। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय दिक्कतों को झेलने के बाद कंपनियां वर्कप्लेस को हेल्दी और कर्मचारियों के लिए अधिक बेहतर जगह बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ड्यूश बैंक, सिप्ला, अडोब, अपग्रेड, बीट, सेक्लोर, ड्रीम स्पोर्ट्स और निञ्जकारत जैसी कंपनियां ऑफिस में मेडिटेशन के लिए कमरे बना रही हैं। ऑफिस में नियमित रूप से पानी और भोजन की जांच करवा रहे हैं। तेज सफेद रोशनी की जगह नेचुरल या वॉर्म एलईडी लाइटिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसे लेकर पिछले महीने फिटनेस टक्नॉलजी कंपनी तहत्तद्वद्व ने एक रिपोर्ट जारी किया था। इसके मुताबिक भारत की लगभग 45 प्रतिशत आबादी अस्वस्थ होने के खतरे से जूझ रही है। इसका न केवल व्यक्तिगत मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि इसे वर्कप्लेस की प्रोडक्टिविटी भी कम हो रही है।

ड्यूश बैंक ने अपने कर्मचारियों को तनावपूर्ण परिस्थितियों से अलग होने या अपने मूड को नेचुरल तरीके से ठीक करने में मदद करने के लिए मेडिटेशन के कमरे बनाए हैं। जहां कर्मचारी पढ़ सकते हैं, संगीत सुन सकते हैं, योग या ध्यान कर सकते हैं। वहीं, सिप्ला ने अपने ऑफिस और प्लांट को बागानों में बदल दिया है। सिप्ला के ग्लोबल चीफ पीपल ऑफिसर राजू मिस्त्री ने इकॉनमिक टाइम्स को बताया कि हम समझते हैं कि आज के समय में कर्मचारियों को बहुत अधिक तनाव का सामना करना पड़ता है। हमने पूरे वर्कप्लेस पर वॉर्म एलईडी लाइट का इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है। यह न केवल एनर्जी एफिशिएंट में मदद करता है, बल्कि एक अधिक आरामदायक वातावरण भी बनाता है। यह प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए सिद्ध हुआ है। वहीं, स्त्रश्डद्ध ने ब्रेकआउट स्ट्रेचिंग सेशन के साथ-साथ ग्रुप एर्गोनॉमिक थेरेपी सेशंस भी शुरू किया हैं।

नेचुरल रोशनी

वर्चुअल डायबिटीज केयर प्लैटफॉर्म बीट धीरे-धीरे वर्कप्लेस पर अधिक नेचुरल रोशनी को शामिल करने की ओर बढ़ रहा है। कंपनी के एचआर हेड निलाभ गुप्ता ने कहा कि हम ऐसे पौधों में भी निवेश कर रहे हैं जो हवा को शुद्ध करने और प्रदूषण को दूर करने में मदद करते हैं। इसका उद्देश्य सांस से जुड़ी दिक्कतों को कम करना है।

डेटा-सेंट्रिक सिक्युरिटी सॉल्यूशन कंपनी सेकलर ने एक तनाव मुक्त माहौल बनाने के लिए ऑफिस में एक छोटा सा फिटनेस सेक्शन बनाया है। कंपनी की सीनियर डायरेक्टर श्रद्धा रेगे ने कहा कि कंपनी ने स्वस्थ खानपान की आदतों को बढ़ावा देने के लिए ऑफिस में हेल्दी स्नैक्स और फल देना शुरू किया है। ड्रीम स्पोर्ट ने शारीरिक और मानसिक बेहतरी के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने के लिए एक स्पोर्ट-थीम वाला वर्कप्लेस स्थापित किया है।

एडटेक कंपनी यूपी ग्रेड कर्मचारियों के लिए हेल्थ चेकअप, योग क्लासेज प्रदान कर रही है। जिससे वे बेहतर शारीरिक गतिविधियों में शामिल हों और तनाव मुक्त जीवन जी सकें। एग्री स्टार्टअप निञ्जकारत ने बेटर लाइव्स फॉर निंजा शुरू किया है। इसके तहत कंपनी ने बेहतर स्वास्थ्य के लिए कई इनिशिएटिव शुरू किए हैं। उदाहरण के लिए, 100 कर्मचारियों के लिए फिटनेस एक्सपर्ट के निर्देशन में वजन घटाने के कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

अब भारतीय मसालों पर सवाल नहीं उठाएगी दुनिया! एक्शन में केंद्र सरकार और स्पाइसेज बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर उठे विवाद के बाद सरकार ने निर्यात होने वाले मसालों की जांच प्रक्रिया कड़ी कर दी है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इन कंपनियों के चार प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड होने से जुड़े सवाल उठने के बाद मसाला बनाने वाली कंपनियों के पास से सैंपल लिए गए। इनकी जांच की गई। एक्सपोर्ट से पहले की जांच प्रक्रिया के बारे में व्यापक दिशानिर्देश जारी किए गए जिससे भारतीय मसालों के बारे में उठी चिंताओं को दूर किया जा सके।

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने कथित तौर पर कीटनाशक इटीओ की मात्रा तय मानक से अधिक होने का हवाला देकर एमडीएच और एवरेस्ट के 4 प्रोडक्ट्स को बाजार से हटाने का आदेश दिया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी उत्पादों पर निगरानी बढ़ाई गई। एमडीएच और एवरेस्ट का कहना है कि उनके उत्पादों की क्वॉलिटी बिल्कुल ठीक है। सरकारी अधिकारी ने कहा कि विवाद उठने के बाद हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर निर्यात किए जाने वाले मसालों की जांच अनिवार्य करने जैसे कदम उठाए गए। अधिकारी ने कहा, सभी निर्यातकों के लिए गाइडजाइंस जारी की गई हैं कि वे जिन देशों में मसाला निर्यात करते हैं, वहां इटीओ के बारे में जो भी मानक हैं, उनके हिसाब से पूरी जांच-परख माल भेजने से पहले कर लिया करें। स्पाइसेज बोर्ड ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग भेजे जाने वाले मसालों में इटीओ जांच को 6 मई से अनिवार्य कर दिया था। हॉन्गकॉन्ग में फूड प्रोडक्ट्स में इटीओ पूरी तरह प्रतिबंधित है। सिंगापुर में 50 पार्ट्स पर मिलियन तक की इजाजत है यूरोपियन यूनियन ने 0.1 मिलीग्राम प्रति किलो तक की सीमा तय की है। अधिकारी ने कहा कि इंडियन सैंपल के रिजेक्ट होने का रेट 1 प्रतिशत से भी कम रहा है। 2023-24 में 14 लाख टन मसाले में से केवल 0.2 प्रतिशत माल ही ऐसा था, जो विभिन्न देशों के मानकों पर खरा नहीं पाया गया था। वहीं, भारत में आयात होने वाले फूड कंसाइनमेंट्स में से 0.73 प्रतिशत हिस्सा हमारे स्टैंडर्ड के हिसाब से ठीक नहीं पाया गया। वित्त वर्ष 2024 में 1.4 करोड़ टन मसाले निर्यात करने वाले भारत के लिए यह मामला सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने भले ही बैन के बजाय रिकॉल का आदेश दिया, लेकिन इससे भारतीय मसालों पर गंभीर सवाल उठ गया। कंपनियां जरूरी जांच-परख करें और स्पाइसेज बोर्ड इनको सर्टिफिकेट देने की प्रक्रिया कड़ी करे क्योंकि यह साख का मसला है।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुनेंगे रोहन बोपन्ना

युकी भांबरी या श्रीराम बालाजी होंगे च्वॉइस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टॉप डबल्स खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पेरिस ओलंपिक के लिए अपना भारतीय जोड़ीदार चुनेंगे. इस दौड़ में वह एन. श्रीराम बालाजी या युकी भांबरी में से किसी एक को अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं. अखिल भारतीय टेनिस संघ से उन्हें मंजूरी मिलना तय है. वर्ल्ड डबल्स रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज 44 वर्ष के बोपन्ना शीर्ष दस में होने के कारण अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं. पेरिस ओलंपिक में पुरुष डबल्स ड्रॉ में 32 टीमें

होंगी, जिसमें से एक देश अधिकतम दो टीमें रख सकता है. क्वॉलीफिकेशन मानदंडों के तहत शीर्ष दस में शामिल खिलाड़ी अपना जोड़ीदार चुन सकते हैं, जो एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 300 के भीतर होना चाहिए. फ्रेंच ओपन के बाद 10 जून की रैंकिंग क्वॉलीफिकेशन के लिए मान्य होगी. एआईटीए सूत्रों के अनुसार बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए उनके जोड़ीदार के तौर पर टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना में शामिल करने के लिए एआईटीए को बालाजी और भांबरी का नाम भेजा है. एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने पीटीआई से कहा, 'आमतौर पर खिलाड़ी अपना जोड़ीदार खुद चुनता है. चयन समिति उससे विकल्प पूछेगी और उस पर बात की जाएगी. रोहन जिसके साथ भी खेलना चाहेगा, उस पर विचार किया जाएगा.' बालाजी ने हाल ही में जर्मनी के आंद्रे बेजेमैन के साथ कैगलियारी चैलेंजर टूर्नामेंट जीता था. वहीं भांबरी ने फ्रांस के अलबानो ओलिवेत्ती के साथ अप्रैल में म्युनिख में एटीपी 250 टूर्नामेंट जीता और इस महीने बोर्डो चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचे.

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका

चोट का शिकार हुए अंग्रेज कप्तान जोस बटलर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान आईपीएल प्लेऑफ से पहले अपने देश लौट चुके हैं. दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी. लेकिन इस सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के

कप्तान जोस बटलर चोट का शिकार हो गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड-पाकिस्तान सीरीज में जोस बटलर को बाहर बैठना पड़ सकता है. लेकिन सवाल है कि क्या टी20 वर्ल्ड कप तक जोस बटलर फिट हो पाएंगे? अगर जोस बटलर जोस टी20 वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध नहीं हुए तो इंग्लैंड टीम के लिए बड़ा झटका होगा.

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में जोस बटलर के खेलने पर संस्पेश...

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच 22 मई को खेला जाएगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जोस बटलर पहले मैच में खेल नहीं पाएंगे.

हिटमैन रोहित शर्मा के आरोपों पर स्टार स्पोर्ट्स का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और स्टार स्पोर्ट्स के बीच बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा। स्टार स्पोर्ट्स ने भारतीय कप्तान के आरोपों का जवाब देते हुए कहा है कि चैनल ने उनका कोई ऑडियो ना रिकॉर्ड किया है और ना ही उसे चलाया गया है।

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर क्रिकेट जगत में सनसनी मचा दी थी। दरअसल, रोहित का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह मैच से पहले अपने दोस्तों और सहकर्मियों से बात कर रहे थे। इतने में रोहित ने देखा कि कैमरामैन उनकी बातचीत को रिकॉर्ड कर रहा है। रोहित ने उनसे हाथ जोड़कर अपील की कि वह ऑडियो रिकॉर्ड न करें। वीडियो वायरल होने के बाद रोहित ने इसे लेकर स्टार स्पोर्ट्स पर गुस्सा उतारा। रोहित शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, क्रिकेटरों की जिंदगी इतनी दखलंदाजी वाली हो गई है कि कैमरे अब हमारे हर कदम और बातचीत को रिकॉर्ड कर रहे हैं, जो हम अपने दोस्तों और सहकर्मियों के साथ प्रशिक्षण के दौरान या मैच के दिनों में एकांत में कर रहे हैं।

हिटमैन ने आगे लिखा, जबकि, स्टार स्पोर्ट्स से भी कहा था कि बातचीत को रिकॉर्ड ना करें, उसके बावजूद उन्होंने किया और ऑन एयर भी कर दिया, जो गोपनीयता का उल्लंघन है। एक्सक्लूसिव कंटेंट पाने और सिर्फ व्यूज पाने के अलावा इंगेजमेंट पर फोकस करना एक दिन फैन्स, क्रिकेटर्स और क्रिकेट के बीच विश्वास खो देगा। रोहित शर्मा को जवाब देते हुए कहा, रोहित शर्मा की बातचीत की क्लिप 16 मई, वानखेड़े स्टेडियम की है। उस वीडियो में रोहित शर्मा अपने दोस्तों के साथ बातचीत कर रहे थे। हमने उस क्लिप का कोई ऑडियो और कोई बातचीत ना तो रिकॉर्ड की और ना ही उसे प्रसारित किया। उस वीडियो का इस्तेमाल सिर्फ प्री-शो के लिए हुआ था, लेकिन, उसमें कोई ऑडियो रिकॉर्ड नहीं था। इसके अलावा चैनल ने कहा कि वह खिलाड़ियों की गोपनीयता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रोहित शर्मा ने ट्रेनिंग ग्राउंड पर स्टार स्पोर्ट्स के कैमरामैन से कहा, भाई यार ऑडियो बंद कर भाई, एक ऑडियो ने मेरी वाट लगा दी है, जिसे बाद में ऑन एयर भी दिखाया।

मैं बहुत खुश होऊंगा

हरभजन सिंह ने भारतीय क्रिकेट टीम का कोच बनने की इच्छा जताई

नई दिल्ली, एजेंसी। भविष्य में टीम इंडिया के लिए कोचिंग की भूमिका निभाने की संभावना का संकेत देते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह उस खेल को कुछ वापस देना चाहेंगे जिसने उन्हें इतना शानदार करियर दिया है। उन्होंने कहा कि मेन इन ब्लू को कोचिंग देना टीम प्रबंधन के बारे में है। हरभजन का यह बयान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पुरुष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने के एक सप्ताह बाद आया है जिसका कार्यकाल इस साल 1 जुलाई से शुरू होगा और 31 दिसंबर, 2027 को समाप्त होगा जिस साल अगला 50 ओवर का क्रिकेट विश्व कप होगा। भारतीय टीम की कोचिंग के बारे में बात करते हुए हरभजन ने कहा, मुझे नहीं पता

कि मैं आवेदन करूंगा या नहीं। भारत को कोचिंग देना मैन मैनेजमेंट के बारे में है, खिलाड़ियों को गाड़ी चलाना और खींचना सिखाने के बारे में नहीं। वे इसे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। आप उन्हें कुछ मार्गदर्शन दे सकते हैं।

क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अगर मुझे इसे वापस देने का मौका मिलता है, तो मैं बहुत खुश होऊंगा।

पिछले साल नवंबर में भारत के फाइनल में पहुंचने के बाद घर पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप नहीं जीत पाने के बाद वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को जून तक का विस्तार दिया गया था, जो कि वेस्टइंडीज और यूएसए में आईसीसी टी20 विश्व कप का आयोजन भी है। आवेदन की अंतिम तिथि 27 मई शाम 6 बजे तक होगी। बीसीसीआई के एक बयान में कहा गया, बीसीसीआई ने सोमवार को सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन खोले हैं। इस पद के लिए आवेदन 27 मई, 2024 को शाम 6 बजे तक जमा किए जाने चाहिए। चयन प्रक्रिया में आवेदनों की गहन समीक्षा, उसके बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार और शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का मूल्यांकन शामिल होगा।

गौतम गंभीर ने साधा आईसीसी के इस नियम पर निशाना, जानिए क्या कहा

स्पिन की कला को नष्ट कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। इस दौरान गंभीर ने रविचंद्रन अश्विन और नाथन लॉयन के करियर पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस नियम की वजह से सफेद गेंद क्रिकेट में दोनों स्पिनर्स का करियर छोटा रह गया। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने आईसीसी पर निशाना साधा है। उन्होंने बोर्ड पर स्पिन की कला को नष्ट करने का आरोप लगाया है। दरअसल, वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों के साथ 50 ओवर फेंके जाते हैं। इससे स्पिनर्स अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहते हैं। अब गंभीर ने आईसीसी को लताड़ लगाई है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह दो गेंदों वाले नियम को पूरी तरह से खत्म कर दें। गंभीर ने कहा, सफेद गेंद वाले क्रिकेट में जो सबसे खराब चीज हुई है वह है दो नई गेंदों का आना। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि आपने एक गेम से फिंगर स्पिनर का पूरा कौशल छीन लिया है, चाहे वह बाएं हाथ का स्पिनर हो या ऑफ स्पिनर हो। आपके पास दो नई गेंदें हैं और अंदर पांच फील्डर हैं। आप एक फिंगर स्पिनर से कैसे उम्मीद करते हैं कि वह सतह से कुछ भी निकालेगा और उसे अंतिम 11 में शामिल किया जाएगा? यह सफेद गेंद वाले क्रिकेट में सबसे खराब चीज है।

रविचंद्रन अश्विन और नाथन लॉयन के करियर पर बोले गंभीर- इस दौरान गंभीर ने रविचंद्रन अश्विन और नाथन लॉयन के करियर पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस नियम की वजह से सफेद गेंद क्रिकेट में दोनों स्पिनर्स का करियर छोटा रह गया। पूर्व खिलाड़ी ने कहा, मैंने इसे हर जगह कहा है। इस नियम ने दुनिया के दो सर्वश्रेष्ठ फिंगर स्पिनरों को छीन लिया है, जिन्हें अधिक सफेद गेंद क्रिकेट खेलना चाहिए था, आप (अश्विन) और नाथन लियोन। आप लोगों के नहीं खेलने का कारण यह था कि आपके लिए कुछ भी नहीं था, इन सभी बाधाओं के बावजूद एक सपाट ट्रैक पर छोटी बाउंड्री पर पावर हिटर के साथ और डीआरएस के साथ भी।

मैं इस नियम को खत्म कर दूंगा- कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर ने बताया कि उन्हें कभी मौका मिला तो वह इस नियम को खत्म कर देंगे। गंभीर ने कहा, आईसीसी का काम हर तरह के गेंदबाज को बढ़ावा देना है, जो ऑफ स्पिनर या फिंगर स्पिनर बनना चाहता है। मुझे बताएं कि अब कितने युवा स्पिन गेंदबाजी की कला अपनाना चाहते हैं? कोई नहीं, क्योंकि वे जानते हैं कि सफेद गेंद क्रिकेट में उनका कोई भविष्य नहीं है।

चेन्नई के शिवम दुबे पर हुई गालियों की बौछार

- **आरसीबी के खिलाफ धीमी पारी ने बनाया विलेन**

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2024 का आखिरी लीग मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ गंवाया था, जिसके बाद टीम प्लेऑफ की रेस से एलिमिनेट हो गई थी. चेन्नई की हार के यूं तो कई कारण रहे. लेकिन कई लोगों को मानना है कि शिवम दुबे, जिन्होंने धीमी पारी खेली, वह बेंगलुरु के खिलाफ चेन्नई की हार का सबसे बड़ा कारण रहे. आरसीबी के खिलाफ धीमी पारी के बाद शिवम आलोचकों के हत्थे चढ़ गए. चेन्नई और बेंगलुरु के बीच मुकाबला 18 मई, शनिवार को खेला गया था.

लेकिन फैंस अब भी शिवम दुबे से सोशल मीडिया पर गाली-गलौज कर रहे हैं. शिवम की कई इंस्टाग्राम पोस्ट पर लोग उन्हें लगातार गाली दे रहे हैं. कई लोग शिवम को आरसीबी का 12वां खिलाड़ी भी कह रहे हैं. शिवम आईपीएल में आरसीबी का भी हिस्सा रह चुके हैं. इसके अलावा चेन्नई के ऑलराउंडर पर और भी कई तरह के आरोप लगाए गए. बता दें कि बेंगलुरु के खिलाफ अहम मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करते हुए शिवम 15 गेंदों में सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गए थे.

क्या विराट कोहली दोहरा पाएंगे साल 2016 वाला कारनामा

...बस इतने ही रन चाहिए

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल का ये 17वां सीजन चल रहा है। लेकिन साल 2016 का इंडियन प्रीमियर लीग अभी भी लोगों को अक्सर याद आ जाता है। ये वही साल था, जब आईपीएल के सीजन में किसी बल्लेबाज ने करीब एक? हजार रन जड़ दिए थे। इससे पहले और इसके बाद से लेकर अब तक कभी ऐसा नहीं हो पाया। लेकिन अब विराट कोहली खुद ही अपना कीर्तिमान तोड़ने के करीब पहुंच गए हैं। क्या कोहली साल 2016 वाला कारनामा एक बार फिर से दोहरा पाएंगे, ये बड़ा सवाल बन गया है।

कोहली अब तक बना चुके हैं 708 रन

आरसीबी के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज विराट कोहली इस साल आईपीएल में अब तक 14 मुकाबले खेलकर 708 रन बना चुके है। वे अकेले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 700 का आंकड़ा पार किया है। उनके अलावा कोई और बल्लेबाज 600 रन भी नहीं बना पाया है। यानी अगर कोई बड़ा उलटफेर नहीं हुआ तो ये करीब करीब तय सा लग रहा है कि इस बार ऑरेंज कैप उन्हीं के नाम होगी। लेकिन इस कैप को जीतने से ज्यादा कोहली ये चाह रहे होंगे कि उनकी टीम फाइनल में पहुंचे और पहली बार खिताब भी अपने नाम करे।

साल 2016 के आईपीएल में विराट कोहली

इस बीच अगर साल 2016 की बात की जाए तो उस साल कोहली ने बल्ले ने धमाल मचाया था। उन्होंने उ साल 16 मैच खेलकर 973 रन बनाए थे, जो आज भी आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड है। लेकिन क्या कोहली फिर से 900 का आंकड़ा पार कर पाएंगे। इतना ही नहीं, क्या कोहली साल 2016 का अपना ही कीर्तिमान तोड़ पाएंगे।

मसल टीयर इंजरी होने के बावजूद IPL खेल रहे थे एमएस धौनी

सर्जरी के लिए जाएंगे लंदन

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग में इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर खेलते हुए दिखाई दिए. 42 साल के हो चुके धोनी को लेकर कयास थे कि वह बीच टूर्नामेंट में या फिर इस सीजन सीएसके का अभियान खत्म होने के बाद इस लीग से अपने संन्यास का ऐलान कर सकते हैं. लेकिन धोनी ने अभी तक ऐसा नहीं किया है.

हालांकि धोनी के फैन्स के लिए खबर कुछ चिंताजनक है. धोनी इस सीजन मसल टीयर से जूझ रहे हैं और वह इसी चोट के साथ पूरा सीजन आईपीएल में खेले. इस सीजन धोनी लगातार निचले क्रम पर बैटिंग के लिए आ रहे थे या फिर वह अंतिम 2 ओवरों में ही बैटिंग पर उतरना पसंद कर रहे थे. इसके पीछे वजह यह थी कि धोनी इस मसल टीयर के चलते ज्यादा दौड़ नहीं पा रहे थे. ऐसे में उन्हें

निचले क्रम में खेलने के चलते कई बार आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा. एक मैच में तो वह नंबर 9 पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे. रिपोर्ट के मुताबिक, अपने सूत्रों के आधार पर पर बताया है कि धोनी इस मसल्स टीयर के लिए लंदन इलाज करवाने जाएंगे. इस रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी इस चोट के इलाज के बाद आईपीएल में अपने भविष्य पर फैसला करेंगे. ऐसे में उन्हें यह फैसला लेने में 5 से 6 महीने का समय लग सकता है. बता दें आईपीएल में धोनी के साथ सीएसके के लिए खेल चुके ऑस्ट्रेलिया के पूर्व धाकड़ ओपनिंग बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने बीते शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आउट होने के बाद कहा था कि उन्हें लगता है कि धोनी के आईपीएल करियर का अंत हो गया है. उन्होंने कहा था, 'मुझे लगता है कि यह हो चुका है. मुझे लगता है कि यह आखिरी बार होगा, जब धोनी खेलेंगे. हालांकि यह आखिरी बार नहीं है कि हम धोनी को यहां देखेंगे. मुझे तब बहुत हैरानी होगी अगर हम धोनी बतौर मेंटॉर और सीएसके परिवार का हिस्सा नहीं बनेंगे.'

माता-पिता बने यामी -आदित्य धर

वेदविद् रखा बेटे का नाम

अभिनेत्री यामी गौतम और फिल्म निर्देशक आदित्य धर के घर नन्हा मेहमान आया है। हाल ही में आर्टिकल 370 में मुख्य भूमिका में नजर आई यामी गौतम धर ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। इस बात की जानकारी खुद यामी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। यामी ने बताया कि उनके घर लड्डू गोपाल का जन्म हुआ है। इतना ही नहीं, यामी ने अपने बेटे का नाम भी बताया है। यामी ने भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित मां और बेटे की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर पर लिखा, हमें ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे घर नन्हा राजकुमार आया है। वेदविद्, जिन्होंने अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर जन्म लेकर हमें गौरवान्वित किया, कृपया उन्हें अपना आशीर्वाद और प्यार प्रदान करें। यह नाम हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अर्थ रखता है और कपल ने अपने बेटे का नाम रखते समय बहुत सोच-विचार किया है। हिंदू पौराणिक ग्रंथ के अनुसार, वेदविद् का अर्थ है वह व्यक्ति जो वेदों में पारंगत हो।

टाइगर श्रॉफ ने एक आगामी फिल्म के लिए धर्मा प्रोडक्शन्स के साथ हाथ मिलाया, नए अवतार में देंगे दिखाई

बॉलीवुड के यंगेस्ट एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ एक बड़े बजट की फिल्म के लिए करण जौहर के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।रिपोर्टों के अनुसार, श्रॉफ धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित एक फिल्म करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे। एक सूत्र ने कहा कि कई स्क्रिप्ट्स पर विचार करने के बाद, टाइगर और करण दोनों ने इस स्क्रिप्ट पर विचार किया, दोनों को लगा कि 2025 में बड़े पर्दे पर वापसी के लिए एक्टर के लिए सबसे अच्छी फिल्म होगी। सोर्स ने कहा तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है और एक घोषणा की जा रही है जून के अंत तक बनने की उम्मीद है। सूत्र ने आगे बताया कि यह फिल्म एक मनोरंजक फिल्म है, जिसे ग्रैंड स्केल पर पेश किया जाएगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया, यह किरदार उनके (टाइगर) द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए किसी भी काम से अलग है। टाइगेरियंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रोजेक्ट किस बारे में होगा। एक्टर को बड़े पर्दे पर एंटरटेन करते देखने के लिए उनकी उत्सुकता आसमान छू रही है। ट्रेड एनालिस्ट जोगिंदर टुटेजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बड़ी खबर को शेयर करके टाइगेरियंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

रक्षणा के निर्माता का पायल राजपूत पर पलटवार

अभिनेत्री के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

पायल राजपूत के इस हमले के जवाब में निर्माता और निर्देशक श्री प्रणदीप ठाकोर ने भी अभिनेत्री के खिलाफ तेलुगु फिल्म निर्माता परिषद में शिकायत दर्ज करवाया है। अपनी शिकायत में प्रणदीप ठाकोर ने आरोप लगाया कि पायल फिल्म के प्रमोशन में मदद नहीं कर रही हैं। साउथ सुपरस्टार पायल राजपूत इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। काफी लंबे समय से उनकी विलंबित फिल्म रक्षणा अब रिलीज को तैयार है, लेकिन पायल राजपूत किसी और वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से रक्षणा के निर्माताओं के खिलाफ एक पोस्ट साझा किया था। वहीं अब फिल्म के निर्माता और निर्देशक श्री प्रणदीप ठाकोर भी पायल के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। आइए बताते हैं आखिर पूरा मामला क्या है।

पायल ने लगाए ब्लैकमेलिंग के आरोप

अभिनेत्री पायल राजपूत फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी के कारण भी चर्चा में बनी रहती हैं। अभिनेत्री ने अपनी फिल्म रक्षणा के निर्माता और निर्देशक के खिलाफ एक पोस्ट को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, मैंने साल 2019 से लेकर 2020 तक एक फिल्म की शूटिंग की थी। यह फिल्म रक्षणा है। अब लगभग पांच साल बाद इसे रिलीज किया जा रहा है जबकि मुझे मेरे पैसे अभी तक नहीं मिले हैं।

अदिति राव हैदरी के पसंदीदा अभिनेता हैं रणबीर कपूर

'बिब्बोजान' ने बांधे भंसाली की तारीफों के पुल

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने एक साक्षात्कार के दौरान संजय लीला भंसाली, रणबीर कपूर और रणबीर सिंह के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने भंसाली के फिल्म निर्माण शैली की सराहना भी की। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में फिल्म 'रॉकस्टार' में अभिनेता रणबीर कपूर और 'पद्मावत' में रणबीर सिंह के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया। अभिनेत्री इन दिनों संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में 'बिब्बोजान' का किरदार निभाने के बाद से सुर्खियों में बनी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी 'गजगामिनी' चाल भी खूब वायरल हो रही है। इससे पहले अभिनेत्री भंसाली के साथ फिल्म 'पद्मावत' में काम कर चुकी हैं।

भंसाली की फिल्म मिलने पर खुश थी अदिती

एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्होंने जैसे ही मणिरत्नम की फिल्म की शूटिंग खत्म की, उसके तीन दिनों बाद ही वह संजय लीला भंसाली के सेट पर थीं। वह इससे बहुत खुश थीं और सोच रही थीं कि 'यह कैसी दुनिया है?'

साइबर फ्रॉर्ड का शिकार हुए अर्जुन बिजलानी, लगा 40 हजार का चूना, एक्टर बोले-ये डरावना है

देश में आए दिन साइबर फ्रॉड के मामले बढते जा रहे हैं। अब हाल ही में टीवी के जाने-माने एक्टर अर्जुन बिजलानी भी इस फ्रॉड का शिकार हो गए हैं। इस स्कैम में उन्हें 40 हजार का नुकसान भुगतना पड़ा है। इस बात जानकारी देते हुए एक्टर ने बताया कि उनके साथ कैसे ये फ्रॉड हुआ।

अर्जुन बिजलानी ने इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ये कितना डरावना है। उन्होंने कहा, मेरा क्रेडिट कार्ड सिर्फ मेरे पास होता है और मैं जिम में वर्कआउट कर रहा था। एक ब्रेक के बीच में मैंने मेरा फोन चेक किया और मैंने देखा कि बहुत सारे मैसेज हैं कि मेरा क्रेडिट कार्ड स्वाइप हुआ है और लगातार ट्रांजेक्शन हो रहे हैं। मेरी पत्नी के पास भी एक सप्लीमेंट्री कार्ड है, तो मैंने उससे पूछा तो उसने बताया कि उसका कार्ड उसी के पास है। तो ये साफ है कि डिटेल्स लीक हुई हैं और हम क्लूलेस थे कि ये कैसे हुआ। अर्जुन ने आगे बताया कि जैसे ही उन्हें साइबर ठगी का शक हुआ, वैसे ही उन्होंने क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करवा दिया। एक्टर बोले, 'यह घटना आंखें खोलने वाली है।

उस वक्त अगर मैं सो रहा होता तो क्या होता? बहुत से लोग सारे मैसेज नहीं चेक करते हैं लेकिन अब समझ में आया कि ये मैसेज पढ़ना कितना जरूरी होता है। खुशकिस्मती से मैंने देख लिया और सिर्फ 7 से 8 ट्रांजैक्शंस थे। हर ट्रांजैक्शन 3 से 5 हजार का था। कुल मिलाकर कार्ड से 40 हजार रुपये गए। मेरे क्रेडिट कार्ड की लिमिट 10-12 लाख की है। इसलिए फोन चेक न किया होता तो सिचुएशन और बिगड़ सकती थी।

एक्टर के साथ हुए इस फ्रॉड के बाद उनके फैंस काफी हैरान हैं और कमेंट कर इस घटना पर रिएक्ट भी कर रहे हैं।

गेम चेंजरः राम चरण और कियारा की आने वाली फिल्म के बारे में 06 रोचक बातें

राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत निर्देशक एस. शंकर की आगामी फिल्म गेम चेंजर काफी चर्चा बटोर रही है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के बारे में हम अब तक क्या जानते हैं-

शंकर की तेलुगु निर्देशित पहली फिल्म

- गेम चेंजर शंकर की पहली मूल तेलुगु फिल्म है, हालांकि उनकी कई फिल्में तेलुगु में डब हो चुकी हैं। इस फिल्म की शूटिंग साथ में तमिल में भी की जा रही है.

2. कहानी कार्तिक सुब्बाराज द्वारा

- पिज्जा और जिगरथंडा के लिए मशहूर कार्तिक सुब्बाराज ने गेम चेंजर की कहानी लिखी है। यह किसी अन्य निर्देशक के लिए लिखी गई उनकी पहली कहानी है, जिसे शंकर ने अपनी निर्देशन शैली के अनुकूल होने के कारण चुना।

3. फिल्म का कथानक

- कहानी राम चरण द्वारा निभाए गए एक आईएएस अधिकारी पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य भ्रष्ट राजनेताओं से मुकाबला करके और निष्पक्ष चुनावों को बढ़ावा देकर सरकारी संचालन में सुधार करना है। ग्लोबल स्टार का यह नया अनदेखा अवतार स्क्रीन पर कुछ लोगों के लिए रोमांच पैदा कर रहा है।

4. मुख्य अभिनेताओं का लुक

- लीक हुई सेट तस्वीरों में राम चरण को चश्मे के साथ औपचारिक पोशाक और करीने से कंघी किए हुए हेयरस्टाइल में दिखाया गया है। कियारा आडवाणी पारंपरिक नीली और सुनहरी साड़ी के साथ क्रीम ब्लाउज और पोनीटेल में नजर आ रही हैं। ऑन-स्क्रीन पसंद की जाने वाली यह जोड़ी एक बार फिर दिल चुराने के लिए तैयार है।

5. मुख्य जोड़ी के लिए दूसरा सहयोग

- यह उनकी 2019 की फिल्म विनय विद्या राम के बाद राम चरण और कियारा आडवाणी की एक साथ दूसरी फिल्म है। पिछली फिल्म के मिश्रित स्वागत के बावजूद, उनकी केमिस्ट्री को खूब सराहा गया और दोनों कलाकार फिर से साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।

6. पहला गाना रिलीज़ होने से प्रत्याशा बढ़ती है गेम चेंजर का पहला गाना, जिसका नाम जरागंडी है, राम चरण के जन्मदिन, 27 मार्च को रिलीज़ किया गया था, जिसने आकर्षक धुनों के साथ फिल्म के प्रति प्रत्याशा को बढ़ा दिया।

स्टार्स के लुक्स को लेकर ट्रोल करने वालों पर भड़कीं जैस्मीन

बिग बॉस फेम अभिनेत्री जैस्मीन भसीन टीवी इंडस्ट्री में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे हमेशा बेबाकी से अपनी बातें रखती नजर आती हैं। हाल ही में अभिनेत्री कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए एक्टर्स को ट्रोल करने वाले लोगों की क्लास लगाती नजर आईं। आइए आपको बताते हैं जैस्मीन भसीन ने क्या कहा है-

हाल ही में राजकुमार राव कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। वहीं जैस्मीन भसीन बिना किसी का नाम लिए हुए कहती हैं,अगर ध्यान देकर नहीं देखा जाए तो मुझे उस फोटो में कुछ भी अलग या बदला हुआ नहीं नजर आया था। लोग कैसे बिना बात के ही ट्रोलिंग शुरू कर देते हैं

जैस्मीन भसीन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, देखिए हम सब शोबिज का हिस्सा हैं। हम सब खूबसूरत दिखना चाहते यहीं। आप ही बताइए कोई जानबूझ कर खराब दिखना चाहेगा क्या। हम सब अच्छा से अच्छा दिखने की कोशिश करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी या उनकी शारीरिक बनावट में किसी बदलाव के लिए जब भी किसी स्टार को ट्रोल किया जाता है तब उसका नकारत्मक प्रभाव उनके मेंटल हेल्थ पर पड़ता है।

थैंक्यू फॉर कमिंग एक्टर के घर पर लगी भीषण आग, अवॉर्ड्स से लेकर जरूरी डॉक्यूमेंट जलकर हुए खाक

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में नजर आए सुशांत दिग्विकर के घर पर एक हादसा हो गया, जिसके बाद अफरा तफरी मच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को सुशांत के घर भीषण आग लग गई, जिससे उनका काफी नुकसान हो गया। इस खबर के बाद एक्टर के फैंस उनके लिए काफी परेशान हो रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि बांद्रा स्थित सुशांत के लिविंग रूम में एयर कंडिशनर ब्लास्ट होने के बाद आग लग गई। यह आग रसोई तक फैल गई और पूरा घर जलकर खाक हो गया। गनीमत यह रही कि किसी को कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि सुशांत और उनके परिवार के सदस्यों को घर से सुरक्षित निकाल लिया गया था। मीडिया से बात करते हुए सुशांत के मैनेजर ने खुलासा किया कि एक्टर इस समय सदमे में हैं क्योंकि आग लगने से उन्हें भारी नुकसान हुआ है। उनके जरूरी डॉक्यूमेंट से लेकर उनके मेकअप तक सब कुछ जलकर खाक हो गया है। हालांकि, किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और परिवार इसके लिए आभारी है। घटना का खुलासा करते हुए सुशांत के मैनेजर ने बताया कि, जब वे रात का खाना खा रहे थे तो घर के लिविंग रूम में एयर कंडीशनर में विस्फोट हो गया और आग तेजी से खुले किचन एरिया और ऑफिस एरिया में फैल गई, जिसमें अवॉर्ड्स, अप्लाइंसेस सहित ज्यादातर सभी चीजें बर्बाद हो गईं।

वाराणसी पहुंच मां गंगा की भक्ति में डूबे राजकुमार और जाह्नवी

जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर काफी चर्चा में हैं। दोनों स्टार्स जगहों-जगहों पर जाकर अपनी इस मूवी का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच, हाल ही में जाह्नवी और राजकुमार फिल्म के प्रमोशन को लेकर वाराणसी पहुंचे, जहां दोनों ने गंगा आरती भी की। अब गंगा घाट से दोनों स्टार्स की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। वाराणसी पहुंच राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर मां गंगा की भक्ति में डूब गए हैं। वे दोनों हाथ जोड़ मां की आरती करते दिखे। इस दौरान दोनों स्टार्स पर पुष्प वर्षा भी हुई, जहां उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। इस मौके पर जाह्नवी कपूर लाइट ब्लू कलर की गोल्डन बॉर्डर वाली सिल्क साड़ी में बेहद गॉर्जियस दिखीं।